नई दिल्ली । बुधवार, 24 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :169/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026... | @ विचार शहर किसके लिए : वाहन या नागरिक?... | @ व्यापार लगातार तेजी के बाद फिसला बाजार, सेंसेक्स 893 अंक...

प्रतिभा को मिला राष्ट्र का सम्मान पद्म सम्मान से अलंकृत हुए सितारे

अवॉर्ड पाने वालों की लिस्ट में दो अमेरिकी, एक रूसी और एक जॉर्जियाई नागरिक भी शामिल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को 'नागरिक अलंकरण समारोह-द्वितीय' में 'पद्म पुरस्कार- 2026' प्रदान किए गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया।

इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन (मरणोपरांत) को पद्म भूषण से सम्मानित किया। उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने सम्मान प्राप्त किया। वहीं, टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। गायिका अलका याग्निक को राष्ट्रपति मुर्मु ने पद्म भूषण से सम्मानित किया। इस दौरान पी. नारायणन और जस्टिस (रिटायर्ड) केटी थॉमस को साहित्य और शिक्षा तथा जन-कार्य के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पद्म भूषण पाने वाले अन्य लोगों में एसकेएम मैलानंदन, ममूटी, वेल्लापल्ली नटेसन और दत्तात्रेयुडु नोरी शामिल हैं। अवॉर्ड पाने वालों की लिस्ट में दो अमेरिकी, एक रूसी और एक जॉर्जियाई नागरिक भी शामिल हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने अलंकरण समारोह में 65 लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए हैं, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण, और 56 पद्म श्री शामिल हैं। इससे पहले राष्ट्रपति ने 25 मई को आयोजित पहले नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे, जिनमें दो पद्म विभूषण, छह पद्म भूषण और 57 पद्म श्री शामिल थे। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं: पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण। पद्म पुरस्कार कला, समाजसेवा, जन-कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में दिए जाते हैं। 'पद्म विभूषण' असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, 'पद्म भूषण' उच्च स्तर की विशिष्ट सेवा के लिए और 'पद्म श्री' किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस पर की जाती है।

भारत ने पाकिस्तान को दी पटखनी

पाक को हराकर कायम रखी 10 सालों की बादशाहत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला लंदन में खेला गया। मैच में पाकिस्तान ने पहले क्वार्टर में ही गोल दागकर भारत की टेंशन बढ़ा दी थी। हालांकि, टीम इंडिया ने दूसरे क्वार्टर में वापसी की और 2 गोल दागकर बढ़त हासिल कर ली। भारत ने एक समय पाकिस्तान पर 4-1 की बढ़ हासिल कर ली थी। हालांकि, खेल के अंतिम पड़ाव में पाक के लिए अबू महमूद और मोईन शकील ने गोल दागा लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। भारत ने मुकाबले को 4-3 से अपने नाम कर लिया।

भारत ने पाकिस्तान को हराया

लंदन में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हरा दिया है। पाक ने पहले क्वार्टर में गोल दागा था और शुरुआती बढ़त हासिल की थी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने वापसी की और अभिषेक ने पहला गोल दागकर स्कोर को बराबर कर दिया। भारत ने दूसरे क्वार्टर में दो गोल दागे और 2-1 से बढ़त बनाई। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा रहा और सुखजीत सिंह ने गोल दागकर टीम इंडिया को 3-1 से आगे कर दिया। चौथे क्वार्टर में राजिंदर ने गोल किया और भारत को 4-1 से बढ़त मिल गई। हालांकि, खेल के अंतिम पलों में पाकिस्तान ने वापसी की और दो गोल दागे। भारत ने मैच को 4-3 से अपने नाम कर लिया और पाकिस्तान पर अपना दबदबा कायम रखा। पाक टीम भारत के खिलाफ पिछले 10 सालों से कोई हॉकी मैच नहीं जीत सकी है।

पाकिस्तान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इसका अबू महमूद ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने ड्रैग फ्लिक के लिए कदम बढ़ाया, नीचे की ओर शॉट लगाया और गैप ढूंढ लिया। गेंद सूरज करकेरा के पैरों के बीच से निकल गई और इसी के साथ पाकिस्तान ने दूसरा गोल किया है। अब भारत की बढ़त 4-2 हो गई है।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के लिए राजिंदर सिंह ने चौथे क्वार्टर में गोल दाग दिया है। इसी के साथ भारत ने मुकाबले में 4-1 से बढ़त बना ली है। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बाद गोल किया।

भारत और पाकिस्तान के बीच लंदन में खेले जा रहे प्रो हॉकी लीग के मुकाबले में चौथे क्वार्टर का खेल शुरू हो चुका है। तीसरे क्वार्टर में सुखजीत सिंह के गोल के दम पर टीम इंडिया ने पाकिस्तान पर 3-1 से बढ़त हासिल कर ली है। भारत इसी लय को आगे भी जारी रखना चाहेगा।

सुखजीत ने शानदार फिनिश करते हुए भारत के लिए तीसरा गोल दाग दिया है। गोल की ओर पीठ करके खड़े होकर उन्होंने गेंद को एक टच दिया, घूमे और डाइव लगाते हुए

जिससे करनी थी शादी, उसी ने रची मौत की साजिश

एजेंसी ■ मुंबई

महाराष्ट्र के पुणे के लोनावला स्थित लोहागढ़ में ट्रेकिंग के दौरान कारोबारी परिवार के 24 वर्षीय युवक केतन अग्रवाल की मौत ने एक नया मोड़ ले लिया है। पहले इस घटना को हादसा माना गया था, लेकिन पुलिस जांच में हत्या की आशंका सामने आई है। सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने इस घटना में हत्या का मामला दर्ज किया है।

पुलिस अधीक्षक (पुणे ग्रामीण) संदीप सिंह गिल ने कहा कि 18 जून को एक कपल, जिनकी इंगेजमेंट फरवरी में हुई थी, सिया गोयल और केतन अग्रवाल, लोहागढ़ किले में घूमने के लिए गए थे। वहां से तकरीबन 10:30 या 10:45 बजे के आसपास सिया गोयल ने फोन करके बताया कि केतन अग्रवाल फिसल के गिर गया और उसकी लोहगढ़ किले से नीचे गिरने से मृत्यु हो गई है।

उन्होंने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही वहां के सिक्योरिटी गार्ड, पुलिस, लड़की और मृतक के घर वाले घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस स्टेशन में उसी दिन केस दर्ज किया गया। मामला दाखिल करने के बाद आगे जो जांच की गई, उसमें कुछ ऐसी बातें हमारे सामने आईं, जिससे घटना को लेकर संशय पैदा हो गया।

मृतक के रिश्तेदारों और दोस्तों से हुई बातें एवं पुलिस जांच में समझ आया कि इस तरह की घटना अचानक से होना बहुत ज्यादा संभावित नहीं है, खासकर उस लड़के के साथ जो अक्सर ट्रेकिंग करता था।

पुलिस ने बताया कि लड़के ने काफी ट्रेकिंग की थी।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवा सिविल सेवक निभाएं अग्रणी भूमिका : पीएम मोदी

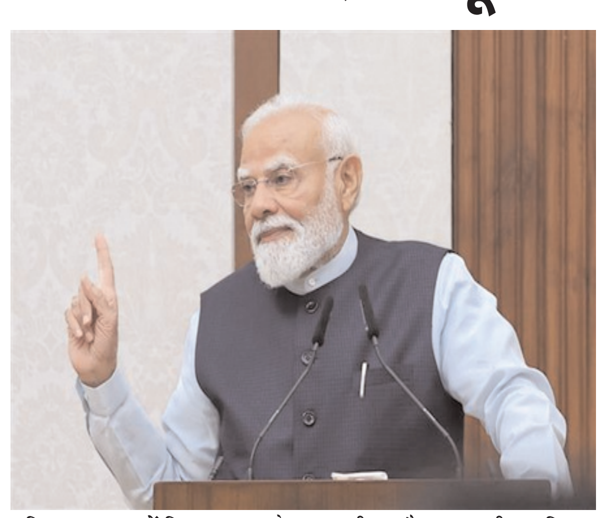

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2024 बैच के 183 अधिकारी प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए उन्हें विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान देने का आह्वान किया।

सेवा तीर्थ में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि दो वर्षों के फील्ड अनुभव और प्रशासनिक प्रशिक्षण के बाद युवा अधिकारी ऐसे महत्वपूर्ण चरण में पहुंचे हैं, जहां उनके फैसले न केवल उनके करियर बल्कि करोड़ों नागरिकों के भविष्य को भी प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसेवा की वास्तविक परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक परिस्थितियों का सामना करने में है। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से नवाचार, उद्देश्यपूर्ण कार्यशैली और नागरिक-केंद्रित शासन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रशासनिक फाइलों को केवल कागजी प्रक्रिया न समझें, बल्कि यह याद रखें कि हर फाइल के पीछे लाखों लोगों की आकांक्षाएं, समस्याएं और जीवन जुड़े होते हैं। उन्होंने 'नागरिक देवो भव' का मंत्र देते हुए अधिकारियों से हर निर्णय के केंद्र में नागरिकों को रखने और शासन को संवेदनशील, जवाबदेह तथा समावेशी बनाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि बड़े विकासात्मक लक्ष्यों को विभागीय सीमाओं में रहकर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है, जिससे स्थायी और प्रभावी परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत 2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में प्रत्येक नीति और प्रशासनिक निर्णय देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में योगदान देने वाला होना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए रोजगार एवं अवसर सृजन को वर्तमान समय की प्रमुख प्राथमिकताएं बताया।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में शासन व्यवस्था प्रक्रिया-आधारित मॉडल से परिणाम-आधारित मॉडल की ओर बढ़ी है। डिजिटल गवर्नेंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तकनीक की मदद से सेवा वितरण अधिक पारदर्शी और सुगम हुआ है।

डेटा आधारित प्रशासन पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आंकड़ों को केवल संख्या के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि उन्हें करोड़ों लोगों के जीवन, चुनौतियों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब मानना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से नियमित रूप से यह मूल्यांकन करने को कहा कि सरकारी नीतियां जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम दे रही हैं या नहीं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को अपने पद या अधिकार से नहीं, बल्कि अपने कार्यों के ठोस और मापनीय परिणामों से संतुष्टि प्राप्त करनी चाहिए।

उन्होंने राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का भी उल्लेख किया और बताया कि वर्तमान बैच में 40 प्रतिशत से अधिक अधिकारी महिलाएं हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने ली छत्तीसगढ़ की खेती-किसानी की जानकारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली/रायपुर

अल-नीनो के प्रभाव से इस बार मानसून कमजोर रहने की आशंका के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए तेजी से कदम उठाए हैं। सूखे की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार ने कम अवधि वाली फसलों, दलहन-तिलहन पर जोर, बीज सुरक्षा और फसल बीमा को प्राथमिकता देते हुए व्यापक रणनीति तैयार की है। इस आशय की जानकारी कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री राम विचार नेताम ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दी। बैठक वीडियोकांफ्रेंसिंग के माध्यम से संपन्न हुई। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, संचालक कृषि राहुल देव, संचालक अनुसंधान डॉ. विवके त्रिपाठी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में मंत्री नेताम ने बताया कि प्रदेश में 22 जून तक औसत वर्षा महज 30.8 मिलीमीटर दर्ज की गई है, जो पिछले 10 वर्षों के औसत से 58.3 मिलीमीटर कम है। खरीफ बोनी का लक्ष्य 48.69 लाख हेक्टेयर है, लेकिन अभी तक केवल 2 प्रतिशत क्षेत्र में ही बोनी हो पाई है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में सरकार ने किसानों को संभावित घाटे से बचाने के लिए कई ठोस उपाय शुरू कर दिए हैं। कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने बताया कि कृषि विभाग ने कम अवधि वाली धान के किस्मों को बढ़ावा देने के साथ-साथ मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, दलहनी और तिलहनी फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीजों को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं।

लखनऊ अग्निकांड : बिल्डिंग ढहाई जाएगी

यूपी के 48 कोचिंग सेंटर सील; 1 करोड़ मुआवजे की मांग

एजेंसी ■ लखनऊ

लखनऊ की 2 मंजिला इमारत में आग लगने की घटना में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। मंगलवार सुबह 11 बजे हादसे की जांच के लिए एसआईटी और फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने इमारत की जांच की। एसआईटी में आईपीएस प्रवीण कुमार और आईएएस अमृत अभिजात शामिल हैं।

शवों का 7 घंटे तक पोस्टमॉर्टम चला। शव घरवालों को सौंप दिए गए। पश्चिम बंगाल की अनामिका (30) का शव देखकर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची मां बेहोश हो गईं।

जांच में पता चला है कि जिस इमारत में आग लगी, वह अवैध थी। 2016 में गिराने का आदेश हुआ था। बाद में आदेश निरस्त कर दिया गया था। लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया- बिल्डिंग मालिक को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा गया है। बिल्डिंग पर बुलडोजर चलेगा।

बिल्डिंग रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक वीरेंद्र शुक्ला की है। पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर वीरेंद्र समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एलडीए के 6 अफसर सस्पेंड कर दिए गए हैं। 14 अफसरों पर भी कार्रवाई हो सकती है। वहीं, मंगलवार शाम केजीएमयू पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अगर सरकार मदद नहीं करेगी, तो कौन करेगा? सरकार की जिम्मेदारी बनती है, पूरी मदद करे। मेरी मांग है, जो 50 हजार की नौकरी करता था, जब तक वह स्वस्थ नहीं होता उसे वेतन सरकार दे और इलाज का पूरा इंतजाम करे। जो मरने वाले बच्चे हैं, उनके परिवार को सरकार को एक करोड़ रुपए देने चाहिए।

इधर, अग्निकांड के बाद प्रदेश में कोचिंग-होटलों में पुलिस छापेमारी कर रही है। अब तक 48 कोचिंग और 3 होटल सील कर दिए गए हैं।

तृणमूल कांग्रेस पर दावेदारी की लड़ाई पहुंची चुनाव आयोग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा के 20 सांसदों और बड़ी संख्या में विधायकों की बगावत से पहले से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस में अब पार्टी पर दावेदारी को लेकर भी लड़ाई तेज हो गई है। पार्टी के बागी गुट की ओर से विशेष अधिवेशन के जरिए पार्टी का एक नया सांगठनिक ढांचा खड़ा करने और वरिष्ठ विधायक अरूप राय को पार्टी के मुखिया के तौर चयन के बाद ममता बनर्जी गुट ने मंगलवार को चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। आयोग को पत्र लिखकर कहा है कि पार्टी की अध्यक्ष ममता बनर्जी ही है। इसके साथ ही पार्टी के सांगठनिक ढांचे का पूरा ब्यौरा भी आयोग को मुहैया कराया है।

आयोग से जुड़े सूत्रों की मानें तो ममता बनर्जी गुट की ओर से मिले पत्र सहित पार्टी के संविधान का अध्ययन वह करा रहे है। बागी गुट की ओर से यदि पार्टी को लेकर कोई दावेदारी की जाती है, तो वह सारे पहलुओं को देखगा।

वहीं यह पूरी कवायद तब शुरू हुई, जब विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने दावा किया कि पार्टी के भीतर खड़े हुए संवैधानिक संकट के चलते विशेष बैठक बुलाई गई थी। साथ ही तर्क दिया कि फरवरी 2022 में बनी पिछली नेशनल वर्किंग कमेटी का समय खत्म हो गया था।

बागी खेमे का दावा है कि तृणमूल पार्टी का विशेष सत्र पार्टी के संविधान के अनुसार हुआ है। जिसमें पदाधिकारियों की नई नियुक्तियों के अलावा नई नेशनल वर्किंग कमेटी की घोषणा की गई। साथ ही कहा कि पार्टी की विशेष बैठक की जानकारी जल्द ही चुनाव आयोग को दी जाएगी।

लखनऊ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना प्रदेश के लिए बड़ा सबक
फायर सेफ्टी मानकों से कोई समझौता नहीं : सीएम योगी

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के अलीगंज में बीते दिनों आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को प्रदेश के लिए एक बड़ा सबक बताते हुए कहा कि इस पीड़ादायक घटना से सीख लेते हुए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इसके लिए शासन, प्रशासन और आमजन को मिलकर अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में मिशन मोड में व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी जनपदों में अस्पतालों, नर्सिंग होमों, मेडिकल कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, शॉपिंग मॉल, सरकारी भवनों तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच कर आवश्यक सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

मंगलवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह अभियान पूरी तरह जनहित में संचालित किया जाएगा। पहले व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि अभियान के नाम पर किसी भी नागरिक का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जनपद में विशेष टीम गठित कर फायर ऑडिट अभियान संचालित किया जाए। सभी कोचिंग संस्थानों का विधिवत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा व्यावसायिक भवनों में अग्निशमन विभाग से प्राप्त अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) भवन परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए।

सीएम ने कहा कि सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भवन अथवा भूमि का उपयोग उसी उद्देश्य के अनुरूप होना चाहिए, जिसके लिए उसे स्वीकृति प्रदान की गई है। आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन नहीं होना चाहिए तथा निर्धारित उपयोग के विपरीत किसी भी प्रकार की गतिविधि स्वीकार्य नहीं होगी।

उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में बेसमेंट में कोचिंग अथवा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन न होने पाए। यदि बेसमेंट पार्किंग के लिए स्वीकृत है तो उसका उपयोग केवल पार्किंग के लिए ही किया जाए। मुख्यमंत्री ने व्यावसायिक भवनों में विद्युत भार (लोड) का आकलन कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां विद्युत भार निर्धारित मानकों के विपरीत पाया जाए अथवा अन्य नियमों का उल्लंघन हो रहा हो, वहां तत्काल नियमानुसार कठोरतम कार्रवाई की जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने बीते दिनों लखनऊ में घटित आग लगने की दुर्घटना के संबंध में अपर मुख्य सचिव गृह, पुलिस महानिदेशक, महानिदेशक अग्निशमन सेवा, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा एसडीआरएफ के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने घटना की सूचना मिलने के बाद अग्निशमन दल, एम्बुलेंस और एसडीआरएफ की टीमों द्वारा किए गए राहत एवं बचाव कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं का रिस्पॉन्स टाइम जितना कम होगा, संकट की परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्य उतने ही प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकेंगे।

उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों को अपने रिस्पॉन्स टाइम को और कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने बैठक में बताया कि घटना की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्यों के लिए 14 एम्बुलेंस तत्काल मौके पर भेजी गई थीं।

भूमि खरीद विवाद पर घिरे एमपी के सीएम मोहन यादव
कांग्रेस बोली-निष्पक्ष जांच के लिए मुख्यमंत्री दें इस्तीफा

विश्व केसरी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अन्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर जमीन घोटाले से जुड़े गंभीर आरोप लगाए हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि यह मध्य प्रदेश के लिए एक बड़ा कलंक है और मेरा मानना है कि हाल ही में हुआ स्टिंग ऑपरेशन अद्भुत और अकल्पनीय था। मंत्रियों के लेन-देन की पूरी जानकारी दी गई। मंत्रियों के कार्यालयों के लेन-देन का विवरण भी दिया गया। आज जिस तरह की रिपोर्ट सामने आई हैं, उससे मुख्यमंत्री पूरी तरह सवालों के घेरे में हैं।

जीतू पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री को इस पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएम ने धर्मनगरी उज्जैन को जमीन के गोरखधंधे का हिस्सा बना दिया है।

उन्होंने कहा कि सीएम बताएं कि क्या ये सही है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद आपके परिवार और उनसे जुड़ी कंपनियों ने 137 प्लॉट खरीदकर 168 एकड़ जमीन अर्जित की। लगभग 111 एकड़ जमीनें ऐसी जगहों पर खरीदी गईं, जो परियोजनाओं से प्रभावित क्षेत्र हैं। क्या ये महज संयोग है? क्या सरकार उन सारी परियोजनाओं के भूमि उपयोग परिवर्तन की सूची सार्वजनिक करेगी, जहां आपके परिवार ने जमीनें खरीदी? क्या आप ये घोषणा करेंगे कि इस भूमि सौदे के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज द्वारा न्यायिक जांच हो? कुल भूमि स्वामित्व रिपोर्ट के मुताबिक, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार और रिश्तेदारों के पास 245 प्लॉट (335 एकड़ जमीन) है।

राज्य में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा कि ये आरोप नहीं हैं, ये आपके सामने सबूत हैं। मीडिया की रिसर्च रिपोर्ट जैसी है, हमने विधानसभा में भी कई बार यह मामला उठाया है। विधानसभा के अंदर सरकार कहती है कि वे जांच करवा रहे हैं, तो जांच क्यों नहीं हो रही है।

कांग्रेस नेता मुकेश नायक ने कहा कि जब मोहन यादव शिक्षा मंत्री बने थे, तब उनके पास 10 एकड़ जमीन थी। आज खबरों के अनुसार, उनके पास 250 एकड़ जमीन है। एक और बात जो अब चर्चा में है, वह यह है कि उनके एमएलए प्रतिनिधि ने हाल ही में बहुत कम समय में 65 एकड़ जमीन खरीदी। जो विवरण सामने आए हैं, वे काफी चौंकाने वाले हैं और दिखाते हैं कि किसी व्यक्ति की संपत्ति कितनी तेजी से बढ़ सकती है।

संक्षिप्त खबरें

रास लाफान हादसे में 12 भारतीयों की मौत परिजनों के संपर्क में हम : विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कतर के रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी गैस संयंत्र में हुए धमाके ने 12 भारतीय नागरिकों की जान ले ली। भारत ने दुर्घटना पर गहरा शोक जताते हुए कहा कि स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से पार्थिव शरीर को भारत लाने का प्रयास किया जा रहा है। मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, '12 भारतीय नागरिकों की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस हादसे में कई अन्य देशों के लोगों की भी मौत हुई, लेकिन रास लाफान में हुए धमाके में हमारे देश के 12 लोगों की जान चली गई। कई अन्य लोग घायल भी हुए हैं।' उन्होंने इस हादसे में घायल हुए लोगों का जिक्र करते हुए आगे बताया, 'अलग-अलग देशों के लगभग 66 लोग घायल हुए हैं। हमें ठीक-ठीक नहीं पता कि उनमें से कितने भारतीय नागरिक हैं, लेकिन घायल हुए सभी लोग सुरक्षित हैं। हम पार्थिव शरीर की पहचान करने और उन्हें भारत लाने के लिए स्थानीय अधिकारियों से बात कर रहे हैं। साथ ही हम इस बेहद दुखद घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के संपर्क में भी हैं।'

सीएम धामी ने अस्पतालों, कोचिंग सेंटरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के दिए निर्देश

विश्व केसरी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर के सभी अस्पतालों, कोचिंग सेंटरों, बड़े मॉल, होटल, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य सार्वजनिक उपयोग वाले भवनों का व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन संस्थानों में अग्निशमन संबंधी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हैं, उन्हें तत्काल चिन्हित कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि फायर सेफ्टी उपकरणों की कार्यशीलता, आपातकालीन निकास मार्गों, विद्युत सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा आपदा की स्थिति में त्वरित निकासी की तैयारियों का विशेष रूप से परीक्षण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अग्निशमन विभाग, जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर समयबद्ध ढंग से ऑडिट की प्रक्रिया पूरी की जाए। इस अवसर पर बद्री-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, हेमकुंट साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत बिंद्रा, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव गृह शैलेश बगौली, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, सचिव विनय शंकर पाण्डेय, डीजी अभिसूचना और सुरक्षा अभिनव कुमार, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, अपर सचिव बंशीधर तिवारी और अपर सचिव तृप्ति भट्ट मौजूद थे।

निर्मला सीतारमण और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की अहम बैठक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और नए विकास अवसरों पर चर्चा की।

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को नई दिल्ली में यूएस ट्रेड प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की। दोनों पक्षों ने विकास के नए अवसरों और गहरे व्यापारिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।''

ग्रीर का भारत में स्वागत करते हुए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने एक 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ''अपने महत्वाकांक्षी व्यापार एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए आपका यहां स्वागत है। हम एक मजबूत द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दोनों देशों के लिए नए आर्थिक अवसर खुलेंगे और अमेरिका-भारत आर्थिक साझेदारी और भी मजबूत होगी।'

गोर ने बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई दौर की बैठकें कीं। यूएस ट्रेड प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के सोमवार भारत आने पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आपका और अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर एवं प्रतिनिधिमंडल का भारत के वाणिज्य विभाग में स्वागत है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर सरकार का फोकस
बागवानी और प्राकृतिक खेती को मिलेगा बढ़ावा : सीएम सुक्खू

विश्व केसरी

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक ठोस कदम उठाए गए हैं तथा प्राकृतिक खेती को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार देर शाम जनजातीय विकास और बागवानी विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि रसायन-मुक्त कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को अधिक लाभ पहुंचाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बागवानी विभाग को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा तथा विभाग में रिक्त पदों को भी भरा जाएगा।

उन्होंने एचपी-शिवा परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के अनुसार फलों की विभिन्न किस्मों का विविधीकरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बागवानी हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और बागवानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। जनजातीय विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू ने अधिकारियों को इनके क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मार्च 2023 से मार्च 2026 के बीच वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत 636 व्यक्तिगत और 20 सामुदायिक दावों को मंजूरी दी गई है।

केरल में ड्रग्स की समस्या पंजाब से आगे निकल रही है : गृह मंत्री चेन्निथला

तिरुवनंतपुरम। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि 'ऑपरेशन तूफान' के जरिए ड्रग नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। अब तक 2,954 मामले दर्ज किए गए हैं और 3,176 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मंत्री ने कहा कि सरकार इस अभियान को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एक जनांदोलन बनाना चाहती है और इसके लिए उसने मशहूर हस्तियों को इस लड़ाई में शामिल करके बड़े पैमाने पर लोगों को जोड़ने का अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत, चेन्निथला खुद फिल्म स्टार्स, सामाजिक और कम्युनिटी लीडर्स, चर्च के प्रमुखों और अन्य जानी-मानी हस्तियों से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें 'तूफान वॉरियर्स' के तौर पर शामिल कर रहे हैं ताकि पूरे राज्य में जागरूकता फैलाई जा सके और अभियान को मजबूत किया जा सके।

अब तक 'तूफान वॉरियर्स' में सुपरस्टार मोहनलाल, दिग्गज कलाकार मधु और मशहूर फिल्म हस्ती श्रीकुमारन थम्पी जैसे कई लोग शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के व्यापार के खिलाफ ज्यादा असरदार कार्रवाई के लिए केरल के सभी 84 पुलिस सब-डिविजनों में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीमें भी तैनात की गई हैं।

भारत के महत्वपूर्ण खनिज मिशन को गति मिली
56 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की हालिया नीलामी के सफल समापन के साथ भारत की महत्वपूर्ण खनिज सुरक्षा और अन्वेषण प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। इन सफल नीलामियों के साथ, सफलतापूर्वक नीलाम किए गए महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की कुल संख्या 56 हो गई है, जो घरेलू खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और भारत के महत्वपूर्ण खनिज मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

खान मंत्रालय ने केंद्र सरकार द्वारा आयोजित सातवीं किस्त के तहत 10 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजा ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की, जिससे सफल नीलाम किए गए महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की कुल संख्या 56 हो गई है। यह 63 प्रतिशत से अधिक की सफल नीलामी दर को दर्शाता है, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा नीलामी के लिए रखे गए 88 अद्वितीय खनिज ब्लॉकों में से 56 ब्लॉक नीलाम किए गए। सातवीं किस्त ने भारत के महत्वपूर्ण खनिज अन्वेषण परिदृश्य का महत्वपूर्ण विस्तार किया है, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा गुजरात, उत्तराखंड और तेलंगाना में पहली बार महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गई। इस किस्त में ग्रेफाइट, दुर्लभ पृथ्वी तत्व (आरईई), वैनेडियम, टाइटेनियम, ग्लौकोनाइट, रॉक फॉस्फेट और संबंधित खनिज शामिल थे, जिससे देश में महत्वपूर्ण खनिज अन्वेषण का भौगोलिक दायरा और भी विस्तृत हो गया।

नीलामी का सातवां चरण 23 मार्च, 2026 को जारी निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) के माध्यम से शुरू किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों वाले 19 खनिज ब्लॉकों की पेशकश की गई। नीलामी खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 और खनिज (नीलामी) नियम, 2015 के प्रावधानों के तहत आयोजित की गई, जिनमें समय-समय पर संशोधन किए गए हैं।

लखनऊ अग्निकांड के बाद गौतमबुद्ध नगर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, सेक्टर-104 स्थित ओम कोचिंग सेंटर सील

नोएडा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हाल ही में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद अब प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन ने जिले में संचालित कोचिंग संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच शुरू कर दी है। जांच अभियान के दौरान नोएडा के सेक्टर-104 में संचालित ओम कोचिंग सेंटर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जांच में पाया गया कि ओम कोचिंग सेंटर बिना आवश्यक अनुमतियों के संचालित किया जा रहा था। संस्थान के पास न तो वैध पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) था और न ही अग्नि सुरक्षा विभाग की अनिवार्य फायर एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) उपलब्ध थी। ऐसे में विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए कोचिंग सेंटर को सील करने का निर्णय लिया। यह संयुक्त कार्रवाई जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस), सिटी मजिस्ट्रेट तथा अग्निशमन विभाग की टीम द्वारा की गई।

अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दस्तावेजों की जांच की और सुरक्षा मानकों का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण कमियां सामने आईं, जिसके बाद संस्थान को तत्काल बंद कर सील कर दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान या कोचिंग सेंटर का संचालन निर्धारित नियमों और सुरक्षा मानकों के अनुरूप होना आवश्यक है। खासकर उन संस्थानों में जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रतिदिन आते हैं, वहां अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और वैध अनुमति पत्र होना बेहद जरूरी है। नियमों की अनदेखी विद्यार्थियों के जीवन को खतरे में डाल सकती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में ऐसे सभी कोचिंग सेंटरों, स्कूलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच जारी रहेगी।

वीरभद्र सिंह की जयंती : प्रतिभा सिंह बोलीं- उनके सपनों को साकार करने का संकल्प

विश्व केसरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उनकी जनसेवा और पार्टी निर्माण की विरासत को अपनाकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

प्रतिभा सिंह ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि वीरभद्र सिंह को आधुनिक हिमाचल के निर्माता के रूप में जाना जाता है। प्रदेश के लोग उनके कार्यों को श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करते हैं। लोगों के मुंह से हमने बार-बार यह सुना है कि उनके जैसा कोई भी व्यक्ति नहीं होगा। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के लिए जो कार्य किए, उन्हें लोग आज भी याद करते हैं।

उन्होंने कहा कि सभी की यह कोशिश होनी चाहिए कि वीरभद्र सिंह के सपनों को साकार किया जाए और उनके अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाया जाए। हम प्रयास करेंगे कि उनके कार्यों को आगे बढ़ाएं। आज हिमाचल की जनता ने पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को श्रद्धा के साथ याद किया है। लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों को राज्य में वापस लाने की शुरुआत होगी 'अटल कृषि समृद्धि हाट'

विश्व केसरी

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों को और अधिक मजबूत बनाने और जिले बनाने के लिए सरकार ने 'अटल वैभव हाट'' योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की एक महत्वपूर्ण बैठक महानदी भवन में हुई, जिसमें उपरोक्त निर्णय लिया गया। वहीं अन्य निर्णय में भारत सरकार के अधिनियम, 2025 के संरचनात्मक कार्यान्वयन की जा रही है इस योजना के तहत पात्र ग्रामीण परिवारों के वयस्कों के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिन अकुशल श्रम आधारित रोजगार की वैधानिक संरचनात्मक प्रावधान की जाएगी।

इस योजना के अंतर्गत जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण संरचनात्मक संरचनाओं का निर्माण, ग्राम्य विकास और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिरता रोजगार के अवसरों का सृजन किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत पंचायत ग्राम आधारित समेकित विकास, पद-निर्धारण और गति शक्ति से समन्वय को बढ़ावा देना शामिल है। आधुनिक तकनीक और डिजिटल इंवेस्टमेंट का उपयोग करने के लिए डेवलपमेंट वर्कशॉप के बेहतर लेवल और पर्यवेक्षण के लिए पिलपि, सुशासन एवं पर्यवेक्षण का काम किया गया।

इस योजना के लिए केंद्र और राज्य के खर्च का अनुपात 60:40 प्रतिशत और वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के बजट में 4,000 करोड़ रुपये का अनुमान लगाया गया है।

मंत्रि परिषद की बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नये अवसर सृजन करने के उद्देश्य से 'अटल उद्योग समृद्धि हाट' योजना शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में क्रिएटिव सेंटर (हथकरघा, इयान-सिलाई, हस्तशिल्प आदि), क्रिएटिव क्रिएटिव (दलहन, तिलहन, राइस मिल, डिजिटल सेंटर आदि), सर्विस सेंटर (कोल्ड स्टोरेज, बिजनेस बिजनेस, कृषि उपकरण कलेक्शन, अटल डिजिटल सेंटर), मार्केटिंग सेंटर और सप्लाई सेंटर आदि स्थापित किए जाएंगे।

इस योजना का उद्देश्य उपलब्ध अधोसंरचना और मशीनरी का बेहतर उपयोग करते हुए स्थानीय उत्पादन, प्रसंस्करण, सेवा और विपणन गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा। योजना के क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को नोडल एजेंसी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

अटल आजीविका समृद्धि हाट — के माध्यम से कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, सेवा व्यवसाय, डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा तथा ग्रामीण बाजारों को नई गति मिलेगी और प्रदेश की ग्रामीण आजीविका को मजबूत आधार प्राप्त होगा।

मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति (2026) के प्रारूप का भी अनुमोदन किया है। इस नीति के माध्यम से राज्य में उपलब्ध कृषि अवशेष, नगरीय ठोस अपशिष्ट, पशुधन अपशिष्ट एवं अन्य जैविक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन कर उन्हें स्वच्छ गैसीय ईंधन कम्प्रेस्ड बायोगैस में परिवर्तित किया जाएगा।

सरगुजा की बेटियां चेन्नई में बंधक

एमएलए टोप्पो को फोन कर लगाई छुड़ाने की गुहार, रिहाई के प्रयास तेज

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के सीतापुर क्षेत्र की तीन युवतियों के चेन्नई में बंधक होने का मामला सामने आया है। बंधक युवतियां चेन्नई से क्षेत्रीय विधायक रामकुमार टोप्पो को फोन कर खुद को बंधक बनाए जाने की जानकारी दी। साथ ही बताया कि उन्हें छोड़ने की एवज में 10-10 हजार रुपए की मांग कर रहे हैं। विधायक ने युवतियों से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। साथ ही आर्थिक सहायता भेजकर जल्द से जल्द सुरक्षित घर लौटने की बात भी कही है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम भरतपुर, बेलजोरा और बिनई की रहने वाली तीन युवतियां जशपुर में तीन माह का सिलाई प्रशिक्षण लेने के बाद प्लेसमेंट के नाम पर तमिलनाडु के कांचीपुरम ले जाई गई थीं। आरोप है कि दो युवतियों और एक युवक ने रोजगार दिलाने का झांसा देकर उन्हें चेन्नई पहुंचाया।

पीड़ित युवतियों ने विधायक रामकुमार टोप्पो को बताई आप बीती

पीड़ित युवतियों का कहना है कि अब उन्हें घर वापस लौटने नहीं दिया जा रहा है। वहीं, वापस आने के लिए प्रत्येक युवती से 10-10 हजार रुपये की मांग की जा रही है। परेशान युवतियों ने चेन्नई से ही सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो से संपर्क कर अपनी आपबीती सुनाई और सुरक्षित घर वापसी की गुहार लगाई।

विधायक रामकुमार टोप्पो ने सुरक्षित घर पहुंचाने का दिलाया भरोसा

मामले की जानकारी मिलते ही विधायक रामकुमार टोप्पो ने पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर युवतियों को सुरक्षित वापस लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से तीनों युवतियों से बात कर उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने का भरोसा दिलाया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने युवतियों की सुरक्षित वापसी के प्रयास तेज कर दिए गए।

रायपुर ग्रामीण पुलिस को मिला पहला पुलिस लाइन प्रभारी

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर ग्रामीण पुलिस को पहली बार पुलिस लाइन प्रभारी मिला है। रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा को रायपुर ग्रामीण क्षेत्र में कानून व्यवस्था और मेले के दौरान आवश्यक एवं आवश्यक प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस संबंध में पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने आदेश जारी किया है।

जारी आदेश के अनुसार, रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा, पुलिस आयुक्तालय रायपुर को पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र में महत्वपूर्ण लोगों के भ्रमण और व्यवस्था व्यवस्था के दौरान ड्यूटी के पुलिस बल और आवश्यक प्रबंधन के लिए नियुक्त किया गया है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि वैभव मिश्रा, सहायक पुलिस कमिश्नर लाइन ब्लूटूथ के पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे। बता दें कि रायपुर पुलिस लाइन से अब तक पुलिस कमिश्नरेट के लिए अब तक ग्रामीण पुलिस लाइन के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही थीं, अब ग्रामीण पुलिस लाइन से पूरी शहरी फोर्स और ग्रामीण क्षेत्र की व्यवस्था बदलने के निर्देश दिए गए हैं।

एनआईटी रायपुर में 'ब्रेकिंग एंड सिक्योरिंग एआई पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

विश्व केसरी

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की स्पार्क (स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन) योजना के अंतर्गत 'ब्रेकिंग एंड सिक्योरिंग एआई: एडवर्सेरियल अटैक्स, डीपफेक्स एंड हेल्थकेयर सिस्टम्स' विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन 22 जून 2026 को किया गया। 22 से 26 जून 2026 तक आयोजित होने वाली यह कार्यशाला एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़े उभरते सुरक्षा खतरों, एडवर्सेरियल अटैक्स, डीपफेक तकनीकों तथा स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग पर केंद्रित है।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डीजीपी, छत्तीसगढ़ पुलिस, गुरजिंदर पाल सिंह रहे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नेशनल स्पार्क कोऑर्डिनेटर एवं प्रोफेसर, आईआईटी खड़गपुर, डॉ. रबीब्रत मुखर्जी तथा एनआईटी रायपुर के निदेशक प्रो. एन. वी. रमना राव उपस्थित रहे, जबकि सुनी पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट, अमेरिका के प्रोफेसर डॉ. जाहिद अख्तर एवं नेशनल सन यात-सेन यूनिवर्सिटी (एनएसवाईएसयू), ताइवान के प्रोफेसर डॉ. अरिजीत कराती विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप सिंह सिसोदिया ने की तथा कार्यशाला का समन्वयन प्रोफेसर डॉ. नरेश कुमार नागवानी एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रीति चंद्राकर द्वारा किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में संकाय सदस्यों, रिसर्च स्कॉलर्स, विद्यार्थियों तथा देश-विदेश से जुड़े प्रतिभागियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना एवं पौधा भेंट के साथ हुआ। डॉ. प्रीति चंद्राकर ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया 7 उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देश-विदेश से पंजीकृत लगभग 100 प्रतिभागी विशेषज्ञों के व्याख्यानों एवं तकनीकी सत्रों से लाभान्वित होंगे। डॉ. दिलीप सिंह सिसोदिया ने अपने संबोधन में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है।

बीएसपी का अतिक्रमण पर प्रहार अवैध कब्जे हटाए, बिजली भी कटी

विश्व केसरी

रायपुर। भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रवर्तन विभाग द्वारा टाउनशिप क्षेत्र में अनाधिकृत कब्जों एवं सड़क अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर विभिन्न स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। अभियान के तहत सेक्टर-6 मार्केट चौक तथा आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर सड़क किनारे सामग्री फैलाकर व्यवसाय संचालित करने वाले व्यक्तियों द्वारा किए गए अतिक्रमण हटवाए गए। इस दौरान छह अस्थायी शेड भी हटाए गए। संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में सार्वजनिक मार्गों पर सामग्री न फैलाने तथा यातायात में बाधा उत्पन्न न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

कार्रवाई के दौरान स्ट्रीट एवेन्यू 'सी' स्थित अनफिट ब्लॉक में अवैध रूप से कब्जा कर रहने वाले व्यक्तियों के कारण मार्ग संकरा होने की स्थिति का संज्ञान लिया गया। पूर्व में जारी निर्देशों और समझाइश के बावजूद कब्जा नहीं हटाए जाने पर नगर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के सहयोग से संबंधित परिसर की अवैध विद्युत आपूर्ति विच्छेदित कर दी गई। कब्जाधारियों को पुनः निर्देशित किया गया कि वे शीघ्र स्वेच्छा से परिसर खाली करें। साथ ही प्रस्तावित ध्वस्तीकरण कार्य के संबंध में संबंधित कार्यदल को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए।

अभियान के अंतर्गत सेंट्रल एवेन्यू से सेक्टर-6 मार्केट जाने वाले मार्ग तथा चौक क्षेत्र में दिन के समय सार्वजनिक मार्गों पर खड़े छोड़े गए ठेलों को भी हटवाया गया। संबंधित व्यक्तियों को चेतावनी दी गई कि भविष्य में ऐसी स्थिति पाए जाने पर संपदा न्यायालय के माध्यम से ठेलों की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

नाव्या मलिक ड्रग्स मामले में ईडी की एंट्री

विश्व केसरी

रायपुर। अभी तक पुलिस की जांच के घेरे में रही कथित ड्रग्स क्वीन नाव्या मलिक पर अब प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा कस गया है। एजेंसी ने इस पूरे ड्रग्स नेटवर्क में हुए पैसों के खेल और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर दी है। खबर है कि ईडी ने पुलिस से मामले की चार्जशीट और तमाम अहम दस्तावेज तलब कर लिए हैं।

850 रसूखदारों की धड़कनें बढ़ीं

पुलिस की शुरुआती जांच में नाव्या मलिक के मोबाइल से करीब 850 प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आए थे। इनमें शहर के बड़े कारोबारी, होटल मालिक, रईसजादे और कई रसूखदार परिवारों के सदस्य शामिल हैं। ईडी की एंट्री के बाद अब उन लोगों में हड़कंप मच गया है, जिनके नाम पुलिस फाइल में तो हैं, लेकिन अब तक पर्दे के पीछे थे। एजेंसी अब यह खंगालने में जुटी है कि ड्रग्स की कमाई का काला पैसा किन-किन जगहों पर ठिकाने लगाया गया।

कैसे चलाती थी ड्रग्स का साम्राज्य?

साल 2025 में हुए इस खुलासे ने रायपुर की हाईप्रोफाइल पार्टियों के अंधेरे सच को सामने ला दिया था। कटोरा तालाब इलाके की रहने वाली नाव्या मलिक का कारोबार पूरी तरह डिजिटल था। मोबाइल और एनक्रिप्टेड ऐप्स के जरिए ड्रग्स का आर्डर लिया जाता था। पुलिस ने नाव्या को पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड माना था। नाव्या शहर की पार्टियों में खुद जाकर ड्रग्स सप्लाई करती थी।

30 घंटे की पूछताछ और खुलासा

अगस्त 2025 में जब पुलिस ने हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई और दीप धनोरिया को एमडीएमए के साथ दबोचा, तब नाव्या मलिक का नाम पहली बार सामने आया। पुलिस टीम ने मुंबई जाकर उसे गिरफ्तार किया। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने करीब 30 घंटे तक लंबी पूछताछ की थी। जांच में पता चला था कि विदेशी दौरों के दौरान भी नाव्या का नेटवर्क काफी सक्रिय था।

क्या अब फिर जेल जाएंगे आरोपी?

इस मामले में नाव्या मलिक के अलावा अयान परवेज, विधि अग्रवाल, ऋषिराज टंडन और सोहेल खान जैसे कई लोग पकड़े गए थे। फिलहाल सभी आरोपी हाईकोर्ट से जमानत पर बाहर हैं। लेकिन ईडी की एंट्री के बाद अब कानूनी शिकंजा और मजबूत हो सकता है। सूत्र बताते हैं कि अगर मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत पुख्ता मिले, तो जमानत पर चल रहे इन आरोपियों की मुश्किलें फिर बढ़ सकती

डुंडा में बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का शुभारंभ

विश्व केसरी

रायपुर । बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी बैंकिंग सेवाओं के विस्तार एवं ग्राहकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायपुर के डुंडा क्षेत्र में अपनी नई शाखा का शुभारंभ किया। शाखा का उद्घाटन छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के चेयरमैन राजीव अग्रवाल के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

उद्घाटन समारोह में दिवाकर पी. सिंह, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, रायपुर अंचल, राज बीर सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख, रायपुर क्षेत्र तथा अंकित जायसवाल, उप क्षेत्रीय प्रबंधक, रायपुर क्षेत्र सहित बैंक के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राहक एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अतिथियों ने शाखा परिसर का अवलोकन किया तथा बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही आधुनिक बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा बैंकिंग सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने के प्रयासों की सराहना की।

वक्ताओं ने कहा कि डुंडा क्षेत्र में नई शाखा के प्रारंभ होने से स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, उद्यमियों, विद्यार्थियों एवं किसानों को बैंकिंग सेवाएँ अधिक सुगमता एवं सुविधा के साथ उपलब्ध होंगी। साथ ही क्षेत्र में वित्तीय जागरूकता एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। दिवाकर पी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक एवं विश्वसनीय बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्यरत है। नई शाखा बैंक की ग्राहक-केंद्रित सोच एवं वित्तीय समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। नई शाखा में ग्राहकों को जमा योजनाएँ, ऋण सुविधाएँ, डिजिटल बैंकिंग, बीमा, निवेश एवं अन्य वित्तीय सेवाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जाएँगी। उपस्थित नागरिकों एवं ग्राहकों ने बैंक की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

सेंटपाल के सामुदायिक भवन पर चला बुलडोजर!

हिंदू स्वाभिमान का आरोप, जो भवन बन रहा है वह भवन नहीं चर्च है

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित सेंट पॉल स्कूल पर बड़े स्तर पर सामुदायिक भवन के निर्माण के नाम पर चर्च का निर्माण कार्य किये जाने पर प्रशासन ने बड़ा एक्शन लेते हुए सामुदायिक भवन पर बुलडोजर चलाया है।

सुबह से शुरू हुई कार्रवाई में जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से भवन को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया।

मौके पर अपर कलेक्टर, एडीसीपी और बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। हिंदू स्वाभिमान संगठन ने आरोप लगाए हैं कि इसकी लीज समाप्त हो गई थी। फिर भी इस पर निर्माण कार्य चल रहा था।

इस मामले में हिंदू स्वाभिमान संगठन की प्रदेश अध्यक्ष विश्वदिनी पांडेय ने आरोप लगाया है कि सेंट पॉल स्कूल परिसर में जो भवन बन रहा है वह भवन नहीं चर्च है। इसकी लीज समाप्त हो चुकी है। साथ ही उन्होंने परमिशन न होने की भी बात कही है।

इस बुलडोजर कार्रवाई के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

वहीं प्रशासन का कहना है कि नियमों के विपरीत किसी भी निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेग।

'डीजे बैन' पर ब्रेक! वक्फ बोर्ड के प्रस्ताव पर कोर्ट ने लगाई रोक

विश्व केसरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड को उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। उच्च न्यायालय ने वक्फ बोर्ड की ओर से 11 जून 2026 को जारी आदेश में अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें प्रदेश के अमीरों, उर्स और अन्य मजहबी आयोजनों में डीजे, धूमल, नाच-गाने सहित कई अंतरिम रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे। इस मामले की सुनवाई अदालत में जस्टिस ए.के. प्रसाद की एकल पीठ में हुई।

असल, वक्फ बोर्ड ने प्रदेश के मंदिरों, उर्सों और मजहबी जल्सन में डीजे पर रोक रखी थी। रिलीज में नाच-गाना, डीजे और धूमल के उपयोग के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इस आदेश के अवलोकन पर हजारों तीस हजार करोड़पति का प्रोविजनल भी किया गया था। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. ईसाई राज ने यह परीक्षण जारी किया था।

आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई

वक्फ बोर्ड के इस दावेदार से नाराज सूफी इस्लामिक बोर्ड के सदस्य मंडल के सदस्य चोपड़ा शाह अहमद की ओर से वकील मंडल प्रताप सिंह ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें वक्फ बोर्ड के आदेश को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा गया कि वक्फ बोर्ड का यह दावा उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर दिया गया है। वक्फ बोर्ड को इस तरह का आदेश जारी करने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं है। जस्टिस ए.के. प्रसाद की बेंच ने आज इस मामले में गेहूं पक्ष के तर्क को वाजिब मानते हुए वक्फ बोर्ड द्वारा रिलीज पर रोक लगा दी।

संपादकीय

भारतीय इतिहास:सत्य, आत्मसम्मान और आत्ममंथन की त्रिवेणी बने

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

मानव समाज की समय के साथ विकसित होती यात्रा का क्रमबद्ध एवं विवेचनात्मक विवरण इतिहास कहलाता है। इतिहास हमें अपने अतीत की सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक संरचनाओं और राजनीतिक परिवर्तनों को समझने का अवसर प्रदान करता है। किन्तु इतिहास का यह उद्देश्य तभी सार्थक हो सकता है जब उसका लेखन और विश्लेषण तथ्यपरकता, निष्पक्षता और बौद्धिक ईमानदारी के साथ किया गया हो।?इतिहास केवल घटनाओं और तिथियों का संग्रह नहीं होता; वह किसी राष्ट्र की सामूहिक स्मृति, आत्मबोध और भविष्य-दृष्टि का आधार भी होता है। भारतीय इतिहास के संदर्भ में लंबे समय से एक विमर्श चलता रहा है कि विदेशी अथवा औपनिवेशिक शासन के दौर को केवल 'पराधीनता काल' कहा जाए अथवा उसे 'सतत संघर्ष काल' के रूप में भी समझा जाए। यह प्रश्न केवल शब्दों के चयन का नहीं, बल्कि इतिहास-दृष्टि, राष्ट्रीय चेतना और सामूहिक आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भी यह विचार व्यक्त किया है कि भारत का इतिहास केवल गुलामी का नहीं, बल्कि निरंतर संघर्ष का इतिहास है। यह दृष्टिकोण भारतीयों की प्रतिरोधात्मक और पुनरुत्थान की प्रक्रियाओं को भी रेखांकित करता है।

यह निर्विवाद है कि लगभग 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर 1947 तक भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग समय में बाह्य मूल के शासकों तथा अंतत: ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का प्रभाव रहा। इस दौरान शासन, कर व्यवस्था, न्याय व्यवस्था तथा संसाधनों पर स्थानीय समाज का पूर्ण नियंत्रण सीमित हो गया था। संभवत: इसी ऐतिहासिक यथार्थ के आधार पर इस कालखंड को 'पराधीनता' कहा गया।?किन्तु क्या इतने व्यापक और बहुआयामी कालखंड को केवल 'पराधीनता' की संज्ञा देकर समझा जा सकता है?

यदि भारतीय इतिहास का समग्र अध्ययन किया जाए, तो स्पष्ट दिखाई देता है कि राजनीतिक नियंत्रण के अनेक चरणों के समानांतर समाज में प्रतिरोध, सांस्कृतिक संरक्षण, पुनर्निर्माण और स्वाधीनता की चेतना निरंतर सक्रिय रही। भारत के इतिहास में ऐसा कोई कालखंड नहीं दिखाई देता जब संपूर्ण समाज ने निष्क्रिय होकर परिस्थितियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया हो।

मध्यकालीन भारत इसका सबसे प्रखर उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस युग में जब दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य अपने चरम पर थे, तब भी राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रतिरोध कभी थमा नहीं। राजपूताना में मेवाड़ के शौर्य-प्रतीक महाराणा प्रताप का संघर्ष इसका अप्रतिम उदाहरण है। अकबर की विशाल सेना और अकूत संसाधनों के सामने घुटने टेकने के बजाय, महाराणा प्रताप ने जंगलों में रहकर, सीमित साधनों के बावजूद मातृभूमि की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के लिए जो अनवरत युद्ध लड़ा, उसने आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रतिरोध का एक अमर आदर्श स्थापित किया। उनका संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि भारत की आत्मा ने कभी पराधीनता को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया।?इसी कालखंड में पूर्वोत्तर भारत में अहोम साम्राज्य ने वीर लाचित बोरफुकन के नेतृत्व में 1671 के सराईघाट युद्ध में मुगल विस्तार को निर्णायक रूप से रोका। दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य ने लंबे समय तक राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति का केंद्र बने रहकर सनातन संस्कृति की रक्षा की। बाद के काल में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित 'हिन्दवी स्वराज्य' की अवधारणा तथा मराठा शक्ति का विस्तार भारतीय राजनीतिक पुनरुत्थान का स्वर्णिम अध्याय बना। वहीं, गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना ने धार्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक प्रतिरोध को एक नई और ओजस्वी दिशा प्रदान की।?ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में यह प्रतिरोध अधिक व्यापक और संगठित रूप ग्रहण करता दिखाई देता है। 1757 के प्लासी युद्ध के पश्चात विभिन्न क्षेत्रों में अनेक जन-विद्रोह हुए, जैसे संन्यासी आंदोलन, चुआर विद्रोह तथा 1855-56 का संथाल हुल। 1857 का स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास का एक ऐसा क्रांतिकारी मोड़ था, जिसे औपनिवेशिक इतिहासकारों ने भले ही 'सिपाही विद्रोह' कहा हो, पर भारतीय चेतना इसे 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' के रूप में देखती है।

इसके बाद सामाजिक और वैचारिक पुनर्जागरण की प्रक्रियाएँ भी समानांतर रूप से चलीं। राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती तथा स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने समाज में आत्मचेतना, शिक्षा और सुधार के विचारों को बल दिया। 20वीं सदी में स्वदेशी आंदोलन, असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन ने स्वतंत्रता संघर्ष को व्यापक जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। साथ ही दादाभाई नौरोजी द्वारा प्रतिपादित 'धन के निष्कासन सिद्धांत' ने औपनिवेशिक आर्थिक शोषण की वैचारिक परतें खोल दीं।

औपनिवेशिक काल के अनेक इतिहासकारों ने भारतीय समाज को अक्सर विभाजित, निष्क्रिय और बाह्य शक्तियों पर निर्भर समाज के रूप में प्रस्तुत किया। इसके विपरीत, आधुनिक भारतीय इतिहासकारों तथा उपनिवेशोत्तर अध्ययन की परंपरा ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय समाज ने विभिन्न कालखंडों में अनुकूलन, प्रतिरोध और पुनर्निर्माण की उल्लेखनीय क्षमता प्रदर्शित की।

शहर किसके लिए: वाहन या नागरिक?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के शहर तेजी से बढ़ रहे हैं। महानगरों से लेकर मध्यम और छोटे शहरों तक शहरीकरण की गति अभूतपूर्व है। आर्थिक विकास, रोजगार के अवसरों और बेहतर सुविधाओं की तलाश में लाखों लोग प्रतिवर्ष शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। किंतु इस तीव्र शहरी विस्तार के बीच एक बुनियादी प्रश्न अक्सर उपेक्षित रह जाता है—क्या हमारे शहर अपने नागरिकों के लिए चलने योग्य (Walkable) हैं? क्या सड़कें केवल वाहनों के लिए हैं या मनुष्यों के लिए भी?

हाल ही में न्यायपालिका द्वारा सुरक्षित फुटपाथों पर चलने के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और गरिमा के अधिकार से जोड़ते हुए मौलिक अधिकार की संज्ञा दिए जाने की दिशा में महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ की गई हैं। यह एक स्वागत योग्य संवैधानिक प्रोत्साहन है, क्योंकि यह पहली बार शहरी अवसंरचना को केवल निर्माण और यातायात के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और मानव गरिमा के संदर्भ में देखने का प्रयास करता है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या केवल न्यायिक घोषणा या कानूनी मान्यता से भारतीय शहर वास्तव में पैदल यात्रियों के अनुकूल बन जाएंगे? इस प्रश्न का उत्तर नकारात्मक है। वास्तविक परिवर्तन तब आएगा जब शहरी नियोजन की सोच वाहन-केंद्रित मॉडल से हटकर मानव-केंद्रित मॉडल की ओर अग्रसर होगी और समाज में पैदल चलने को सम्मानजनक एवं प्राथमिक परिवहन माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

भारत में पैदल चलना कोई सीमित गतिविधि नहीं है। विभिन्न सरकारी और स्वतंत्र अध्ययनों के अनुसार देश में बड़ी संख्या में दैनिक यात्राएँ पूरी या आंशिक रूप से पैदल ही की जाती हैं। गरीब, मजदूर, विद्यार्थी, महिलाएँ, बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिक सबसे अधिक पैदल यात्रा करते हैं। इसके बावजूद शहरी नियोजन में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता मिलती है। अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या इतने संकरे, टूटे हुए और अतिक्रमण से घिरे होते हैं कि उनका उपयोग करना कठिन हो जाता है। कई स्थानों पर फुटपाथ पार्किंग स्थल, दुकानों के विस्तार, ठेलों या निर्माण सामग्री के भंडारण में परिवर्तित हो जाते हैं।

इस स्थिति का सबसे दुखद परिणाम सड़क दुर्घटनाओं में दिखाई देता है। भारत विश्व में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों के मामले में अग्रणी देशों में है। इन दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। सड़क पार करने, फुटपाथों की अनुपलब्धता और वाहनों की तेज गति के कारण हजारों लोग प्रतिवर्ष अपनी जान गंवाते हैं। यह केवल परिवहन का संकट नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और मानवाधिकार का भी प्रश्न है।

संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इसकी व्याख्या का दायरा बढ़ाते हुए स्वच्छ पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसे अधिकारों को भी इसमें शामिल किया है। सुरक्षित पैदल मार्गों का अधिकार इसी प्रगतिशील संवैधानिक दृष्टिकोण का विस्तार है। जब कोई नागरिक अपने घर से विद्यालय, कार्यालय, अस्पताल या बाजार तक सुरक्षित रूप से नहीं पहुँच सकता, तब उसके जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार अधूरा रह जाता है। इसलिए फुटपाथ केवल सीमेंट और कंक्रीट की संरचना नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और समानता का प्रतीक हैं।

फिर भी केवल अधिकार की घोषणा पर्याप्त नहीं है। भारत में अनेक अधिकारों को कानूनी मान्यता प्राप्त होने के बावजूद उनके क्रियान्वयन में गंभीर चुनौतियाँ बनी हुई हैं। शिक्षा का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार और भोजन का अधिकार इसके उदाहरण हैं। इसी प्रकार फुटपाथ के अधिकार को भी व्यवहार में उतारने के लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति, वित्तीय निवेश और संस्थागत सुधार आवश्यक होंगे।

भारतीय शहरी शासन की सबसे बड़ी समस्या इसका वाहन-केंद्रित दृष्टिकोण है। स्वतंत्रता के बाद विकास का जो मॉडल अपनाया गया, उसमें चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवरों और एक्सप्रेसवे को आधुनिकता का प्रतीक माना गया। शहरों की सफलता को वाहनों की गति और सड़क क्षमता के आधार पर मापा गया। परिणामस्वरूप पैदल यात्री, साइकिल चालक और सार्वजनिक परिवहन उपयोगकर्ता हाशिए पर चले गए। नगर नियोजन का उद्देश्य लोगों की सुविधा के बजाय वाहनों की निर्बाध आवाजाही बन गया।

यह दृष्टिकोण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के भी विपरीत है। भारत में निजी कारों का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, जबकि अधिकांश नागरिक सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या पैदल यात्रा पर निर्भर हैं। इसके बावजूद सार्वजनिक धन का बड़ा हिस्सा उन परियोजनाओं पर खर्च होता है जो मुख्यत: वाहन मालिकों को लाभ पहुँचाती हैं। इससे संसाधनों के वितरण में असमानता बढ़ती है और गरीब वर्गों की गतिशीलता प्रभावित होती है।

फुटपाथों की स्थिति लैंगिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। महिलाएँ, विशेषकर कामकाजी महिलाएँ और छात्राएँ, सुरक्षित और प्रकाशयुक्त पैदल मार्गों पर अधिक निर्भर रहती हैं। खराब फुटपाथ, अपर्याप्त रोशनी और असुरक्षित सार्वजनिक स्थान उनके आवागमन को सीमित करते हैं। इसी प्रकार बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए बाधा-रहित फुटपाथ जीवन की आवश्यक शर्त हैं। यदि शहरी अवसंरचना इन समूहों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं बनाई जाती, तो शहर समावेशी नहीं कहे जा सकते।

मानव-केंद्रित शहरी नियोजन का विचार इसी संदर्भ में महत्त्वपूर्ण हो जाता है। इसका मूल सिद्धांत है कि शहरों को वाहनों के लिए नहीं, बल्कि लोगों के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। सड़कें केवल यातायात गलियारे नहीं, बल्कि सामाजिक और सार्वजनिक स्थान भी हैं। फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, हरित क्षेत्र, सार्वजनिक परिवहन और सार्वभौमिक पहुँच (Universal Accessibility) इस मॉडल के प्रमुख तत्व हैं।

विश्व के अनेक शहरों ने इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। यूरोप और लैटिन अमेरिका के कई शहरों ने पैदल यात्रियों और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देकर सड़क दुर्घटनाओं में कमी, वायु प्रदूषण में नियंत्रण और नागरिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार हासिल किया है। इन अनुभवों से यह स्पष्ट होता है कि सुरक्षित और चलने योग्य शहर केवल यातायात प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि समग्र शहरी विकास की रणनीति हैं।

भारत में भी कुछ सकारात्मक पहलें देखने को मिली हैं। कुछ शहरों ने 'कम्प्लीट स्ट्रीट्स' की अवधारणा को अपनाने का प्रयास किया है, जिसके अंतर्गत सड़कों को सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित बनाया जाता है। स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत भी कई स्थानों पर फुटपाथों के विकास और सार्वजनिक स्थलों के पुनरोद्धार के प्रयास हुए हैं। किंतु इन पहलों का प्रभाव अभी सीमित है और वे व्यापक संरचनात्मक परिवर्तन का रूप नहीं ले सकी हैं।

इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला, शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय और प्रशासनिक क्षमता सीमित है। अधिकांश नगर निकाय संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। दूसरा, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का अभाव है। सड़क निर्माण, यातायात प्रबंधन, जल निकासी, बिजली और दूरसंचार से जुड़ी एजेंसियाँ अलग-अलग कार्य करती हैं, जिसके कारण फुटपाथ बार-बार खोदे जाते हैं और उनकी गुणवत्ता प्रभावित होती है। तीसरा, नागरिक सहभागिता का अभाव है। योजनाएँ अक्सर ऊपर से नीचे (Top-down) दृष्टिकोण से बनाई जाती हैं, जिनमें स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता।

फुटपाथों के अधिकार की सफलता के लिए केवल कानूनी उपायों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। न्यायालय किसी अधिकार की घोषणा कर सकते हैं और सरकारों को निर्देश दे सकते हैं, लेकिन शहरों के चरित्र को बदलने के लिए सामाजिक और प्रशासनिक परिवर्तन आवश्यक है। यह परिवर्तन सबसे पहले नीति-निर्माण में दिखाई देना चाहिए। शहरी परिवहन नीतियों में पैदल यात्रियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक सड़क परियोजना में फुटपाथ, सुरक्षित क्रॉसिंग और दिव्यांग-अनुकूल सुविधाओं को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।

दूसरा, बजट आवंटन में परिवर्तन आवश्यक है। यदि नगर निकायों के अधिकांश संसाधन फ्लाईओवर और सड़क चौड़ीकरण पर खर्च होते रहेंगे, तो पैदल यात्री सुविधाएँ कभी प्राथमिकता नहीं बन पाएंगी

न्यायिक जांच के घेरे में चर्चित भरत तिवारी मुठभेड़ प्रकरण

महेन्द्र तिवारी

बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित बिलौटी गांव में 17 जून 2026 को हुई एक घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। भरत भूषण तिवारी उर्फ भरत तिवारी नामक युवक की पुलिस कार्रवाई के दौरान हुई मौत ने केवल एक स्थानीय विवाद का रूप नहीं लिया, बल्कि देखते ही देखते यह मामला प्रशासन, राजनीति, न्याय व्यवस्था और नागरिक अधिकारों से जुड़ी बड़ी बहस का विषय बन गया। घटना के बाद सामने आए अलग-अलग दावों और आरोपों ने इस प्रकरण को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। एक ओर पुलिस इसे आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई बता रही है, वहीं दूसरी ओर मृतक के परिजन, समर्थक और अनेक ग्रामीण इसे सुनियोजित फर्जी मुठभेड़ कह रहे हैं। यही कारण है कि इस घटना ने देश भर में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं और अब सबकी निगाहें न्यायिक जांच पर टिकी हुई हैं।

पुलिस के अनुसार भरत तिवारी पिछले कुछ समय से सामाजिक माध्यमों पर अत्यधिक सक्रिय था। प्रशासन का दावा है कि उसके द्वारा किए गए कुछ प्रसारण और संदेश सार्वजनिक शांति तथा प्रशासनिक व्यवस्था के लिए खतरा बनते जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि उसने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को खुले तौर पर धमकी दी थी और उसके पास अवैध हथियार भी था। पुलिस के आधिकारिक विवरण के अनुसार उसे गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष दल बिलौटी गांव पहुंचा था। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तारी की कोशिश के दौरान भरत ने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस का यह भी कहना है कि इस कार्रवाई के दौरान उनके वाहन को नुकसान पहुंचा और जवानों की जान को वास्तविक खतरा था, इसलिए आत्मरक्षा में बल प्रयोग करना आवश्यक हो गया था।

घटना का दूसरा पक्ष इससे बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी, अन्य परिजन और गांव के अनेक लोग पुलिस के पूरे घटनाक्रम को झूठा और मनगढ़ंत बता रहे हैं। उनका आरोप है कि पुलिस ने पहले से ही भरत को निशाना बना रखा था। परिजनों का कहना है कि पुलिस द्वारा घेराबंदी किए जाने के बाद भरत ने अपना हथियार दूर फेंक दिया था और वह आत्मसमर्पण के लिए तैयार था। उनका दावा है कि वह उस समय पुलिस के लिए कोई खतरा नहीं था, फिर भी उसे बेहद नजदीक से गोली मारी गई। परिवार का कहना है कि यदि वह वास्तव में आत्मसमर्पण कर चुका था, तो उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाना चाहिए था, न कि उसकी जान ले ली जानी चाहिए थी। इसी आधार पर वे इस घटना को फर्जी मुठभेड़ और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं।

इस मामले का एक सामाजिक पक्ष भी सामने आया है, जिसने विवाद को और गहरा कर दिया। ग्रामीणों और समर्थकों के अनुसार भरत तिवारी क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव और विस्थापन जैसे मुद्दों को लेकर सक्रिय था। बताया जाता है कि वह विशेष रूप से उन लोगों की समस्याओं को उठा रहा था जो प्राकृतिक आपदाओं और प्रशासनिक उपेक्षा से प्रभावित थे। उसके समर्थकों का आरोप है कि वह स्थानीय स्तर पर जनहित के प्रश्नों को मजबूती से उठा रहा था और इसी कारण कुछ प्रभावशाली लोगों तथा प्रशासन के निशाने पर आ गया। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में अभी तक कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है, लेकिन इन दावों ने जनभावनाओं को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बोध कथा

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया।

उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा। उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

इंसाफ़ का ऊँट

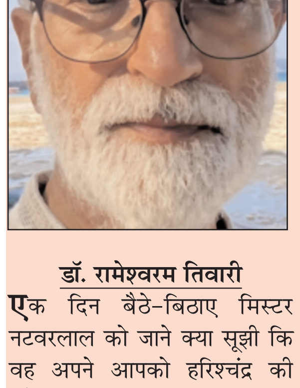

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

एक दिन बैठे-बिठाए मिस्टर नटवरलाल को जाने क्या सूझी कि वह अपने आपको हरिश्चंद्र की औलाद समझकर, अवाम को उल्लू बनाकर, देश के दिल पर क़ाबिज़ हो गया। उसने ऐलान कर दिया कि वह दिल्ली का मालिक है, पर उसकी कारगुज़ारियों को लेकर बड़ी देर तक चली लुका-छुपी के बाद आख़िरकार पुलिस ने सरकारी ख़ज़ाने पर डाका डालने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया।

अगली सुबह पुलिस उसे लेकर अदालत पहुँची और मी लार्ड से निवेदन किया- 'महोदय! नटवरलाल पर आरोप है कि इसने सरकारी ख़ज़ाने पर डाका डाला है। अत: कृपाकर पूछताछ के लिए हिरासत में रखने की अनुमति प्रदान की जाए।'

पुलिस नटवरलाल को लेकर पहले से ही ग़ुस्साए बैठी थी। चूँकि उसे अपने ख़ुफ़िया सूत्रों से पता चल चुका था कि नटवरलाल द्वारा शराब की दलाली में मिली डाके की रकम हज़म की जा चुकी है। सो पुलिस नटवरलाल के भेजे का ऑपरेशन कर, उसके हलक में उँगली डालकर उसके दिल के तहख़ाने में दफ्न राज को मुँह से उगलवाना चाहती थी, पर शातिर दिमाग नटवर ने इंसाफ़ की देवी की आँखों पर बँधी काली पट्टी का फ़ायदा उठाकर खुद और अपनी पूरी चाँडाल चौकड़ी को बरी करवा लिया। उधर पुलिस ने अपनी हार पर हुई शर्मिंदगी से बचने के लिए ऊपरी अदालत में दावा ठोक दिया। ऊपर वाले मुंसिफ को आरोपों में दम लगा है, और उन्होंने एक बार फिर पुलिस को नटवरलाल के काले कारनामों के चिट्ठे की जाँच-पड़ताल को हरी झंडी प्रदान कर दी।

चूँकि नटवरलाल सत्ता के मद में बुरी तरह अँधा हो चुका था और इस हक़ीक़त को भूल बैठा था कि समय,किसी का सदा-सर्वदा के लिए एक सा नहीं रहता है। बड़े से बड़े राजे-महाराजे, तीसमारखाँ को पल में अर्श से फ़र्श पर पटक देता है। वैसे भी, मौजूदा दौर टेक्नोलॉजी का है। चोरी हो या डकैती या फिर कत्ल की वारदात कोई कितना भी बड़ा चालाक-चतुरा हो, राज़ को ज्यादा वक्त के लिए परदे में छुपाकर नहीं रख सकता है।

अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बने कट्टर ईमानदार का भी वही अंजाम हुआ जो एक आम अपराधी का होता है। वैसे भी, भारतीय दार्शनिक अवधारणा के अनुसार किए गए कर्मों के फल से आज तक कोई व्यक्ति बचा है, न ही भविष्य में बचेगा। और अब नटवरलाल के हाल यह है कि उसके कल तक के विश्वसनीय साथी भी उसका साथ छोड़कर जाने लगे हैं। बावजूद नटवरलाल जिद पर अड़ा है कि उसके केस से मुंसीफ हट जाए, के लिए दबाव की राजनीति का इस्तेमाल करते के लिए बापू के ब्रह्मास्त्र का सहारा लेते हुए 'सत्याग्रह' पर उतर आया है। मामला दिनों-दिन रोमांचक और मजेदार होता जा रहा है और देश की जनता देखना चाहती है कि आखिर इंसाफ़ का ऊँट किस करवट बैठता है।

इतिहास

23 जून के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं। आज ही के दिन 1961 में अंटार्कटिक संधि लागू हुई, 1992 में यित्ज़ाक राबिन की लेबर पार्टी ने इज़राइल का चुनाव जीता, और 1894 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना हुई थी?आज की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं1757 - प्लासी का युद्ध: रॉबर्ट क्लाइव के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला को हराया।1868 - टाइपराइटर: क्रिस्टोफर शोल्स को 'टाइपराइटर' नामक मशीन के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ।1894 - अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC): फ्रांस के पियरे डी कुबर्टिन की पहल पर पेरिस में इसकी स्थापना हुई।1961 - अंटार्कटिक संधि: शीत युद्ध के दौरान यह संधि लागू हुई, जिसने अंटार्कटिका को वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए आरक्षित किया।1992 - ब्रेक्सिट जनमत संग्रह: ठीक इसी दिन 2016 में, यूनाइटेड किंगडम के मतदाताओं ने यूरोपीय संघ (EU) से बाहर निकलने (ब्रेक्सिट) के पक्ष में मतदान किया।

संक्षिप्त खबरें

आज राज्य की समस्त ग्राम सभाओं में आवास योजना 2.0 की अंतिम सूची पर होगी चर्चा

रायपुर। प्रदेश में 24 जून को ग्राम सभाओं का आयोजन होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सभी ग्राम समितियों में ग्राम सभा के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक आँचल की सुरक्षा करने के निर्देश दिये गये हैं। ग्राम सभा में विशेष रूप से आवास सारांश 2.0 सर्वेक्षण से प्राप्त सिस्टम जनरेटेड स्थायी प्रतीक्षा का अवलोकन एवं वाचन सूची जारी की जाएगी। शासन के शेयरधारकों एवं मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार पात्र हितग्राहियों की मूल सूची तैयार की जाएगी तथा आचलों से प्राप्त दावे-आपत्तियों को प्राप्त कर उनके टुकड़ों की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। ग्राम सभा से मंजूरी के बाद स्थायी सूची को आवास प्रारूप में अपलोड करने की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही पूर्व बैठक के निर्णयों के पालन प्रतिवेदन, अध्ययन के आय-व्यय की समीक्षा और अनुमोदन, विभिन्न उद्देश्यों से लेकर मठों की प्रगति और अन्य विकासात्मक विषयों पर भी चर्चा होगी। ग्राम सभा में विकसित भारत-रोज़गार मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) के संबंध में भी जानकारी दी जाएगी। विभाग ने सभी ग्राम परियोजनाओं से अपील की है कि ग्राम सभा में अधिक से अधिक नवीनीकरण की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए।

कांकेर जंगल से हथियारों का जखीरा बरामद

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाबलों को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। सर्च अभियान के दौरान आमाटोला के जंगल में नक्सलियों का खुफिया डंप बरामद हुआ है। जहां हथियार समेत अन्य नक्सल सामान छिपाकर रखी गई थी। यह पूरी कार्रवाई कांकेर पुलिस, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीम ने की है। जानकारी के अनुसार, वरीष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के आमाटोला के पास जंगल में सर्चिंग के दौरान जवानों को कुछ संधिग्ध नजर आया। जांच में नक्सलियों का विस्फोटक डंप मिला, जिसमें से कई नक्सल सामान बरामद किया गया है।

नक्सल डंप से क्या-क्या मिला?

भारमार बंदुक-04 नग, वायरलेस सेट-02, रेडियो-01नग, नक्सल वर्दी-01नग, पोच-02 नग, चार्जर-01नग, बैटरी-01नग। नक्सल साहित्य के अलावा अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया। जिसे सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला गया। अभियान के बाद सभी जवान वापस कैंप लौट आए हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि जिले के संवेदनशील और दूरस्थ क्षेत्रों में आगे भी संयुक्त सर्च अभियान लगातार जारी रहेंगे।

छत्तीसगढ़ में साइको किलर दबोचा गया

रंजिश व पत्नी पर बुरी नजर रखने वालों की कर दी हत्या

विश्व केसरी

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के खर्वे गांव में पिछले 3 महीनों में हुई 8 लोगों की संदिग्ध मौतों का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। गांव के ही रामसहाय जायसवाल (46) ने पुरानी रंजिश, गाली-गलौज, विवाद, पत्नी पर गलत नजर रखने के शक, कर्ज और टोना-टोटका की शंका क

गांव में अचानक एक के बाद एक मौतें होने लगीं। 8 मौतें हो गई। सिर्फ एक आदमी की जान बची। सभी में एक ही पैटर्न था। सभी को शराब पिलाई गई थी। शराब में जहर मिलाया गया था। 6 जून को ग्रामीणों ने कसडोल थाने में आवेदन देकर 8 मौतों की जांच की मांग की। ग्रामीणों ने रामसहाय जायसवाल पर संदेह जताया था।

पुलिस ने 7 मृतकों के शवों को कब्र से निकलवाकर पोस्टमॉर्टम और फॉरेंसिक जांच के लिए रायपुर भेजा। एक मृतक बुधराम का अंतिम संस्कार पहले ही किया जा चुका था। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी ने चूहा मारने के नाम पर सुहागा (जहर) खरीदा था।

तकनीकी साक्ष्यों और ग्रामीणों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने रामसहाय को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में उसने आरोपों से इनकार किया, लेकिन बाद में कड़ाई से पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी ने पहले कुत्ते को जहर दिया था, ताकि ये देख सके कि जहर काम कर रहा है या नहीं। इसके बाद उसने अलग-अलग तारीखों में गांव के लोगों को यही जहर शराब में मिलाकर पिलाई।

मंगलवार को पुलिस रामसहाय को उसके घर, दुकान और घटनास्थल पर लेकर पहुंची, जहां से शराब में मिलाया जाने वाला जहरीला पदार्थ जब्त किया गया। इस दौरान आरोपी को देखकर गांव के लोग आक्रोशित हो गए और उसे देखकर गालियां देने लगे।

गांव में किराना दुकान चलाता था रामसहाय

रामसहाय खर्वे गांव में किराना दुकान चलाता था। संदिग्ध मौतों का सिलसिला 6 फरवरी 2026 को बद्री पटेल की मौत से शुरू हुआ। इसके बाद 20 फरवरी को बुढालू साहू की जान चली गई। 12 मार्च को बुधराम जायसवाल, 20 मार्च को छत्तूराम साहू और 31 मार्च को विनोद साहू की मौत हो गई।

इसके बाद 28 अप्रैल को गजानंद मांझी और 29 अप्रैल को चैतूराम साहू की मौत हो गई। आखिरी मौत 14 मई को महेतरू साहू की हुई। महज 3 महीने के अंदर एक ही गांव में 8 लोगों की मौत के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण कसडोल थाने पहुंचे थे।

महासमुंद में मिले 5 बेशकीमती हीरे

महासमुंद। जिले के सरायपाली क्षेत्र में आने वाले बलौदा बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में वैज्ञानिकों को जांच के दौरान 5 चमचमाते हुए असली हीरे मिले हैं। एनएमडीसी और छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की संयुक्त कंपनी ने आधिकारिक पत्र जारी कर इस बड़ी कामयाबी की पुष्टि कर दी है।

पन्ना भेजा गया था 200 टन मलबा, जांच में खुला राज

दरअसल, महासमुंद के सरायपाली इलाके में पिछले काफी समय से वैज्ञानिक अन्वेषण (जांच) का काम चल रहा था। मिली जानकारी के अनुसार यहां स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग और करीब 500 मीटर गहरी एक्सप्लोरेटरी ड्रिलिंग के बाद संभावित हीरा क्षेत्र की पहचान की गई थी। इसके बाद वहां से निकले करीब 200 टन मलबे और खनिज सामग्री को जांच के लिए मध्य प्रदेश के पन्ना स्थित डायमंड प्रोसेसिंग प्लांट भेजा गया था। जब वहां इस मलबे को प्रोसेस किया गया, तो उसमें से 1.22 कैरेट कुल वजन के 5 कीमती हीरे बरामद हुए। सुरक्षा के चलते पन्ना के 'स्ट्रॉन्ग रूम' में रखे गए हीरे

बताया जा रहा है कि NMDC-CMDC के रायपुर दफ्तर या स्थानीय स्तर पर इन हीरों को सुरक्षित रखने की पुख्ता व्यवस्था नहीं थी। इसी वजह से सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन सभी 5 हीरों को आनन-फानन में NMDC के पन्ना स्थित बेहद सुरक्षित 'स्ट्रॉन्ग रूम' में जमा करा दिया गया है।

इस बड़ी खोज के बाद NMDC-CMDC लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ सरकार के खनिज विभाग से आगे की कार्रवाई और बड़े स्तर पर खुदाई के लिए मार्गदर्शन मांगा है। खनिज विभाग के बड़े अधिकारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में ही इतने बेहतरीन हीरे मिलना छत्तीसगढ़ के लिए लॉटरी लगने जैसा है।

उम्रकैद काट रहे बंदी ने अन्य कैदी की कर दी निर्मम हत्या

विश्व केसरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर सेंट्रल जेल में रेप के आरोप में सजा काट रहे कैदी का मर्डर हुआ है। उसी जेल में बंद एक साइको किलर ने सीमेंट से बने स्लैब से कैदी का सिर कुचल दिया। बताया जा रहा है कि, साइको किलर माफी की अर्जी खारिज होने के बाद से तनाव में था।

मृतक

आरोपी

मंगलवार सुबह उसने नाली में लगे सीमेंट के ढक्कन को उठाया और 4-5 बार वार कर कैदी की हत्या कर दी। इस दौरान आसपास मौजूद कैदियों ने छुड़ाने की कोशिश की। घायल कैदी को हॉस्पिटल भी ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई की बात कहीं है। वारदात के बाद घायल कैदी को हॉस्पिटल भी ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद घायल कैदी को हॉस्पिटल भी ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ट्रिपल मर्डर का आरोपी राजेश राय, जिसने जेल में चौथा मर्डर कर दिया। ट्रिपल मर्डर का आरोपी राजेश राय, जिसने जेल में चौथा मर्डर कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान नीलू जगत (27) निवासी कोटा के दबनपुर के रूप में हुई है। उसने नाबालिग लड़की से रेप किया था, जिसके बाद साल 2024 से जेल में बंद था। वहीं, हत्या के आरोपी राजेश राय (40) मुंगेली जिले का रहने वाला है, वह करीब 17 साल से ट्रिपल मर्डर के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। उसने माफी की अर्जी लगाई थी, लेकिन उसकी अर्जी खारिज कर दी गई थी। उसके भाई सुरेश राय को इसी मामले में माफ करते हुए 2025 में रिहा कर दिया गया है। इससे वह मानसिक तनाव में चल रहा था। इस बीच 23 जून की सुबह साढ़े 5 बजे उसने नीलू जगत के सिर पर नाली के स्लैब से ताबड़तोड़ 4-5 बार वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

तुलिका कर्मा का बड़ा आरोप, स्थानीय ठेकेदारों को छोड़ बाहरी लोगों को मिला काम

विश्व केसरी

किरंदुल। बस्तर के किरंदुल-बचेली में एनएमडीसी के सीएसआर फंड को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव और जिला पंचायत सदस्य तुलिका कर्मा ने टेंडर प्रक्रिया पर सीधा हमला बोला है। उनका आरोप है कि करोड़ों के ठेके बाहरी लोगों को बांटे जा रहे हैं। स्थानीय ठेकेदार बस हाथ मलते रह गए हैं।

चुनिंदा लोगों के लिए लिमिटेड टेंडर का खेल

सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में तुलिका कर्मा ने एनएमडीसी प्रबंधन को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि 20 से 40 करोड़ के काम के लिए खुली निविदा क्यों नहीं निकाली गई? लिमिटेड टेंडर के जरिए कुछ खास लोगों को फायदा पहुँचाया जा रहा है। नियमों की अनदेखी करके काम चहेतों को बांटे गए हैं।

विधायक और सांसद पर कमीशनखोरी का आरोप

तुलिका कर्मा यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने सीधे क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी, प्रभारी मंत्री और सांसद पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी ठेकेदारों को काम दिलाने के बदले कमीशन का खेल चल रहा है। बस्तर के स्थानीय ठेकेदारों की मेहनत पर बाहरी लोग कुंडली मारकर बैठे हैं।

उन्होंने साफ़ कहा कि अगर जल्द जांच नहीं हुई, तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगी। सिर्फ तुलिका कर्मा ही नहीं, किरंदुल कांट्रेक्टर वेलफेयर एसोसिएशन ने भी मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने एनएमडीसी के आला अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर पारदर्शिता की मांग की है। स्थानीय ठेकेदारों का कहना है कि उन्हें काम से दूर रखना अन्याय है। अब देखना यह है कि एनएमडीसी प्रबंधन इन सवालों का जवाब देता है या खामोशी साधे रखता है। बस्तर के गलियारों में अब इस टेंडर कांड की चर्चा जोरों पर है।

साध्वी ने लगाए नगर पालिका अध्यक्ष पर गंभीर आरोप!

विश्व केसरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की साध्वी पद्मिनीपुरी ने रतनपुर नगर पालिका अध्यक्ष लवकुश कश्यप पर मानसिक प्रताड़ना और सार्वजनिक रूप से अपमानित करने का आरोप लगाया है।

साध्वी पद्मिनीपुरी ने SSP को दी शिकायत में कहा है कि अध्यक्ष ने शराब-गांजा पीने वाली बताकर भक्तों को भड़काया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। साध्वी पद्मिनीपुरी का कहना है कि, 3 जून 2026 को वह फुलवारीपारा स्थित मथुरावासी हनुमान मंदिर आश्रम में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं। संत-महात्माओं के साथ भोजन के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष लवकुश कश्यप ने उन्हे भोजन करने से रोकते हुए वहां से उठ जाने के लिए कहा।

विरोध करने पर अभद्र व्यवहार किया गया। उनके सम्मान को ठेस पहुंचाई गई और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। साध्वी ने आरोप लगाया कि वे जहां भी जाती हैं, नगर पालिका अध्यक्ष वहां पहुंचकर लोगों को उनके खिलाफ भड़काने का प्रयास किया जाता है।

रतनपुर नगर पालिका अध्यक्ष लवकुश कश्यप ने कहा कि, खुद को साध्वी बताने वाली महिला ब्लैकमेलिंग का काम करती है और फिर पैसे लेकर मामले को रफा-दफा करती है। गिरीजानंद हनुमान मंदिर के पुजारी को ब्लैकमेल कर उसने 20 डिसमिल जमीन ली थी। भयहरण हनुमान मंदिर के एक महंत का निधन हुआ था। अंत्येष्टि कार्यक्रम में वह बिना बुलाए मेहमान बनकर आ गई थी। साध्वी की मानसिकता है कि वह मंदिर की मालकिन बने।

धर्मांतरण को लेकर विवाद : ईसाई और आदिवासी समाज आमने-सामने

विश्व केसरी

नारायणपुर। जिले के भरण्डा गांव में धर्मांतरण को लेकर विवाद गहरा गया है। सुबह से गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

जानकारी के अनुसार, करीब 26 मतांतरित परिवारों का आरोप है कि गांव के आदिवासी ग्रामीणों ने उन्हें गांव छोड़ने का फरमान जारी किया है। उनका कहना है कि उनसे ईसाई धर्म का पालन छोड़कर आदिवासी रीति-रिवाज अपनाने का दबाव बनाया जा रहा है। परिवारों का दावा है कि उन्हें घरों से बाहर निकालने की कोशिश की गई। वहीं, आदिवासी समुदाय का कहना है कि ईसाई धर्म अपनाने वाले कुछ लोग गांव की पारंपरिक आदिवासी संस्कृति, रीति-रिवाज और देवी-देवताओं का अपमान करते हैं। समुदाय का कहना है कि यदि वे गांव में रहना चाहते हैं तो उन्हें आदिवासी परंपराओं का सम्मान करना होगा अन्यथा गांव छोड़ना होगा।

पुलिस ने की शांति बनाए रखने की अपील

दोनों पक्षों के बीच इस मुद्दे को लेकर जमकर कहासुनी और झूमाझटकी हुई। हालांकि पुलिस की मौजूदगी से स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन गांव में तनाव बना हुआ है। दोनों पक्ष एक-दूसरे का बात मानने तैयार नहीं हैं। किसी भी तरह का समझौता होता नहीं दिख रहा है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। मामले को सुलझाने के लिए प्रशासन दोनों पक्षों से बातचीत कर रहा है।

45 गांवों के आदिवासियों ने घेरा कलेक्ट्रेट

पुलिस ने आंसू गैस छोड़े, बैरिकेड-ट्रक अड़ाकर रोका, नहीं रुके

विश्व केसरी

धमतरी। धमतरी में सोमवार को 45 गांवों के हजारों आदिवासियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पुल-पुलिया, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट का घेराव किया। जल-जंगल-जमीन संघर्ष समिति के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी शांति घाट से करीब 10 किलोमीटर पैदल मार्च करते हुए शहर के मुख्य मार्गों से होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शनकारी राशन-पानी के साथ पहुंचे थे। ग्रामीणों का कहना है कि जिस गांव में वो लोग रहते हैं वहां के हालात नरक से भी ज्यादा बदहाल है। वे लोग सिर्फ भगवान भरोसे जी रहे हैं।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन ने उन्हें रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किया। नगरी और आसपास के पेट्रोल पंपों को दोपहर 1 बजे तक बंद कर दिया और डीजल देने पर रोक लगा दी गई। लेकिन प्रदर्शनकारी धमतरी की ओर बढ़े।

बनरौद के पास पुलिस-प्रशासन ने उन्हें रोकने के लिए सड़क पर बैरिकेड लगा दिए और बीच सड़क में ट्रक खड़े कर दिए। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े, लेकिन प्रदर्शनकारियों को रोकने में नाकाम रहे।

प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर अविनाश मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर ने कुछ मांगों को तुरंत पूरा करने और कुछ मांगों को जल्द ही पूरा करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीण अपने-अपने गांव लौटे।

दरअसल, धमतरी में सोमवार को वनांचल क्षेत्र के करीब 45 गांवों के हजारों आदिवासी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पुल-पुलिया, बिजली और 7 बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। ये प्रदर्शनकारी जल- जंगल-जमीन संघर्ष समिति धमतरी-गरियाबंद के बैनर तले एकजुट हुए थे।

बीएसपी स्क्रैप चोरी : 3 करोड़ की प्रॉपर्टी के दस्तावेज जब्त

विश्व केसरी

दुर्ग-भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) से स्क्रैप चोरी कर अवैध कमाई करने वाले चोरों के ऑर्गेनाइज्ड नेटवर्क पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इस मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 7 दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल (न्यायिक रिमांड) भेज दिया गया है।

जांच के दौरान पुलिस को करोड़ों रुपए की संपत्ति और निवेश से जुड़े अहम सुराग मिले हैं। मामले के मुख्य आरोपी संजय सिंह से पूछताछ में खुलासा हुआ कि चोरी की कमाई को जमीन, मकान और सोने-चांदी के गहनों (ज्वेलरी) में इन्वेस्ट किया गया था।

इसके बाद पुलिस ने आरोपी के लॉकर की जांच की, जहां से करीब 50 लाख रुपए के गहने (ज्वेलरी) और लगभग 3 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए।

भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) से निकलने वाले औद्योगिक कचरे यानी 'फ्लू डस्ट' को बाहर ले जाने के बहाने कीमती लोहा चोरी किया जा रहा था, जिसका खुलासा 26 मई 2026 को पुलिस की रेड में हुआ।

पुलिस को भिलाई के हथखोज इलाके में स्थित ए.के. ट्रेडर्स में भारी मात्रा में संदिग्ध कबाड़ होने की सूचना मिली थी, जहां छापेमारी करने पर कई ट्रकों और हाइवा गाड़ियों में लोहे की भारी प्लेटें, बीम कटिंग्स और अन्य स्क्रैप लोड मिले।

लगातार तेजी के बाद फिसला बाजार, सेंसेक्स 893 अंक गिरा; आईटी, मेटल और पीएसयू बैंक के शेयरों में भारी गिरावट

विश्व केसरी ■

मुंबई। लगातार तेजी के बाद हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। मेटल, आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में भारी बिकवाली और एशियाई बाजारों में कमजोरी तथा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में 1.1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट का असर घरेलू शेयर बाजारों पर भी पड़ा।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 893.39 अंक यानी 1.16 प्रतिशत गिरकर 76,200.68 पर बंद हुआ, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 278.80 अंक या 1.16 प्रतिशत गिरकर 23,824.10 पर पहुंच गया।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 1.05 प्रतिशत और 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं, सेक्टरवार देखें, तो निफ्टी मेटल में 3 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई और यह अपने समकक्षों में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर बन गया। निफ्टी आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा, वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर ने बेहतर प्रदर्शन किया।

निफ्टी50 इंडेक्स में इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और जेएसडब्ल्यू स्टील सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाली कंपनियां रहीं। इसके अलावा, टाटा स्टील, हिंडाल्को, बीईएल और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में 2 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार को सबसे बड़ा झटका साउथ कोरिया के बाजार से आया, जहां का प्रमुख सूचकांक कोस्पी 10 प्रतिशत तक गिर गया, जिसके बाद एक्सचेंज को 20 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। यह कदम निवेशकों की घबराहट और तेज बिकवाली को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया। ट्रेडिंग दोबारा शुरू होने के बाद भी कोस्पी की गिरावट बढ़कर 9 प्रतिशत से ज्यादा हो गई।

इसके अलावा, जापान का निक्केई 225 करीब 3.2 प्रतिशत गिर गया, चीन का शंघाई कम्पोजिट 2 प्रतिशत तक फिसल गया और हांगकांग का हैंग सेंग भी करीब 2 प्रतिशत नीचे कारोबार करता दिखा। दूसरी तरफ, विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है, और सोमवार को एफआईआई ने करीब 635.91 करोड़ रुपए के शेयर बेच दिए। डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू भी 6 पैसे गिरकर 94.69 के स्तर पर आ गई। इन सभी वजहों से घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ गया और अंतिम समय में गिरावट और बढ़ गई।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि ग्लोबल स्तर पर नकारात्मक संकेतों और सावधानी के माहौल के बीच, शुरुआती बढ़त टिक नहीं पाई और मार्केट सेंटीमेंट कमजोर हो गया।

आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में तरलता बढ़ाने के लिए डाले 1.41 लाख करोड़ रुपये

विश्व केसरी ■

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को सात दिन की वेरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए बैंकिंग सिस्टम में अस्थायी तरलता बढ़ाने के लिए 1.41 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डाले।

आरबीआई की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सिस्टम में फंड 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ दर और वेटेड एवरेज दर पर डाले गए।

यह कदम तब उठाया गया जब बैंकिंग सिस्टम में तरलता, 21 जून को 30,685.11 करोड़ रुपये के अधिशेष से घटकर 22 जून को 19,971.89 करोड़ रुपये के घाटे में बदल गई।

जानकारों का कहना है कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) भुगतान के कारण बैंकों से पैसे बाहर जाने से सिस्टम में तरलता कम हो गई।

तरलता में कमी की वजह से ओवरनाइट मनी मार्केट रेट्स पर दबाव बढ़ गया है। वेटेड एवरेज कॉल मनी रेट 5.43 प्रतिशत पर ट्रेड कर रहा है, जो आरबीआई के रेपो रेट से 0.18 प्रतिशत अधिक है।

अगर जीएसटी के भुगतान जैसे कारणों से बैंकिंग लिक्विडिटी बहुत ज्यादा कम हो जाती है, तो शॉर्ट-टर्म मनी मार्केट रेट्स (जैसे वेटेड एवरेज कॉल मनी रेट) आरबीआई के स्टैंडर्ड रेपो रेट से ऊपर जा सकते हैं।

तरलता डालकर आरबीआई यह पक्का करता है कि शॉर्ट-टर्म फंडिंग का दबाव कम हो और बिना किसी आर्थिक मंदी के फाइनेंशियल सिस्टम में क्रेडिट का फ्लो आसानी से चलता रहे।

आरबीआई टैक्स पेमेंट, एडवांस टैक्स पेमेंट या मौसम के हिसाब से क्रेडिट की मांग की वजह से होने वाली शॉर्ट-टर्म कमी को मैनेज करने के लिए बैंकिंग सिस्टम में समय-समय पर कुछ समय के लिए और लंबे समय के लिए लिक्विडिटी डालता रहता है। केंद्रीय बैंक यह काम अलग-अलग मॉनेटरी टूल्स और मार्केट ऑपरेशन्स के जरिए करता है।

भारत में डिजिटल निवेशकों की 80 प्रतिशत संपत्ति एसआईपी और शेयरों में निवेशित : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में एक औसत डिजिटल निवेशक के पोर्टफोलियो का आकार लगभग 10 लाख रुपए है और वह हर साल करीब 3 लाख रुपए का नया निवेश जोड़ता है। इसके बावजूद, उसकी निवेश योग्य डिजिटल संपत्ति का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा अभी भी एसआईपी, सीधे शेयरों (डायरेक्ट इक्विटी) और एकमुश्त म्यूचुअल फंड निवेशों में केंद्रित है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई।

कंसल्टिंग फर्म रेडसीर की रिपोर्ट के अनुसार, कुल निवेश में एसआईपी की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत और डायरेक्ट इक्विटी की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत है। इससे पता चलता है कि निवेशकों की संपत्ति तो बढ़ रही है, लेकिन नए निवेश उत्पादों को अपनाने की रफ्तार उतनी तेज नहीं है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल निवेश के अगले चरण की वृद्धि नए निवेशकों को जोड़ने से ज्यादा मौजूदा निवेशकों के व्यवहार पर निर्भर करेगी।

ईटीएफ, वैश्विक शेयरों (ग्लोबल इक्विटीज), मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा और शेयरों के बदले ऋण (लोन अगेंस्ट सिक्योरिटीज) जैसे उत्पादों के बारे में निवेशकों में अच्छी जागरूकता है, लेकिन उनका वास्तविक उपयोग अभी भी सीमित है। रिपोर्ट में बाजार को प्रभावित करने वाले तीन प्रमुख निवेशक वर्गों की पहचान की गई है। पहला वर्ग 'गाइडेड सेवर्स' का है, जो निवेश को लंबी अवधि की बचत का माध्यम मानते हैं। दूसरा वर्ग 'एस्पायरिंग इन्वेस्टर्स' का है, जो धीरे-धीरे निवेश के दायरे को बढ़ा रहे हैं, और तीसरा वर्ग 'कॉन्फिडेंट बिल्डर्स' का है, जो अपने निवेश को विभिन्न परिसंपत्तियों में बांटते हैं और बाजार के अवसरों का फायदा उठाते हैं।

रेडसीर स्ट्रेटेजी कंसल्टेंट्स के पार्टनर मृगांक गुटगुटिया ने कहा कि आज निवेश प्लेटफॉर्म्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती निवेशकों को अधिक व्यापक निवेश विकल्पों को समझने और उनमें विश्वास के साथ निवेश करने में मदद करना है।

उन्होंने कहा कि जो प्लेटफॉर्म सही समय पर सही अवसरों की जानकारी देंगे, निवेश निर्णयों को आसान बनाएंगे और भरोसा कायम करेंगे, वे भविष्य में अधिक एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) हासिल कर सकेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की डिजिटल निवेश यात्रा का अगला अध्याय उन प्लेटफॉर्म्स द्वारा लिखा जाएगा जो निवेशकों की निष्क्रिय भागीदारी को गहरी वित्तीय भागीदारी में बदलने में सफल होंगे।

सोने और चांदी में कमजोरी जारी, कीमतें 2 प्रतिशत से अधिक घटीं

विश्व केसरी ■

मुंबई । सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। इसकी वजह डॉलर इंडेक्स के लगातार 100 के ऊपर रहने और वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका को माना जा रहा है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,48,188 रुपए के मुकाबले 1,412 रुपए या 0.95 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,46,776 रुपए पर खुला।

सुबह 9:43 पर यह 1,191 रुपए या 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,46,927 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,46,528 रुपए का उच्चतम स्तर और 1,47,090 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है।

सोने के साथ चांदी में अधिक कमजोरी देखी गई। चांदी का 03 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,34,310 रुपए के मुकाबले 6,634 रुपए या 2.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,27,676 रुपए पर खुला।

वर्तमान में यह 6,027 रुपए या 2.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,28,283 रुपए पर खुला।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,27,125 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,28,800 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

जानकारों के मुताबिक, सोने में कमजोरी की वजह डॉलर इंडेक्स का 100 के ऊपर बने रहना है, जो कि आज 100.795 पर था। यह बीते एक साल में डॉलर इडेक्स का उच्चतम स्तर है।

डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

इसमें बढ़ोतरी की वजह अमेरिकी फेड की ओर से इस साल महंगाई को काबू करने के लिए ब्याज दर बढ़ाए जाने की आशंका है।

इसके अलावा, जानकारों ने आगे कहा कि अब निवेशकों की नजर इस सप्ताह आने वाले अमेरिकी रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़ों पर है, क्योंकि ये सोने की कीमतों को प्रभावित करने वाला अगला बड़ा कारक साबित हो सकते हैं।

भारत के विकास में कृषि और टेक्नोलॉजी की होगी अहम भूमिका : एक्सपर्ट्स

विश्व केसरी ■

डालियान (चीन)। भारत आने वाले समय में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा और इसके विकास में कृषि और टेक्नोलॉजी क्षेत्र अहम भूमिका निभाएंगे। यह बयान एक्सपर्ट्स की ओर से मंगलवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की 'एनुअल न्यू चैंपियंस मीटिंग' या 'समर दावोस' में दिया गया।

मीडिया के साथ बातचीत में, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मैनेजिंग डायरेक्टर मिरेक डुसेक ने भारत के आर्थिक विकास अनुमानों की संभावनाओं पर भरोसा जताया और देश को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताया।

डुसेक ने कहा, 'भारत वैश्विक विकास दर में अहम योगदान दे रहा है और हमें उम्मीद है कि आने वाले सालों में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती रहेगी।' उन्होंने कहा कि समर दावोस बैठक ने दुनिया भर के इनोवेटर्स, टेक्नोलॉजी लीडर्स, नीति निर्माताओं और बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स को एक साथ लाया है, ताकि सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके और वैश्विक चुनौतियों का समाधान ढूंढा जा सके।

इसके अलावा, डुसेक ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी उभरती हुई टेक्नोलॉजी में प्रोडक्टिविटी बढ़ाने और वैश्विक आर्थिक विकास को सहारा देने की क्षमता है। इसके अलावा, आईएएनएस से बातचीत में पद्म श्री से सम्मानित और ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी में मृदा विज्ञान के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, प्रो. रतन लाल ने ??कहा, 'भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और इस विकास में कृषि की अहम भूमिका होगी।'

इसके अलावा, उन्होंने खेती की पैदावार बढ़ाने के लिए मिट्टी की सेहत सुधारने और जमीन के टिकाऊ प्रबंधन के तरीकों को बढ़ावा देने की अहमियत पर जोर दिया।

लाल ने भारतीय खेती में बदलाव लाने के लिए नई उभरती टेक्नोलॉजी की संभावनाओं के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल टूल्स किसानों के लिए मिट्टी की जांच को तेज, सस्ता और ज्यादा आसान बना सकते हैं, जिससे किसान सही जानकारी के आधार पर फैसले ले सकें और फसल की पैदावार बढ़ा सकें।

समर दावोस 23 जून को शुरू हुआ और 25 जून को खत्म होगा। इसमें बिजनेस, सरकार, एकेडेमिया और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के ग्लोबल लीडर्स इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और आर्थिक विकास के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एक साथ एक मंच पर आएंगे।

वैश्विक अस्थिरता के बीच भी भारत में आर्थिक गतिविधियां मजबूत, जून में पीएमआई 57.4 पर रहा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता के बीच भी भारत में निजी क्षेत्र की गतिविधियां जून में मजबूत रही हैं और इस दौरान नए ऑर्डर्स में बढ़ोतरी देखी गई है। यह जानकारी मंगलवार को जारी एचएसबीसी पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) डेटा में दी गई।

एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई डेटा के मुताबिक, जून में भारतीय सामान और सेवाओं की मांग में वृद्धि धीमी हुई है, जिससे आउटपुट लेवल बढ़ाने की गुंजाइश सीमित हो गई। वहीं, कुछ महीनों की तेजी के बाद इन्वेंट्री बनाने की रफ्तार धीमी पड़ने से मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट की ग्रोथ में कमी आई है।

एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स जून में घटकर 57.4 रहा है, जो कि मई में 59.3 था।

जब भी पीएमआई 50 से ऊपर होता है तो यह आर्थिक गतिविधियों में तेजी को दिखाता है।

पीएमआई डेटा में बताया गया कि लागत दबाव और मांग में कमी के कारण आर्थिक गतिविधियों में हालिया तेजी में कमी आई है। एचएसबीसी में भारत के लिए मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'जून में निजी क्षेत्र की गतिविधियों में थोड़ी नरमी आई। नए निर्यात ऑर्डर मजबूत बने रहे और ऑर्डर-टू-इन्वेंट्री रेश्यो में बढ़ोतरी हुई, जो आगे भी मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों के मजबूत रहने का संकेत है। प्राइवेट सेक्टर में इनपुट लागत बढ़ी, लेकिन यह बढ़ोतरी पिछले पांच महीनों में सबसे धीमी रही। पीएमआई सर्वेक्षण में निजी क्षेत्र की कंपनियों ने लगातार हर महीने अपने खर्चों में बढ़ोतरी की बात कही है, और इसकी वजह कच्चे माल की बढ़ती कीमतों को बताया है।

खास तौर पर, सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने केमिकल, खाने-पीने की चीजों, ईंधन, गैस, मेटल और यूटिलिटी (बिजली-पानी जैसी सेवाओं) की बढ़ती लागत का जिक्र किया। इसके बावजूद, महंगाई की कुल दर लगातार तीसरे महीने कम हुई और जनवरी के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गई।

पीएमआई डेटा के मुताबिक, सर्विस सेक्टर के मुकाबले मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में लागत का दबाव अधिक रहा।

जून में निर्यात के रुझान मिले-जुले रहे; सेवा क्षेत्र में तेजी से बढ़ोतरी हुई, जबकि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मार्च 2023 के बाद सबसे कम बढ़ोतरी देखी गई।

कंपनियों को भरोसा है कि आने वाले 12 महीनों में मौजूदा स्तर के मुकाबले उत्पादन में तेज बढ़ोतरी होगी।

पश्चिमी तमिलनाडु में मजदूरों की कमी से नारियल की खेती की लागत बढ़ी

विश्व केसरी ■

कोयंबटूर। कोयंबटूर और तिरुप्पुर जिलों में नारियल किसानों को उत्पादन की बढ़ती लागत का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मजदूरों की भारी कमी के कारण नारियल से छिलका उतारने और उनकी कटाई की लागत में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है।

पिछले दो महीनों में नारियल से छिलका उतारने की लागत 1 से बढ़कर 1.50 रुपये प्रति नारियल हो गई है, जो कि 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। किसान इस बढ़ोतरी की वजह नारियल से जुड़े खेती के कामों में लगे मजदूरों की भारी कमी को मानते हैं। माना जाता है कि चुनाव के समय अपने घर लौटे कई प्रवासी मजदूरों के वापस न आने से मजदूरों की कमी और बढ़ गई है।

किसानों का कहना है कि मजदूरों के एक हिस्से को शायद काम के दूसरे मौके मिल गए हों या वे कहीं और बस गए हों, जिससे खेती के कामों के लिए मजदूरों की उपलब्धता कम हो गई है।

छिलका उतारने की लागत बढ़ने से उन किसानों पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है जो पहले से ही बाजार में उतार-चढ़ाव और खेती की बढ़ती लागत से जूझ रहे हैं।

छोटे और सीमांत किसान इससे सबसे अधिक प्रभावित हैं, क्योंकि वे खेती के कामों के लिए मजदूरों पर निर्भर रहते हैं और मोल-भाव करने की उनकी क्षमता भी कम होती है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि मजदूरी की बढ़ी हुई लागत का असर बाजार में नारियल की कीमतों पर पड़ सकता है और कीमतें बढ़ सकती हैं।

जो व्यापारी बड़ी मात्रा में नारियल खरीदते हैं, उन्हें आसानी से मजदूर मिल जाते हैं, जबकि अकेले किसान और छोटे उत्पादकों को मजदूर पाने के लिए अधिक पैसे देने पड़ते हैं।

मजदूरों की कमी के कारण नारियल तोड़ने की लागत भी बढ़ गई है। हाल के हफ्तों में नारियल के पेड़ पर चढ़ने और नारियल तोड़ने का खर्च लगभग 2.25 से बढ़कर 3 रुपये प्रति नारियल हो गया है। पेड़ पर चढ़ने में माहिर लोगों की संख्या लगातार कम हो रही है, क्योंकि पुराने मजदूर रिटायर हो रहे हैं और नई पीढ़ी इस शारीरिक मेहनत वाले काम में बहुत कम दिलचस्पी दिखा रही है।

जानकारों का कहना है कि नारियल तोड़ने और छिलका उतारने जैसे कुछ खेती के कामों के लिए मशीनी समाधान मौजूद हैं। हालांकि, अधिक निवेश लागत और व्यवहारिक दिक्कतों की वजह से छोटे किसानों के बीच इनका इस्तेमाल अभी भी सीमित है।

बहुत ऊंचे नारियल के पेड़ों वाले बागानों में फसल काटने वाले उपकरण भी कम असरदार होते हैं।

मजदूरों की कमी का असर खेतों के बाहर भी महसूस किया जा रहा है।

नारियल के छिलके कॉयर और कॉयर-पिथ उद्योगों के लिए एक अहम कच्चा माल हैं, जो उत्पादकों और व्यापारियों से लगातार सप्लाई पर निर्भर करते हैं।

बुढ़ापे में दांत क्यों गिर जाते हैं? डेंटिस्ट से जानें वजह और लंबी उम्र तक दांत मजबूत रखने के टिप्स

बुढ़ापे में अधिकतर लोगों के दांत उखड़ जाते हैं, लेकिन कुछ लोगों के दांत ताउम्र मजबूत बने रहते हैं. डेंटिस्ट की मानें तो दांतों का गिरना केवल उम्र का असर नहीं होता, बल्कि मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न, खराब ओरल हाइजीन और कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं. नियमित ब्रशिंग, फ्लॉसिंग, बैलेंस्ड डाइट और समय-समय पर डेंटल चेकअप करवाकर दांतों को लंबी उम्र तक हेल्दी और मजबूत रखा जा सकता है.

बुढ़ापे में शरीर कमजोर हो जाता है और लोगों के दांत गिरने लगते हैं. अधिकतर लोगों के दांत 70-75 की उम्र तक उखड़ जाते हैं. अक्सर लोग मानते हैं कि बढ़ती उम्र के साथ दांतों का गिरना एक सामान्य प्रक्रिया है. हालांकि डेंटिस्ट की मानें तो केवल उम्र बढ़ना ही दांत गिरने का कारण नहीं होता है. अगर दांतों का शुरुआत से ही खयाल रखा जाए, तो ताउम्र दांत नहीं उखड़ेंगे. डॉक्टर से जानने की कोशिश करते हैं कि आखिर बुढ़ापे में दांत क्यों कमजोर पड़ने लगते हैं और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए क्या करना चाहिए.

नई दिल्ली के पीतमपुरा स्थित गुलाटी डेंटल एंड एस्थेटिक क्लीनिक के डेंटिस्ट डॉ. वैभव गुलाटी ने मीडिया को बताया उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई बदलाव होते हैं, लेकिन केवल उम्र की वजह से दांत नहीं गिरते हैं. असल समस्या तब शुरू होती है, जब मसूड़ों की बीमारी, दांतों में सड़न या लंबे समय तक ओरल केयर की अनदेखी की जाती है. अगर दांतों और मसूड़ों की सही देखभाल की जाए, तो बुढ़ापे में भी दांत मजबूत रह सकते हैं।

दांत गिरने का सबसे बड़ा कारण मसूड़ों की बीमारी है. जब मसूड़ों में संक्रमण बढ़ जाता है, तो दांतों को सहारा देने वाली हड्डियां और ऊतक कमजोर होने लगते हैं. समय पर इलाज न मिलने पर दांत हिलने लगते हैं और गिर जाते हैं. मसूड़ों से खून आना, सूजन और बदबूदार सांस गम डिजीज के संकेत हो सकते हैं.

दांतों की सड़न भी बढ़ाती है खतरा

डॉक्टर गुलाटी ने बताया कि दांतों में कैविटी और सड़न लंबे समय तक बनी रहने पर दांत कमजोर हो सकते हैं. अगर समस्या गहराई तक पहुंच जाए, तो दांत बचाना मुश्किल हो सकता है. इसलिए नियमित जांच और समय पर ट्रीटमेंट बेहद जरूरी है. डायबिटीज, ऑस्टियोपोरोसिस और कुछ अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी दांतों और मसूड़ों की सेहत को प्रभावित कर सकती हैं. इसके अलावा धूम्रपान और तंबाकू का सेवन दांतों के नुकसान का खतरा कई गुना बढ़ा देता है.

लंबे समय तक दांत कैसे रखें हेल्दी

सुबह और रात को सोने से पहले फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट से ब्रश करना दांतों की सुरक्षा के लिए जरूरी माना जाता है. इससे प्लाक और बैक्टीरिया को कम करने में मदद मिलती है. ब्रश उन जगहों तक नहीं पहुंच पाता जहां दांत आपस में जुड़े होते हैं।

कुकर में एक गिलास चावल के लिए कितना पानी डालना चाहिए? जानिए खिले-खिले परफेक्ट चावल बनाने का आसान फॉर्मूला

कई बार कुकर में चावल बनाते समय पानी का अनुपात गलत होने से चावल चिपचिपे या ज्यादा गले हुए बन जाते हैं. अगर सही मात्रा में पानी डाला जाए तो घर पर भी होटल जैसे खिले-खिले चावल बनाए जा सकते हैं. कुकिंग एक्सपर्ट कविता सिंह ने एक गिलास चावल के लिए पानी का सटीक अनुपात बताया है. साथ ही उन्होंने चावल धोने, सीटी लगाने और कुकर खोलने का सही तरीका भी साझा किया है. आइए जानते हैं कुकर में परफेक्ट चावल बनाने का आसान और असरदार तरीका.

भारतीय घरों में चावल लगभग रोज बनते हैं. दाल चावल, राजमा चावल, छोले चावल, कढ़ी चावल या फिर पुलाव, हर डिश के साथ चावल का अपना खास महत्व है. लेकिन अक्सर लोगों की शिकायत रहती है कि कुकर में चावल बनाते समय वे या तो बहुत ज्यादा गल जाते हैं या फिर आपस में चिपक जाते हैं. कई बार नीचे से जल भी जाते हैं. इसकी सबसे बड़ी वजह पानी का गलत अनुपात और पकाने की गलत तकनीक होती है. चावल बनाना देखने में भले आसान लगता हो, लेकिन कुछ छोटी बातों का ध्यान न रखा जाए तो परिणाम पूरी तरह बदल सकता है. अच्छी बात यह है कि सही पानी, सही सीटी और सही समय का ध्यान रखकर हर बार एकदम खिले-खिले चावल तैयार किए जा सकते हैं.

चावल धोना है सबसे जरूरी स्टेप

परफेक्ट चावल बनाने की शुरुआत कुकर से नहीं बल्कि चावल धोने से होती है. चावल के ऊपर प्राकृतिक स्टार्च की एक परत होती है. अगर इसे अच्छी तरह साफ नहीं किया जाए तो पकने के बाद चावल आपस में चिपकने लगते हैं. इसलिए चावल को किसी बड़े बर्तन में लेकर साफ पानी से दो से तीन बार अच्छी तरह धोना चाहिए. हल्के हाथों से धोने पर अतिरिक्त स्टार्च निकल जाता है और चावल ज्यादा साफ हो जाते हैं. यही कदम बाद में चावल को अलग-अलग और खिला हुआ बनाने में मदद करता है.

एक गिलास बासमती चावल के लिए कितना पानी डालें

सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल यही होता है कि आखिर एक गिलास चावल में कितना पानी डालना चाहिए. कुकिंग एक्सपर्ट कविता सिंह के अनुसार अगर आप सामान्य बासमती चावल बना रहे हैं तो एक गिलास चावल के लिए डेढ़ गिलास पानी सबसे सही अनुपात माना जाता है. यहां यह जरूरी है कि जिस गिलास से चावल नापा गया हो उसी गिलास से पानी भी नापा जाए. यह अनुपात चावल को न ज्यादा कच्चा रहने देता है और न ही ज्यादा गलने देता है.

पुलाव और बिरयानी के लिए बदल जाता है अनुपात

अगर आप साधारण चावल की जगह मटर पुलाव, वेज पुलाव या बिरयानी बना रहे हैं तो पानी की मात्रा थोड़ी कम करनी चाहिए. पुलाव में सब्जियां, मसाले और घी या तेल भी मौजूद होते हैं, जिनसे अतिरिक्त नमी मिलती है. ऐसे में एक गिलास चावल के लिए करीब सवा गिलास पानी पर्याप्त माना जाता है. इससे पुलाव के चावल लंबे, खड़े और अलग-अलग बनते हैं।

रानी दुर्गावती : गोंडवाना की वीरांगना, जिन्होंने मुगलों के सामने नहीं झुकाया सिर

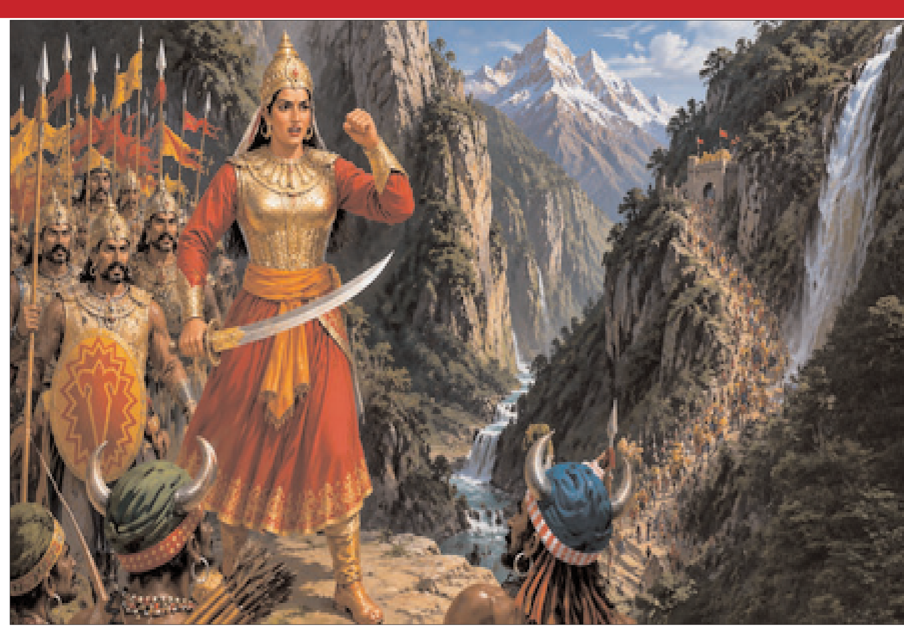

भारतीय इतिहास वीरता, साहस और बलिदान की अनगिनत गाथाओं से भरा पड़ा है। इन्हीं महान वीरांगनाओं में रानी दुर्गावती (5 अक्टूबर 1524 – 24 जून 1564) का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। गोंडवाना राज्य की पराक्रमी शासिका रानी दुर्गावती ने अपने अदम्य साहस, कुशल नेतृत्व और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। मुगल साम्राज्य की विशाल सेना के सामने भी उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया और अंतिम क्षण तक अपने राज्य की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहीं।

रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर 1524 को चंदेल राजवंश के कालिंजर किले (वर्तमान बांदा जिला, उत्तर प्रदेश) में हुआ था। वह कालिंजर के राजा कीर्तिसिंह चंदेल की एकमात्र संतान थीं। दुर्गाष्टमी के दिन जन्म होने के कारण उनका नाम दुर्गावती रखा गया। बचपन से ही उन्हें घुड़सवारी, शस्त्र-विद्या और युद्धकला का प्रशिक्षण मिला, जिससे उनमें साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ।

रानी दुर्गावती का विवाह वर्ष 1542 में गोंड साम्राज्य के राजा संग्राम शाह के ज्येष्ठ पुत्र दलपत शाह से हुआ था। संग्राम शाह गढ़ा-मंडला राज्य के शासक थे, जिसका क्षेत्र वर्तमान मध्य प्रदेश के जबलपुर, मंडला, नरसिंहपुर, दमोह और आसपास के इलाकों तक फैला हुआ था।

वर्ष 1545 में रानी दुर्गावती ने पुत्र वीर नारायण को जन्म दिया। विवाह के कुछ वर्षों बाद ही दलपत शाह का निधन हो गया।

उस समय वीर नारायण अल्पायु थे। ऐसे में रानी दुर्गावती ने संरक्षक शासक के रूप में राज्य की बागडोर संभाली। उनके शासनकाल में कृषि, जल प्रबंधन, प्रशासन और जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए, जिससे गोंडवाना राज्य समृद्ध हुआ।

16वीं शताब्दी में मुगल सम्राट अकबर अपने साम्राज्य का विस्तार कर रहा था। इसी क्रम में 1564 में मुगल सेनापति आसफ खान ने गोंडवाना पर आक्रमण किया। र

ानी दुर्गावती ने सीमित संसाधनों और कम सैन्य बल के बावजूद मुगल सेना का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने जबलपुर के निकट नरई क्षेत्र में मोर्चा संभाला और स्वयं युद्ध का नेतृत्व किया।

युद्ध के दौरान रानी दुर्गावती गंभीर रूप से घायल हो गईं। बताया जाता है कि उन्हें कई तीर लगे, लेकिन उन्होंने युद्धभूमि नहीं छोड़ी। जब उन्हें यह आभास हुआ कि शत्रु के हाथों बंदी बनने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, तब उन्होंने आत्मसम्मान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए स्वयं अपने प्राणों का बलिदान देना उचित समझा।

24 जून 1564 को रानी दुर्गावती वीरगति को प्राप्त हुईं। उन्होंने लगभग 16 वर्षों तक गोंडवाना राज्य का नेतृत्व किया और अपने साहस, स्वाभिमान तथा बलिदान के कारण भारतीय इतिहास में अमर हो गईं। आज भी उन्हें देश की महान वीरांगनाओं में गिना जाता है और उनका जीवन साहस तथा राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देता है।

बिना घंटों रगड़े तांबे और पीतल के बर्तनों को कैसे चमकाएं? जानिए आटा, हल्दी, नमक और नींबू से बना आसान घरेलू क्लीनर

तांबे और पीतल के बर्तन समय के साथ काले और फीके पड़ने लगते हैं. अक्सर इन्हें चमकाने के लिए घंटों रगड़ना पड़ता है, जिससे मेहनत भी लगती है और बर्तनों पर खरोंच भी आ सकती है. सोशल मीडिया पर इन दिनों एक आसान घरेलू उपाय काफी वायरल हो रहा है. इस उपाय में गेहूं का आटा, हल्दी, नमक और नींबू का इस्तेमाल करके एक खास पेस्ट तैयार किया जाता है.

भारतीय घरों में तांबे और पीतल के बर्तनों का इस्तेमाल बहुत पुराना है. पूजा की थाली से लेकर पानी रखने वाले बर्तन और सजावटी सामान तक, इन धातुओं की अपनी अलग पहचान होती है. इनकी सुनहरी चमक घर की खूबसूरती को बढ़ाती है. लेकिन समय के साथ हवा, नमी और धूल के संपर्क में आने के कारण इन बर्तनों की सतह पर एक काली परत जमने लगती है. कई बार बर्तन इतने फीके दिखने लगते हैं कि उनकी असली चमक पहचानना मुश्किल हो जाता है. ऐसे में लोग बाजार से महंगे क्लीनर खरीदते हैं या फिर घंटों तक बर्तनों को रगड़ते रहते हैं. हालांकि एक आसान घरेलू उपाय भी है जो बिना ज्यादा मेहनत के इन बर्तनों को चमकदार बना सकता है.

इस घरेलू क्लीनर की खास बात क्या है

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह उपाय इसलिए लोगों को पसंद आ रहा है क्योंकि इसमें घर की रसोई में मौजूद सामान्य चीजों का इस्तेमाल किया जाता है. इस तरीके में गेहूं का आटा, हल्दी, नमक और नींबू मिलाकर एक खास पेस्ट तैयार किया जाता है. यह पेस्ट बर्तनों पर जमी गंदगी और कालापन हटाने में मदद करता है. सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें किसी महंगे केमिकल की जरूरत नहीं पड़ती.

पेस्ट बनाने के लिए किन चीजों की जरूरत होगी

इस घरेलू क्लीनर को तैयार करने के लिए केवल कुछ आसान सामग्री चाहिए. दो चम्मच गेहूं का आटा, आधा चम्मच हल्दी, आधा चम्मच नमक और आधा नींबू काफी होता है. जरूरत पड़ने पर इसमें कुछ बूंदें पानी या सिरका भी मिलाया जा सकता है ताकि पेस्ट सही गाढ़ापन हासिल कर सके.

पेस्ट तैयार करने का सही तरीका

सबसे पहले एक छोटी कटोरी लें और उसमें गेहूं का आटा, हल्दी और नमक डाल दें. अब इसमें आधे नींबू का रस निचोड़कर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें. अगर मिश्रण ज्यादा सूखा लगे तो उसमें थोड़ा पानी या सिरका मिलाया जा सकता है. कुछ ही मिनटों में एक गाढ़ा और स्मूद पेस्ट तैयार हो जाएगा. यह पेस्ट ही सफाई का मुख्य काम करता है.

बर्तन पर पेस्ट लगाने का तरीका

तैयार पेस्ट को तांबे या पीतल के बर्तन की पूरी सतह पर समान रूप से लगा दें. जहां कालापन ज्यादा दिखाई दे रहा हो वहां थोड़ी मोटी परत लगाना बेहतर माना जाता है. गेहूं का आटा इस मिश्रण को बर्तन पर टिकाए रखता है, जबकि नींबू और नमक धीरे-धीरे जमी हुई परत पर असर करना शुरू कर देते हैं.

क्यों नहीं पड़ती ज्यादा रगड़ने की जरूरत

इस उपाय की सबसे खास बात यही है कि इसमें ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती. पेस्ट लगाने के बाद बर्तन को लगभग 5 से 10 मिनट तक ऐसे ही छोड़ देना चाहिए।

शिमला-मनाली की भीड़ भूल जाएंगे, कम खर्च में घूमने के लिए बेस्ट हैं ये 7 ऑफबीट हिल स्टेशन

इस गर्मी शिमला-मनाली की भीड़ से बचना चाहते हैं तो तीर्थन घाटी, चौकोरी, जिभी, मशोबरा, हाफलोंग, मुनस्यारी और यरकौड जैसे शांत हिल स्टेशन आपकी छुट्टियों को यादगार बना सकते हैं.

गर्मी बढ़ते ही ज्यादातर लोगों के मन में पहाड़ों का ख्याल आने लगता है, लेकिन जैसे ही शिमला, मनाली, नैनीताल या मसूरी का नाम सामने आता है, ट्रैफिक जाम, होटल की ऊंची कीमतें और पर्यटकों की भीड़ भी याद आ जाती है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अब भी भारत में ऐसे हिल स्टेशन बचे हैं, जहां सुकून हो, प्राकृतिक खूबसूरती हो और भीड़-भाड़ से दूर कुछ पल अपने लिए बिताए जा सकें? अच्छी बात यह है कि देश के अलग-अलग

हिस्सों में आज भी कई ऐसे कम चर्चित हिल स्टेशन मौजूद हैं, जो अपनी शांत वादियों, हरियाली और अनोखे अनुभवों के लिए जाने जाते हैं.

यहां न सिर्फ आपको ठंडी हवा और खूबसूरत नजारे मिलेंगे, बल्कि शहर की भागदौड़ से दूर खुद से जुड़ने का मौका भी मिलेगा. अगर आप इस बार गर्मियों की छुट्टियों में किसी नई और कम भीड़ वाली जगह की तलाश में हैं, तो इन सात हिल स्टेशनों को अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें.

1. तीर्थन घाटी: जहां नदी की आवाज बनती है सुकून

हिमाचल की छिपी हुई खूबसूरती तीर्थन घाटी उन यात्रियों के लिए बेहतरीन जगह है जो भीड़ से दूर प्रकृति के बीच समय बिताना चाहते हैं. ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के करीब स्थित यह घाटी साफ-सुथरी तीर्थन नदी और घने जंगलों के लिए जानी जाती है. यहां ट्राउट फिशिंग, कैंपिंग और जंगल ट्रेकिंग का अनुभव लिया जा सकता है. सुबह की ताजी हवा और नदी के किनारे बैठकर बिताया गया समय लंबे समय तक याद रहता है.

2. चौकोरी: हिमालय का शांत नजारा

चाय बागानों के बीच सुकून चौकोरी कुमाऊं क्षेत्र का एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है. यहां से नंदा देवी, पंचाचूली और त्रिशूल जैसी हिमालयी चोटियों का शानदार दृश्य दिखाई देता है.

देवदार के जंगल, चाय के बागान और शांत माहौल इसे परिवार और कपल्स दोनों के लिए खास बनाते हैं, अगर आप मोबाइल और सोशल मीडिया से कुछ दिन दूर रहना चाहते हैं, तो यह जगह आपके लिए बिल्कुल सही है.

3. जिभी: लकड़ी के कॉटेज और सेब के बगीचे

धीमी रफ्तार में जीने का एहसास जिभी पिछले कुछ सालों में ट्रैवलर्स के बीच लोकप्रिय जरूर हुआ है, लेकिन यहां अब भी बड़े हिल स्टेशनों जैसी भीड़ नहीं मिलती. लकड़ी के पारंपरिक घर, हरे-भरे जंगल और छोटे-छोटे कैफे इस जगह को खास बनाते हैं।

सिर्फ 9 में स्वाद का जादू! मऊ में 50 सालों से टमाटर वाली आलू टिक्की का जलवा, दूर-दूर से खिंचे चले आते हैं लोग

अगर आप समोसा, कचौड़ी और आम आलू टिक्की खाकर बोर हो चुके हैं, तो उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की यह अनोखी टमाटर वाली आलू टिकिया आपका दिल जीत लेगी. हाइवे किनारे बड़ागांव के पास पिछले 50 सालों से मिल रही इस टिकिया का स्वाद इतना लाजवाब है कि यहां से गुजरने वाली बसें और बड़े वाहन भी रुक जाते हैं. सिर्फ 9 रुपये में मिलने वाली इस खास टिकिया को बनाने का तरीका बेहद अलग है, जिसमें उबले आलू के साथ साबुत टमाटर और बेसन का एक मेल देखने को मिलता है. आइए जानते हैं मऊ की इस मशहूर दुकान और इसकी खास रेसिपी के बारे में.

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में स्थित मऊ जनपद में एक बेहद अलग प्रकार की आलू

की टिकिया बनाई जाती है, जिसे खाने के लिए लोग दूर-दूर से खिंचे चले आते हैं. मुख्य सड़क पर दुकान होने की वजह से यहां से गुजरने वाले हर राहगीर या बड़े वाहनों के पहिए अपने आप रुक जाते हैं. इस टिकिया की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आलू, टमाटर और कई अन्य खास चीजें डालकर इसे एक अलग रेसिपी से तैयार किया जाता है. इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि जो व्यक्ति एक बार इसे खा लेता है, वह यहां बार-बार आने पर मजबूर हो जाता है.

मऊ जनपद के बड़ागांव के पास मुख्य सड़क के किनारे 'संतोष टिकिया भंडार' पर यह खास टिकिया बनाई जाती है, जो पूरे इलाके में काफी मशहूर है. यही वजह है कि इस रास्ते से गुजरने वाला हर कोई इस स्वाद का आनंद लेने के लिए यहां जरूर रुकता है. इस टिकिया को बनाने के लिए सबसे पहले आलू को अच्छी तरह उबाला जाता है और फिर उसे बाहर निकालकर उसमें कई तरह के भुने हुए मसाले डालकर बेहद चटपटा बनाया जाता है।

बेबाक और बेखौफ

चेतना पांडे का बेहद बेबाक बयान

'स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए'

'हॉन्टेड 3D: इकोज ऑफ द पास्ट' की सफलता से खुश

फिल्मों के चुनाव को लेकर अभिनेत्री ने खोलकर रखे अपने विचार

मुंबई। अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डी : इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर आईएएनएस से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें।

आईएएनएस से बात करते हुए चेतना पांडे ने कहा, ''करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।''

अभिनेत्री ने कहा, 'मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।'

चेतना ने कहा, ''मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।''

चेतना ने कहा, ''मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता।''

'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, 'पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

हर रोल हो चुनौतीपूर्ण

मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिस और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहें। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, क्षिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहें।

स्क्रीन टाइम से ज्यादा मायने रखती है कहानी

मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें।

हर प्रोजेक्ट मुझे कुछ नया सिखाए

हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए। मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना हैं।

सफलता पर आभार

'हॉन्टेड 3D' की सफलता पर मैं बेहद खुश और आभारी हूं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

असिस्टेंट डायरेक्टर से सफल निर्माता तक : अतुल अग्निहोत्री ने कैसे बनाई बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान

विश्व केसरी

मुंबई। पिता रोहित अग्निहोत्री के शुरुआती अभिनय के प्रभाव और चचेरी बहन रति अग्निहोत्री की शानदार सफलता से प्रेरित होकर अतुल अग्निहोत्री ने मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। शुरुआत पंकज पराशर के साथ बतौर सहायक निर्देशक के रूप में हुई।

उनकी बड़ी शुरुआत 1993 में महेश भट्ट की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'सर' से हुई। इसके तुरंत बाद, 1994 में संजय गुप्ता की 'आतिश' में उन्होंने एक ईमानदार पुलिस अधिकारी 'अवि' की भूमिका निभाई, जिसने उन्हें दर्शकों के बीच पहचान दिलाई। उसी वर्ष आई 'क्रांतिवीर' ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए कीर्तिमान रचे। इसके बाद 'नाराज' (1994), 'यशवंत' (1997) और 'हम तुम्हारे हैं सनम' (2002) जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया।

?24 जून 1970 को दिल्ली में जन्मे अतुल अग्निहोत्री के जीवन का सबसे खूबसूरत अध्याय तब शुरू हुआ जब उनकी मुलाकात सलमान खान की बहन अलवीरा खान से हुई। पहली बार दोनों एक पेंट विज्ञापन के सेट पर मिले थे। इसके बाद फिल्म 'जागृति' (1992) के सेट पर उनका रिश्ता गहरा हुआ और उन्होंने शादी कर ली।

अतुल अग्निहोत्री के दो बच्चे हैं। बेटा अयान अग्निहोत्री संगीतकार है और बेटी अलीजेह अग्निहोत्री एक मॉडल व बॉलीवुड अभिनेत्री है। अतुल अग्निहोत्री ने 'दिल ने जिसे अपना कहा' (2004) और 'हेलो' (2008) के निर्देशन के बाद महसूस किया कि उनकी असली ताकत फिल्म प्रोडक्शन में है। इसके बाद उन्होंने 'रील लाइफ प्रोडक्शंस' की नींव रखी।

?साल 2011 में उन्होंने सलमान खान और करीना कपूर स्टारर 'बॉडीगार्ड' का निर्माण किया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी धूम मचाई। अतुल को 2012 में 'मोस्ट सक्सेसफुल प्रोड्यूसर' का अवार्ड मिला। इसके बाद 2019 में आई ड्रामा फिल्म 'भारत' ने करीब 197.34 करोड़ रुपए की भारी कमाई कर उनके प्रोडक्शन कौशल को लोहा मनवाया।

साल 2025 के अंत और 2026 की शुरुआत में अपनी कंपनी 'शिवासाई होममेकर इन्फ्रा एलएलपी' के माध्यम से वे बांद्रा वेस्ट की 60 साल पुरानी 'पालीमाला कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी' का पुनर्विकास कर रहे हैं।

'अन्ना बुलाएंगे तो जरूर आऊंगा': 'ओजी 2' में काम करने को लेकर उत्साहित दिखे अर्जुन दास

विश्व केसरी

चेन्नई। अभिनेता अर्जुन दास इन दिनों बहुप्रतीक्षित फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' के दूसरे पार्ट को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के पहले पार्ट में अहम भूमिका निभाने वाले अर्जुन दास ने 'ओजी 2' का भी हिस्सा बनने की इच्छा जाहिर की हैं। हालांकि अभी फिल्म की टीम की ओर से उनके किरदार को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अभिनेता का कहना है कि अगर पवन कल्याण उन्हें बुलाते हैं, तो वह बिना किसी हिचकिचाहट के फिल्म से जुड़ जाएंगे।

मीडिया ने जब अर्जुन दास से पूछा कि क्या आप 'ओजी 2' का हिस्सा बनेंगे, इस पर अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि कहानी के हिसाब से मुझे फिल्म में होना चाहिए। पहले पार्ट में मेरे किरदार ने कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और कहानी जिस मोड़ पर छोड़ी गई थी, उसे देखते हुए मैं मानता हूं कि आगे भी इसमें मेरे किरदार की जरूरत पड़ सकती है।

अर्जुन दास ने कहा, ''फिलहाल फिल्म को लेकर शुरुआती स्तर पर ही चर्चा चल रही है। टीम ने अभी-अभी सीक्वल को लेकर बातचीत शुरू की है और कई चीजें तय होना बाकी हैं। लेकिन अभी यह साफ नहीं हुआ है कि फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी। कलाकारों और कहानी से जुड़ी कई जानकारियां आने वाले समय में सामने आएंगी। अभिनेता ने बातचीत के दौरान पवन कल्याण को लेकर कहा, ''मैं अभी पवन कल्याण को 'अन्ना' कहकर बुलाता हूं, जिसका मतलब होता है बड़ा भाई।

एग्स फ्रीज कराने के फैसले पर खुलकर बोलीं आकांक्षा रंजन, कहा- 'मम्मी-पापा को मनाने की जरूरत ही नहीं पड़ी'

विश्व केसरी

मुंबई । अभिनेत्री आकांक्षा रंजन इन दिनों अपने एक निजी फैसले को लेकर चर्चा में हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने एग्स फ्रीज कराने के अपने फैसले पर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्होंने यह फैसला लिया, तब उनके माता-पिता की क्या प्रतिक्रिया थी।

मीडिया से बात करते हुए आकांक्षा रंजन ने कहा, ''मुझे अपने माता-पिता को इस फैसले के लिए मनाने की जरूरत ही नहीं पड़ी। अब मैं ऐसी उम्र में हूं, जहां मेरे माता-पिता को मुझ पर पूरा भरोसा है। वह जानते हैं कि मैं कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं लेतीं। पहले मैं हर बात को अच्छी से समझती हूं और फिर फैसला करती हूं। यही वजह है कि मेरे परिवार ने मेरे फैसले पर कभी सवाल नहीं किए, बल्कि साथ दिया।

आकांक्षा ने बताया, ''मेरे पिता को शुरुआत में इस पूरी प्रक्रिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। वह ऐसे समय और माहौल में बड़े हुए हैं, जहां इस तरह के विषयों पर ज्यादा चर्चा नहीं होती थी। इसलिए मुझे पहले यह समझना पड़ा कि एग्स फ्रीज कराना क्या होता है और इसकी जरूरत क्यों पड़ती है। उन्होंने मेरी बातों को ध्यान से सुना और समझने की कोशिश की।''

अभिनेत्री ने बताया, ''मेरे पिता ने कभी मेरे फैसले का विरोध नहीं किया। उन्हें बस इस बारे में जानकारी चाहिए थी। जब मैंने उन्हें विस्तार से समझाया कि मैं ऐसा क्यों करना चाहती हूं और इसके पीछे क्या वजह है, तो उन्होंने मेरे समर्थन किया। वहीं, मां की चिंता कुछ और थी।''

आकांक्षा ने कहा, ''मां को मेरी सेहत की चिंता थी, क्योंकि इस प्रक्रिया में मेडिकल इलाज और कुछ जरूरी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। ऐसे में मां होने के नाते उन्हें अपनी बेटी की सेहत को लेकर फ्रिक थीं, लेकिन जब मैंने उन्हें समझाया कि मैं भविष्य को ध्यान में रखकर यह फैसला ले रही हैं, तो वह मेरी बात को समझ गईं। मां का समर्थन मेरे लिए बेहद खास है।''

उन्होंने आगे कहा, ''जब परिवार आपके साथ खड़ा हो, तो बड़े से बड़ा फैसला लेना आसान हो जाता है। मेरे माता-पिता ने कभी मुझ पर अपनी सोच नहीं थोपी। हमेशा मेरी बात सुनी और मुझ पर भरोसा किया। मुझे इस फैसले को लेकर किसी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ।''

वर्कफ्रंट की बात करें तो आकांक्षा रंजन जल्द ही अपनी चर्चित सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' के दूसरे सीजन में नजर आने वाली हैं।

'लॉक अप' के नए सीजन में कंगना रनौत के न होने पर बोलीं एकता कपूर, 'पूरी तरह बदल गया शो का फॉर्मेट'

मुंबई । टीवी और ओटीटी की दुनिया में एकता कपूर की अपनी अलग ही पहचान है। इन दिनों वह अपने लोकप्रिय रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के नए सीजन को लेकर चर्चा में है। इस बार शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले सीजन को होस्ट करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत इस बार शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसी को लेकर

एकता कपूर ने खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि आखिर ऐसा क्यों हुआ।

मुंबई में हुए शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने कंगना रनौत के न होने से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''इस बार शो का पूरा फॉर्मेट और विजन बदल दिया गया है। जब शो की पूरी दिशा ही बदल रही है, तो पुराने सेटअप को आगे ले जाना संभव नहीं था। इस बार शो को एक नए तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।''

एकता कपूर ने कहा, ''पहले शो का कॉन्सेप्ट जेलर और होस्ट वाला था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बदल दिया गया है। अब न तो पहले जैसा जेलर सिस्टम है और न ही होस्ट की पुरानी भूमिका। शो को नए रूप में लाने के लिए जरूरी था कि हर पुरानी चीज को हटाकर एक नई शुरुआत की जाए।

'19 की उम्र में मैंने पियर्सिंग कराई, अप्पा बहुत गुस्सा हुए थे', श्रुति हासन ने सुनाया मजेदार किस्सा

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री और सिंगर श्रुति हासन ने सोशल मीडिया पर अपने बचपन और टीनएज से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि टीनएज में लिया गया उनका एक फैसला उनके पिता और दिग्गज अभिनेता कमल हासन को बिल्कुल पसंद नहीं आया था, जिसके चलते वह काफी गुस्सा हो गए थे।

दरअसल, श्रुति हासन ने इंस्टाग्राम पर एक 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन के दौरान फैंस के सवालों का जवाब दिया। इसी दौरान एक फैन ने उनसे उनके पर्सनल स्टाइल और बॉडी पियर्सिंग को लेकर सवाल पूछा। इस पर जवाब देते हुए श्रुति ने बताया कि उन्होंने टीनएज में बेली बटन की पियर्सिंग कराई थी।

श्रुति ने अपने जवाब में एक तस्वीर भी शेयर की और लिखा, ''यह फैसला मेरे टीनएज की शरारत का हिस्सा था। 19 साल की उम्र में मैंने बेली बटन की पियर्सिंग कराई थी। मेरे इस फैसले पर मेरे अप्पा काफी गुस्सा हुए थे।''

अभिनेत्री ने कहा कि ज्यादातर लोग टीनएज में ऐसे फैसले लेते हैं, जिन पर बाद में परिवार अलग प्रतिक्रिया देता है।

बता दें कि श्रुति हासन हमेशा से अपने अलग और बोल्ड फैशन स्टाइल के लिए जानी जाती रही हैं।

इसको लेकर एक फैन ने उनसे उनका हेयर केयर रूटीन के बारे में पूछा, जिस पर श्रुति ने बताया कि पिछले पांच सालों में वह किसी भी हेयर सैलून नहीं गई हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने बालों की देखभाल खुद ही करती हैं और जरूरत पड़ने पर खुद ही बाल काटती और ट्रीट करती हैं।

श्रुति ने कहा, ''आखिरी बार मैंने बालों को 2017 में कलर कराया था, और उसके बाद से मैंने किसी तरह का प्रोफेशनल हेयर ट्रीटमेंट नहीं लिया है। मैं अपने बालों और लुक्स के साथ खुद एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती हूं। कभी बालों में घर का बना मास्क लगाती हूं, तो कभी खुद ही काट लेती हूं।

भारत-चीन संबंधों पर सेना प्रमुख की भारतीय राजदूत संग अहम बैठक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी व चीन में भारत के राजदूत के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई है। चीन में भारत के राजदूत विक्रम के. दोरईस्वामी नई दिल्ली में सेना प्रमुख से मुलाकात के लिए पहुंचे थे। इस मुलाकात के दौरान मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई। दोनों ने क्षेत्रीय और वैश्विक रणनीतिक परिदृश्य में हो रहे बदलावों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में भारत और चीन के बीच वर्तमान द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही संवाद और सहयोग के मौजूदा तंत्रों को और अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

गौरतलब है कि दोनों पक्षों लगातार बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच पारस्परिक समझ और सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। वहीं एक अन्य डेवलपमेंट में भारतीय सेना ने स्वदेशी डिजिटल परिवर्तन को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके अंतर्गत जोहो कॉर्पोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल भारत के 'जय' (जॉइंटनेस, आत्मनिर्भरता एवं नवाचार) मिशन के अनुरूप है। इसका उद्देश्य सेना को तकनीकी आधुनिकीकरण को नई दिशा प्रदान करना है।

समझौते पर भारतीय सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल हर्ष छिब्बर, महानिदेशक सूचना प्रणाली और जोहो कॉर्पोरेशन की ओर से निदेशक (इंजीनियरिंग) राजेन्द्रन दंडापानी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी तथा जोहो कॉर्पोरेशन के संस्थापक श्रीधर वेम्बु भी उपस्थित रहे।

इस साझेदारी का उद्देश्य अनुप्रयोग-आधारित अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना, सुरक्षित और टिकाऊ डिजिटल समाधान विकसित करना तथा भारतीय सेना के कर्मियों के तकनीकी कौशल को उन्नत बनाना है। इसके माध्यम से सेना को डेटा-केंद्रित, तकनीक-सक्षम और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार बल के रूप में विकसित करने में सहायता मिलेगी।

भारतीय सेना के अनुसार, यह सहयोग डिजिटल नवाचार, साइबर सुरक्षा, स्वदेशी तकनीकी विकास तथा आधुनिक सूचना प्रणालियों के उपयोग को बढ़ावा देगा। इससे सेना की परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी और उसे एक भविष्य-उन्मुख, डिजिटल रूप से सशक्त सैन्य बल के रूप में विकसित करने के प्रयासों को बल मिलेगा। यह पहल 'नेटवर्किंग एवं डेटा सेंट्रिसिटी वर्ष' तथा 'परिवर्तन के दशक' की व्यापक दृष्टि के अनुरूप भारतीय सेना के आधुनिकीकरण अभियान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एचआईवी और एड्स के खिलाफ वैश्विक एकजुटता का किया समर्थन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने एचआईवी और एड्स को लेकर उच्चस्तरीय बैठक में भारत का पक्ष रखा। भारत ने 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा मानने के अपने नए वादे को दोहराया। उन्होंने नेशनल एड्स और एसटीडी कंट्रोल प्रोग्राम को लागू करके इस लक्ष्य की ओर भारत की कोशिशों के बारे में जानकारी दी।

इस दौरान सस्ती दवाओं, डायग्नोस्टिक्स और नई तकनीक तक सबके लिए बराबर पहुंच के महत्व पर जोर दिया गया। साथ ही, जीवन बचाने वाली दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टीआरआईपीएस समझौते के तहत फ्लेक्सिबिलिटी पर भी जोर दिया गया।

भारत का पक्ष रखते हुए पी हरीश ने कहा, 'भारत ड्राफ्ट पॉलिटिकल डिक्लेरेशन में दिखाई देने वाली वैश्विक एकजुटता की भावना के साथ खुद को जोड़ता है और आगे की सोच वाले और कार्रवाई पर आधारित नतीजे पर आम सहमति बनाने के लिए की गई कोशिशों का स्वागत करता है। जैसे-जैसे हम 2030 की डेडलाइन के करीब पहुंच रहे हैं, ग्लोबल एचआईवी से निपटने का तरीका एक अहम मोड़ पर है। हालांकि पिछले दो दशकों में काफी तरक्की हुई है लेकिन लगातार असमानताएं, पैसे की कमी और उभरती वैश्विक चुनौतियां इन कामयाबियों के लिए खतरा बनी हुई हैं। इसलिए हम 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा मानने के उसके बाद भी तरक्की बनाए रखने के डिक्लेरेशन के नए कमिटमेंट का समर्थन करते हैं।'

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर, भारत नेशनल एड्स और एसटीडी कंट्रोल प्रोग्राम को लागू करके इस लक्ष्य के लिए पूरी तरह से कमिटेड है, जो सबूतों पर आधारित प्लानिंग, कम्युनिटी एंगेजमेंट और इंटीग्रेटेड सर्विस डिलीवरी से गाइडेड है।

संक्षिप्त खबर

पीएम पद की नॉमिनेटेड उम्मीदवार ने बेचे अपने तीन मकान

सोल। दक्षिण कोरिया की प्रधानमंत्री पद की नामित उम्मीदवार हान सियोंग-सुक ने अपने स्वामित्व वाले तीन मकान बेच दिए हैं, और अब उनके पास सिर्फ एक घर बचा है। उनके कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब वह संसदीय पुष्टि (कन्फर्मेशन) सुनवाई की तैयारी कर रही हैं, जिसमें उनके पास कई मकानों का स्वामित्व विपक्ष के प्रमुख आलोचनात्मक मुद्दों में से एक माना जा रहा था। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार हान, जो पिछले वर्ष सरकार में शामिल होने से पहले दक्षिण कोरिया की प्रमुख ऑनलाइन पोर्टल कंपनी नावेर की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रह चुकी हैं, ने सोल में तीन और ग्योंग्गी प्रांत में एक मकान का स्वामित्व रखा था। विपक्ष का आरोप है कि कई मकानों का स्वामित्व रखना राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की उन आलोचनाओं के विपरीत है, जिनमें उन्होंने बहु-आवास स्वामित्व और रियल एस्टेट सट्टेबाजी की निंदा की थी। कार्यालय के अनुसार, हान के पास अब केवल सोल के केंद्रीय क्षेत्र सामचियोंग-डोंग में स्थित एक मकान ही बचा है। कार्यालय ने एक बयान में कहा, 'प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवार हान सियोंग-सुक का मानना है कि एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के रूप में उनकी बड़ी जिम्मेदारी है और वह सरकार की रियल एस्टेट नीति को लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी।

तय जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से पालन करना जरूरी : मसूद पेजेश्कियान

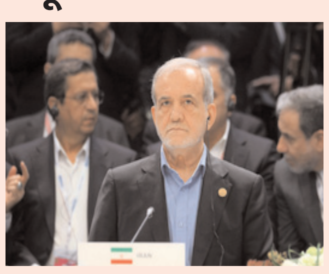

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के अनुसार अमेरिका के साथ शांति वार्ता की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि 'तय की गई जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से पालन' किया जाए। बर्गेनस्टॉक टॉक्स को लेकर ईरान 'प्रतिबद्धता के बदले प्रतिबद्धता सिद्धांत' की मांग करता आया है। पेजेश्कियन ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में दायित्वों, जिम्मेदारियों और संकल्प की बात कही। उन्होंने लिखा, 'वार्ता की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि जिन दायित्वों पर सहमति जताई है, उनका पालन पूरी निष्ठा से किया जाए। पूर्ण प्रतिबद्धता दिखाई जाए।' उन्होंने आगे कहा, 'इस दिशा में प्रगति का आकलन स्वीकृत जिम्मेदारियों के व्यावहारिक अनुपालन के आधार पर किया जाएगा। सहमत टेक्स्ट से बाहर दिए गए बयान वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद नहीं करते।' हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनका संकेत किस बयान की ओर था। लेकिन पिछले 48 घंटों में डोनाल्ड ट्रंप ने कई ऐसी टिप्पणियां की हैं जिनका ईरानी अधिकारियों ने खंडन किया है। इनमें यह दावा भी शामिल है कि ईरान परमाणु निरीक्षणों (न्यूक्लियर इंस्पेक्शन्स) की अनुमति देने पर सहमत हो गया है और यह कि ईरान को जारी किए जाने वाले किसी भी धन का उपयोग अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद के लिए किया जाएगा। इस बीच, ईरानी संसद के अध्यक्ष बाघेर गालीबाफ ने बातचीत को भी संघर्ष का ही एक हिस्सा बताया। स्विट्जरलैंड से लौटते हुए, उन्होंने विमान में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'युद्ध के मैदान में मिली सफलता तब तक स्थायी राजनीतिक और कानूनी उपलब्धि नहीं बनती, जब तक उसे कूटनीति के जरिए आगे नहीं बढ़ाया जाए।'

भारत और इजरायल ने बढ़ाया संस्थागत सहयोग ऑडिटिंग और तकनीक क्षेत्र में हुआ समझौता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इजरायल के राज्य नियंत्रक व लोकपाल और ईयूआरओएसएआई के अध्यक्ष मतन्याहू एंगलमैन भारत के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के. संजय मूर्ति ने मतन्याहू एंगलमैन के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

बैठक में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑफिस से डिप्टी कंट्रोलर और ऑडिटर जनरल (एचआर, आईआर, लीगल और कोऑर्डिनेशन) के. एस. सुब्रमण्यम, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) बी. के. मोहंती; डायरेक्टर जनरल (अंतरराष्ट्रीय संबंध) विमलेंद्र पटवर्धन; भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार और इजरायल के राज्य नियंत्रक और लोकपाल ऑफिस से अंतरराष्ट्रीय विभाग की प्रमुख मिरी वीस शामिल हुए।

दोनों नेताओं के बीच यह बैठक एक ज्ञापन समझौते पर हस्ताक्षर के साथ खत्म हुई, जिससे पब्लिक सेक्टर ऑडिटिंग, कैपेसिटी बिल्डिंग, तकनीक अपनाने, विशेषज्ञता में लेन-देन और अच्छे अभ्यास को साझा करने में सहयोग का रास्ता बना। भारत में इजरायल के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'इजरायली दूतावास, इजरायल के राज्य नियंत्रक और लोकपाल के ऑफिस और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के ऑफिस के बीच पर हस्ताक्षर होने का स्वागत करता है।' दूतावास ने कहा कि नई दिल्ली के अपने दौरे के दौरान इजरायल के राज्य नियंत्रक व लोकपाल और ईयूआरओएसएआई के अध्यक्ष मतन्याहू एंगलमैन ने पब्लिक सेक्टर ऑडिटिंग, कैपेसिटी बिल्डिंग, टेक, और इंस्टीट्यूशनल लर्निंग और कोलेबोरेशन में कोऑपरेशन को आगे बढ़ाने के लिए भारत के कंट्रोलर और ऑडिटर जनरल के. संजय मूर्ति से मुलाकात की। यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर इजरायल और भारत के बीच बढ़ती साझेदारी को दर्शाता है।

मध्य पूर्व संघर्ष ने दुनिया को सबसे बड़ा झटका दिया : यूएन चीफ

विश्व केसरी

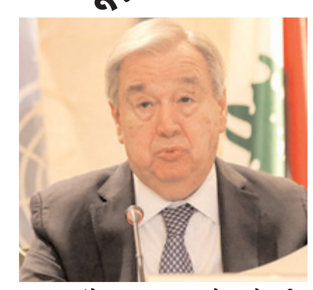

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मध्य पूर्व संघर्ष से पैदा हुई दिक्कतों को दुनिया के लिए बड़ा झटका करार दिया। उन्होंने कहा है कि इसने अब तक के सबसे बड़े ऊर्जा झटके को जन्म दिया है। उनके अनुसार कई विकासशील देशों के लिए यह सिर्फ एक ऊर्जा संकट नहीं था बल्कि इसकी वजह से उन पर कर्ज का बोझ बढ़ा, खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ीं और उनके विकास की गति पर भी प्रभाव पड़ा। अपनी राय उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'कई विकासशील देशों के लिए यह सिर्फ ऊर्जा संकट नहीं है, बल्कि यह कर्ज, खाद्य सुरक्षा और विकास से जुड़ा एक बड़ा झटका भी है।'

गुटेरेस ने आगे कहा, 'कोई भी शांति समझौता निश्चित रूप से आवश्यक राहत देगा, लेकिन इसके प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की संभावना है।' 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमले में ईरान के कई शहरों को भारी नुकसान पहुंचा। जवाबी कार्रवाई में तेहरान ने खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया। ड्रोन हमलों के दायरे में कई ऊर्जा संयंत्र भी आए। इस बीच मध्यस्थता की कोशिश भी की गई। पाकिस्तान, कतर और तुर्की जैसे देशों ने सीज फायर की कोशिश की। चालीस दिन बाद अस्थायी संघर्ष विराम से कुछ लगाम लगी लेकिन फिर हवाई हमले चालू हो गए।

इंगा रुगिनिएने ने लिथुआनिया के प्रधानमंत्री पद से दिया इस्तीफा

विश्व केसरी

विनियस। इंगा रुगिनिएने ने नौ महीने से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बाद मंगलवार को लिथुआनिया के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि निवर्तमान कैबिनेट ने मंगलवार को अपनी आखिरी बैठक की, जिसमें मंत्रियों ने सर्वसम्मति से अपने इस्तीफे के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

बैठक के दौरान इंगा रुगिनिएने ने कहा, 'सभी मुश्किलों के बावजूद, हमारे पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है और आप में से हर एक ने हमारे राज्य की भलाई और हमारे लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाने में अहम योगदान दिया है।'

उन्होंने कहा, 'आज हम इस्तीफा देने और सरकार की पावर रिपब्लिक के राष्ट्रपति को वापस करने का फैसला करते हैं।' लिथुआनिया के पब्लिक ब्रॉडकास्टर लिथुआनियाई रेडियो एंड टेलीविजन (एलआरटी) ने बताया कि बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए, रुगिनिएने ने अपने कार्यकाल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'राजनीति में आप बहुत सी चीजें सीख सकते हैं, अच्छा कैसे दिखना है, फ्लूएंट कैसे बोलना है लेकिन आप हिम्मत या इंसानियत नहीं सीख सकते।' उन्होंने कहा कि हमदर्दी, लोगों की बात सुनने की काबिलियत और काम करने की हिम्मत, ये वो खूबियां थीं जिनसे उन्हें मुश्किल फैसलों और जिम्मेदारियों के दौरान अपना रास्ता न खोने में मदद मिली।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस बात से परेशान थे कि वह 'एक प्रधानमंत्री कैसा होना चाहिए, उसे कैसे बोलना चाहिए, उसे कैसे बर्ताव करना चाहिए, उसे कैसा दिखना चाहिए, इस बनी-बनाई स्टीरियोटाइप इमेज' में फिट नहीं बैठीं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि एक लीडर को किसी और के रेडीमेड टेम्पलेट के हिसाब से बनाया जाना चाहिए। एलआरटी रिपोर्ट के अनुसार, इंगा रुगिनिएने ने उन दावों को खारिज कर दिया कि उनकी अपनी पार्टी ने उन्हें कुर्बान किया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव एक सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया है। इस्तीफे का प्रस्ताव मंगलवार को लिथुआनिया के राष्ट्रपति गिटानास नौसेदा को दिया जाएगा।

क्षमता से रणनीतिक साझेदारी तक : सीआरएफ ने भारत-लैटिन अमेरिका संबंधों को मजबूत करने का किया समर्थन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। चिंतन रिसर्च फाउंडेशन (सीआरएफ) की बुलाई गई एक चर्चा के अनुसार, भारत और लैटिन अमेरिका के पास एक खास मौका है कि वे एक लंबे समय से नजरअंदाज किए गए संबंध को एक रणनीतिक साझेदारी में बदल सकें। खासतौर से यह ऐसे समय में बेहद जरूरी है, जब भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आर्थिक बिखराव और रणनीतिक निर्भरता को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण वैश्विक सप्लाई चेन लगातार बदल रही हैं।

'भारत-लैटिन अमेरिका: द अनएक्सप्लोर्ड पार्टनरशिप' शीर्षक वाली यह चर्चा सोमवार को नई दिल्ली में हुई। इसमें उरुग्वे, अर्जेंटीना, कोलंबिया, ग्वाटेमाला, पनामा और कोस्टा रिका के राजदूत, रणनीतिक समुदाय के शिक्षाविद और विशेषज्ञ शामिल हुए। इसमें भारत-लैटिन अमेरिका के संबंध से जुड़े जरूरी मुद्दों पर बातचीत हुई। आधिकारिक बयान के अनुसार, चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत-लैटिन अमेरिका संबंधों से जुड़ी बातों को अपडेट करने की जरूरत है, ताकि हाल के सालों में हुए जरूरी विकास को बेहतर ढंग से दिखाया जा सके और राजनीतिक, आर्थिक, रणनीतिक और सामाजिक डोमेन में जुड़ाव के मौजूदा चैनलों को संस्था बनाया जा सके। बयान में आगे कहा गया कि स्पीकर्स ने लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में उच्चस्तरीय बैठक और लगातार डिप्लोमैटिक आउटरीच के जरिए भारत की राजनीतिक उपस्थिति को मजबूत करने की अहमियत पर भी जोर दिया। स्पीकर्स ने भारत की आने वाली ब्रिक्स अध्यक्षता और उरुग्वे की कम्युनिटी ऑफ लैटिन अमेरिकन एंड कैरेबियन स्टेट्स (सीईएलएसी) की अध्यक्षता की ओर ध्यान दिलाया और इसे 'दोनों प्लेटफॉर्म्स के बीच बातचीत और सहयोग को गहरा करने और एक ज्यादा स्ट्रक्चर्ड भारत-लैटिन अमेरिका साझेदारी को आगे बढ़ाने का मौका' बताया।

महरंग बलोच को आजीवन कारावास की सजा मानवाधिकार संगठन बोले- 'ये न्यायिक आतंकवाद'

क्वेटा। जानी-मानी बलूच कार्यकर्ता महरंग बलोच को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पाकिस्तानी अदालत के इस फैसले को मानवाधिकार संगठनों ने 'अन्याय' और 'न्यायिक आतंकवाद' का नाम दिया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक महरंग समेत चार बलोच कार्यकर्ताओं को उम्र कैद की सजा दी गई है।

पाकिस्तान की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने सोमवार को महरंग बलोच सहित चार कार्यकर्ताओं को फ्रंटियर कॉर्प्स के एक अधिकारी की हत्या से जुड़े मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। फैसले की निंदा करते हुए बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने पाकिस्तान को 'आतंकवादी देश' बताया और आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में भय और दहशत फैलाने के लिए इस्लामाबाद अपनी सत्ता और संस्थाओं का गलत इस्तेमाल कर रहा है। बीएनएम ने एक्स पर लिखा, 'हम इस फैसले को अस्वीकार करते हैं। पाकिस्तान का यह न्यायिक आतंकवाद बलोच राष्ट्रीय आंदोलन को नहीं रोक सकता और न ही प्रतिरोध की राजनीति का मार्ग अवरुद्ध कर सकता है।'

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगोल रिफाइनरी प्रोजेक्ट की कंस्ट्रक्शन साइट का किया दौरा, कामों का लिया जायजा

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर मंगोलिया के दौरे पर हैं। उन्होंने मंगोल रिफाइनरी प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन साइट का दौरा किया। इस दौरान मंगोलिया की विदेश मंत्री बत्सेत्सेग बटमुंख और इंडस्ट्री और माइनिंग मंत्री गोंगोर दमदिन्न्यम भी मौजूद रहे। वहां उन्होंने चल रहे कामों की स्थिति की समीक्षा की।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'विदेश मंत्री बत्सेत्सेग बटमुंख और उद्योग और खनन मंत्री गोंगोर दमदिन्नयम के साथ मंगोल रिफाइनरी प्रोजेक्ट की कंस्ट्रक्शन साइट का दौरा किया। यह लैंडमार्क भारत मंगोलिया फ्रेंडशिप प्रोजेक्ट लगातार आगे बढ़ रहा है। इसमें शामिल अलग-अलग टीमों के साथ चल रहे कामों की स्थिति का समीक्षा की।' उन्होंने कहा, प्रोजेक्ट साइट पर भारतीय और मंगोलियन वर्कफोर्स से भी बातचीत की। मुश्किल हालात में इतने बड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने में उनके डेडिकेशन और कमिटमेंट के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मंगोलिया की विदेश मंत्री बत्सेत्सेग बटमुंख के साथ मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, 'भारत और मंगोलिया रणनीतिक साझेदार हैं। हमारे रिश्ते गहरी सभ्यतागत और आध्यात्मिक जुड़ाव, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, विकास की इच्छाओं और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं।'

पिछले साल भारत और मंगोलिया ने अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 साल पूरे होने का जश्न मनाया था। विदेश मंत्री ने बताया कि उनकी यात्रा का एक मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति उखनागिन खुरेलसुख के बीच पिछले साल भारत यात्रा के दौरान हुई बातचीत के फैसलों और प्रगति की समीक्षा करना था। डॉ. एस. जयशंकर ने कहा, 'हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग के हर पहलू पर चर्चा की, जिसमें विकास से जुड़ी साझेदारी भी शामिल है।'

तनाव और सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया में ब्रिक्स की है खास भूमिका : अजित डोभाल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने मंगलवार को कहा कि ब्रिक्स केवल देशों के समूह से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे दुनिया की लगभग आधी आबादी का एक सामूहिक घर बताया, जिसकी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में 'खास भूमिका' है। खासतौर से ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय सिस्टम बढ़ती अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और बदलते सुरक्षा खतरों का सामना कर रहा है।

16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सालहकारों की मीटिंग में एनएसए अजित डोभाल ने अपने समकक्षों का स्वागत किया और सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने समूह के अंदर सहयोग को आगे बढ़ाने में लगातार जुड़े रहने और समर्थन के लिए हिस्सा लेने वाले देशों को धन्यवाद दिया।

एनएसए अजित डोभाल ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, 'मैं आज आपकी मौजूदगी और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के आपके लगातार कमिटमेंट के लिए आप सभी का शुक्रिया अदा करता हूं।' मौजूदा वैश्विक हालात को हाइलाइट करते हुए, उन्होंने कहा कि दुनिया एक खास तौर पर मुश्किल दौर से गुजर रही है, जिसमें हथियारों से जुड़ी लड़ाइयां, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आर्थिक दबाव और ऐसी विघटनकारी प्रौद्योगिकी का आना शामिल है जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के माहौल को बदल रही हैं। उन्होंने कहा, 'हम बहुत मुश्किल समय में मिल रहे हैं। दुनिया सैन्य झगड़ों और मुश्किल सुरक्षा समस्याओं से जूझ रही है। यह भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबाव और विघटनकारी प्रौद्योगिकी का सामना कर रही है।' एनएसए अजित डोभाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने जो चुनौतियां हैं, वे तेजी से मुश्किल होती जा रही हैं और उन्हें मैनेज करना कठिन हो रहा है, जबकि मौजूदा संस्थागत फ्रेमवर्क और झगड़े सुलझाने के तरीके असरदार तरीके से जवाब देने में मुश्किल हो रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'न केवल खतरे और अधिक जटिल तथा आपस में जुड़े हुए होते जा रहे हैं, बल्कि उनसे निपटने या उनके प्रभाव को कम करने के लिए मौजूद साधन और संस्थागत तंत्र भी लगातार अपर्याप्त साबित हो रहे हैं।'

बहुपक्षीय सहयोग के कमजोर होने पर चिंता जताते हुए, एनएसए डोभाल ने कहा कि ग्लोबल सिस्टम में बहुपक्षवाद में गिरावट देखी जा रही है, ऐसे समय में जब मिलकर काम करने की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है। उन्होंने ब्रिक्स बनाने के पीछे के असली विजन को याद करते हुए कहा, 'बहुपक्षवाद कम हो रहा है।'

एनएसए अजित डोभाल के मुताबिक, ब्रिक्स को उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के एक अनौपचारिक समूह के तौर पर सोचा गया था, जिसका मकसद ज्यादा 'मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर' को बढ़ावा देना, आर्थिक सहयोग बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय मामलों में ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंद करना था।

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर में बड़ा एक्शन : काकादेव के कई कोचिंग संस्थानों पर छापेमारी, 30 इमारतें सील

विश्व केसरी

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज में हुए कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। शहर के प्रमुख शिक्षा केंद्र काकादेव क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जांच अभियान चलाया गया, जहां सैकड़ों छात्र विभिन्न कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई कर रहे थे। सुरक्षा मानकों और भवन नियमों के उल्लंघन की आशंका पर कई संस्थानों की जांच की गई और उनके खिलाफ कार्रवाई भी की गई।

छापेमारी के दौरान कई कोचिंग संस्थानों को खाली कराया गया। एक छात्र ने आईएएनएस से बताया कि उसके बैच में करीब 40 से 50 विद्यार्थी पढ़ते हैं। उसने कहा कि लखनऊ की घटना में बड़ा नुकसान हुआ है और ऐसी स्थिति में सभी कोचिंग संस्थानों के सुरक्षा मानकों की जांच होना बेहद जरूरी है। वहीं एक छात्रा ने बताया कि उन्हें अचानक यह कहकर क्लास से निकाला गया कि कोचिंग को सील किया जा रहा है। उसने कहा कि उसके बैच में लगभग 60 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे थे। उसने कहा कि सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम सही हैं और यदि किसी कोचिंग को सील किया जा रहा है तो कहीं न कहीं सुरक्षा मानकों में कमी जरूर रही होगी। छात्र प्रतुमन यादव ने भी कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि सुरक्षा मानकों में कमी के कारण ही कोचिंग संस्थान को सील किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब संस्थान आवश्यक सुरक्षा दस्तावेज और मानकों को पूरा कर देंगे, तब उन्हें दोबारा खोला जा सकेगा। इस पूरे अभियान पर जानकारी देते हुए केडीए सचिव अभय पांडे ने आईएएनएस से बताया कि लखनऊ की घटना को गंभीरता से लेते हुए पूरे प्राधिकरण क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबर

छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता, बीएसबी से संबद्ध विद्यालयों को मुख्यधारा से जोड़ रही योगी सरकार

विश्व केसरी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, तकनीक सक्षम और छात्र केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। शिक्षा सुधारों को संस्थागत मजबूती प्रदान करने और प्रत्येक विद्यार्थी को सुव्यवस्थित शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़ने के क्रम में अब भारतीय शिक्षा बोर्ड (बीएसबी), हरिद्वार से संबद्ध विद्यालयों के लिए यू-डायस प्लस कोड आवंटन तथा विद्यालय श्रेणी उन्नयन (स्कूल केटेगरी अपग्रेडेशन) की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है।

स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी द्वारा जारी निर्देशों के अंतर्गत संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। यह पहल विद्यार्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों को राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी शैक्षणिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल प्रशासन, तकनीक आधारित अनुश्रवण और डेटा प्रबंधन को लगातार मजबूती दी जा रही है। यू-डायस प्लस जैसी व्यवस्थाओं के विस्तार से शिक्षा प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा रहा है।

टीएमसी के तीन बैंक खातों की साइबर पुलिस जांच शुरू, पांच साल के लेन-देन पर नजर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की साइबर पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के तीन बैंक खातों की विस्तृत जांच शुरू की है। पुलिस के निर्देश पर हाल ही में इन खातों पर डेबिट फ्रीज लगा दिया गया था। बिधाननगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में चल रही जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अधिकारी पिछले पांच साल में इन खातों से हुए लेन-देन की बारीकी से जांच कर रहे हैं। जांच का फोकस इस बात पर है कि पैसा कहां से आ रहा था और इन खातों से पैसा कहां भेजा गया। जांचकर्ता इन खातों से जुड़े दूसरे पहलुओं की भी जांच कर रहे हैं, जैसे कि ये खाते कब खोले गए, किसके नाम पर रजिस्टर किए गए और इतने सालो तक इन्हें किन लोगों (अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं) ने ऑपरेट किया। लेन-देन के रिकॉर्ड का बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है क्योंकि आरोप है कि जबरन वसूली और गैर-कानूनी कमीशन से मिला पैसा इन खातों में जमा किया गया था। जांचकर्ता इस दावे की भी जांच कर रहे हैं कि ऐसी गतिविधियों से मिले पैसे को बाद में दूसरे गैर-कानूनी कामों के लिए इन खातों से निकाला गया। यह जांच बिधाननगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में टीएमसी के कई बागी विधायकों की शिकायतों के बाद शुरू हुई है। अपनी शिकायतों में विधायकों ने आरोप लगाया कि जबरन वसूली से इकट्ठा किया गया पैसा तीन बैंक खातों में रखा गया था।

विलास घुले हत्याकांड : महाराष्ट्र में हत्या के चार दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने पर सड़क पर उतरे ग्रामीण

विश्व केसरी

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में मंगलवार को उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब टाकली गांव के लोगों ने विलास घुले हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जोरदार आंदोलन शुरू कर दिया। वारदात को अंजाम दिए चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

जानकारी के मुताबिक, जिले के टाकली गांव में कोली समाज के एक युवक के साथ मारपीट की घटना हो रही थी। इसी विवाद को सुलझाने के लिए पहुंचे विलास घुले पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिसमें उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद से मृतक के परिजन और ग्रामीण लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मंगलवार को टाकली गांव के लोग बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे और केज बंद की घोषणा करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में अंबाजोगाई-अहिल्यानगर महामार्ग को जाम कर दिया और सड़क पर बैठकर आंदोलन शुरू कर दिया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, आंदोलन को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है और शहर में भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया है। बीती शनिवार रात को केज रोड पर स्थित एक होटल के पास कुछ लोगों के बीच विवाद और मारपीट हो रही थी। इसी दौरान टाकली के रहने वाले विलास घुले झगड़ा शांत कराने के लिए मौके पर पहुंचा था। इस दौरान घुले पर ही कुछ लोगों ने धारदार हथियार से कई वार कर दिए।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने ली करवट, धूल भरी आंधी और बारिश का कहर; रेड अलर्ट जारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली। तेज धूल भरी आंधी और तेज हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया, जिसके बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले तीन घंटे के लिए रेड अलर्ट जारी किया।

आईएमडी के अनुसार, खराब मौसम की स्थिति कम से कम तीन घंटे तक बनी रह सकती है। कुछ इलाकों में हवाओं की गति 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। विभाग ने गरज-चमक, बिजली गिरने और हल्की बारिश की भी संभावना व्यक्त की है।

दोपहर करीब 2:30 बजे मौसम विभाग ने दिल्ली समेत हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई इलाकों के लिए तत्काल चेतावनी जारी की। इसके तुरंत बाद राजधानी में तेज हवाएं चलनी शुरू हो गईं। धूल के घने गुबार ने सड़कों, खुले स्थानों और रिहायशी इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच इस मौसम परिवर्तन ने लोगों को अस्थायी राहत पहुंचाई। मौसम विभाग ने बताया कि धूल भरी आंधी के बाद गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। नमी से भरी हवाओं और अस्थिर वातावरण के मेल से यह स्थिति बनी है। बारिश से वातावरण में फैली धूल बैठने और तापमान में और गिरावट आने की उम्मीद है।

रेड अलर्ट केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। हरियाणा के सोनीपत, रोहतक, खरखौदा, भिवानी और चरखी दादरी जिलों में भी खराब मौसम की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के बागपत, खेकड़ा, पिलखुआ और सिकंदराबाद क्षेत्रों को भी अलर्ट पर रखा गया है। राजस्थान के अलवर, भिवाड़ी, तिजारा और डीग में भी मौसम के प्रभाव की आशंका जताई गई है।

दिल्ली के तकिया काले खान के पास भीषण आग से 30 झुग्गियां जलकर खाक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के पीछे तकिया काले खान इलाके की वाल्मीकि बस्ती में बनी झुग्गियों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 30 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। साथ ही बड़ी मात्रा में प्लाईवुड, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री भी नष्ट हो गई।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आग की तीव्रता के बावजूद आपातकालीन सेवाओं और पुलिसकर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार रात करीब 11:32 बजे तकिया काले खां इलाके में आग लगने की पीसीआर कॉल मिली। स्थानीय पुलिस टीमें स्थिति का आकलन करने और बचाव एवं निकासी अभियान शुरू करने के लिए मौके पर पहुंचीं। भीषण आग ने वहां संग्रहीत पुराने फर्नीचर, लकड़ी, प्लाईवुड और अन्य अत्यधिक दहनशील सामग्रियों के एक बड़े भंडार को अपनी चपेट में ले लिया था। आग की लपटें तेजी से फैल गईं, जिससे आसपास की झोपड़ियों और घनी आबादी में रहने वाले निवासियों के लिए गंभीर खतरा पैदा हुआ।

पुलिसकर्मियों ने तुरंत निकासी अभियान चलाया और स्थानीय निवासियों को तेजी से फैल रही आग से उत्पन्न खतरे के बारे में सचेत किया। अधिकारियों ने कहा कि कुछ निवासियों के प्रतिरोध के बावजूद, जो अपने घरों और सामान को पीछे छोड़ने के लिए अनिच्छुक थे, पुलिस ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के अपने प्रयास जारी रखे। त्वरित हस्तक्षेप के माध्यम से, पुलिस टीमों ने पूरे संवेदनशील क्षेत्र को सफलतापूर्वक खाली करा लिया और कई परिवारों के सदस्यों सहित 12 लोगों को सुरक्षित बचा लिया। इसके साथ ही, घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग, बीएसईएस और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) को दी गई, जिन्होंने तेजी से मामले की गंभीरता को समझा और साइट पर आपातकालीन संसाधन तैनात किए।

नियंत्रण बिगड़ने से बस स्टॉप पर चढ़ा ट्रक, 3 की मौत; कई अन्य घायल

कोट्टारक्करा। केरल के कोट्टारक्करा के निकट नीलेश्वरम में मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार टिपर ट्रक भीड़भाड़ वाले बस स्टॉप पर चढ़ गया, जिससे एक स्कूली छात्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि वाहन चला रहा चालक भारी वाहन चलाने के लिए वैध लाइसेंस नहीं रखता था।

मृतकों की पहचान कुडावत्तूर निवासी हरिलाल (54), कार्मेल स्कूल के कक्षा 10 के छात्र पार्थिप (15) और नीलेश्वरम मुक्कोनिमुक्कु निवासी अजय कुमार (45) के रूप में हुई है।

यह हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ, जब मिट्टी से लदा टिपर ट्रक ढलान से तेज गति से नीचे आते समय चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक ने पहले एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी और फिर बस स्टॉप में घुस गया, जहां छात्र और अन्य यात्री बस का इंतजार कर रहे थे।

बस स्टॉप को तोड़ते हुए ट्रक पलट गया, जिससे वहां मौजूद लोग उसके नीचे दब गए। ट्रक में लदी मिट्टी, बस स्टॉप का मलबा और आसपास की संरचनाओं के टूटे हिस्से भी पीड़ितों पर गिर पड़े।

हादसे के बाद आठ लोग ट्रक और मलबे के नीचे फंस गए। स्थानीय लोगों, पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने अर्थमूवर मशीनों की मदद से बचाव अभियान चलाया। हालांकि, तीन लोगों की अस्पताल ले जाने से पहले या इलाज के दौरान मौत हो गई। घायलों में छात्र कुशल (15), ऋषभ बोबन (15), नवनीत (13), जिबी मोल (15) और टिपर चालक निजाम शामिल हैं। सभी का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कोल्लम मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती दो छात्रों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से एक को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है।

मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता पर आए नौ लाख सुझाव : चेतन कश्यप

भोपाल। मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चेतन कश्यप ने बताया है कि राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लिए जन सामान्य से सुझाव मांगे जा रहे हैं और अब तक नौ लाख से ज्यादा सुझाव आ चुके हैं। राज्य कैबिनेट की मंगलवार को बैठक हुई जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

इस बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री चेतन कश्यप ने बताया कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर अब तक नौ लाख से अधिक सुझाव दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें लगभग 90 प्रतिशत सुझावों में यूसीसी के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया है। साथ ही, इसका प्रारूप पांच जुलाई तक तैयार कर लिया जाएगा। दरअसल, मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार जुलाई में होने वाले विधानसभा के सत्र में इस प्रारूप को पेश करना चाहती है और उसी क्रम में आम जन से सुझाव भी आमंत्रित किए जा रहे हैं।

अभी हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का मध्य प्रदेश प्रवास हुआ है, इसी की चर्चा करते हुए कैबिनेट मंत्री चेतन कश्यप ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु प्रवास पर मध्यप्रदेश आईं। इस दौरान उन्होंने सिकल सेल उन्मूलन अभियान में विशेष रुचि दिखाई। सिकल सेल विषय पर आयोजित विशेष सम्मेलन में इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

अरामबाग में बस खाई में गिरी, 2 महिलाओं की मौत, 30 घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के अरामबाग क्षेत्र में मंगलवार को एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई और सड़क किनारे खाई में जा गिरी। इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि करीब 30 यात्री घायल हो गए।

अधिकारियों के मुताबिक, घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। दुर्घटना के बाद एंबुलेंस के देर से पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, करीब 50 यात्रियों को लेकर जा रही यह बस पूर्व बर्दवान जिले के बर्दवान शहर से हुगली जिले के तारकेश्वर जा रही थी। अरामबाग के आदमबांध इलाके में चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बस पलटकर खाई में जा गिरी। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बाद में सूचना मिलने पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, हादसे में दो महिला यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 65 वर्षीय लक्ष्मी मुर्मू और 35 वर्षीय शर्मिला सोरेन के रूप में हुई है। दोनों पूर्व बर्दवान जिले के धादन क्षेत्र की रहने वाली थीं और तारकेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए जा रही थीं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

हादसे में घायल यात्रियों को बचाकर अरामबाग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने दुर्घटना के लिए सड़क की खराब स्थिति को जिम्मेदार ठहराया है। उनका आरोप है कि सड़क मरम्मत की मांग लंबे समय से की जा रही थी, लेकिन प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। एंबुलेंस के देर से पहुंचने को लेकर भी लोगों में काफी नाराजगी देखी गई।

गौरतलब है कि हाल ही में जलपाईगुड़ी जिले के मयनागुड़ी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर उत्तर बंगाल राज्य परिवहन निगम की एक यात्री बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई थी। उस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

एआई को चिंतन, रचनात्मकता और अधिक गहन मानवीय अनुभवों के लिए बनानी चाहिए जगह : इंडस्ट्री लीडर्स

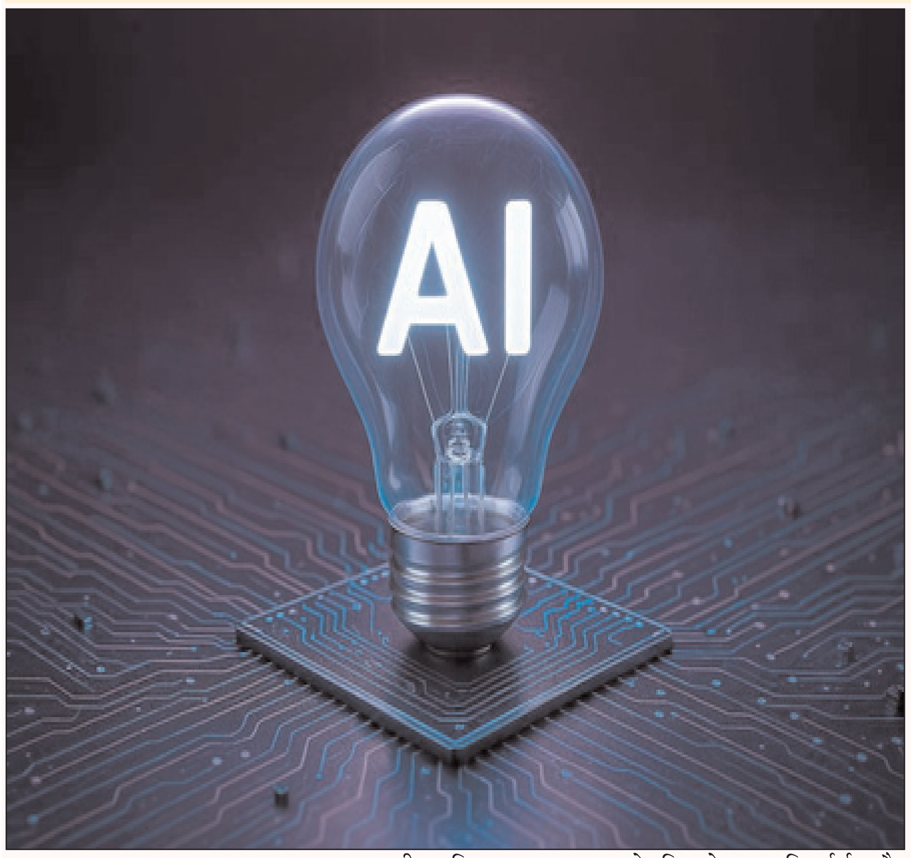

विश्व केसरी ■

डालियान (चीन)। आर्टिफिशियल इटेलिजेंस (एआई) को उत्पादकता बढ़ाने के अलावा चिंतन, रचनात्मकता और अधिक गहन मानवीय अनुभवों के लिए स्थान बनाने में मदद करनी चाहिए। यह बयान एक्सपर्ट्स ने मंगलवार को यहां चल रही वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की 'एनुअल न्यू चैंपियंस मीटिंग' या 'समर दावोस' में दिया।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए, कला, न्यूरोसाइंस और एआई के मेल को दिखाते हुए, रिसर्चर्स और क्यूरेटर्स ने बताया कि कैसे ब्रेन-सेंसिंग की नई तकनीकें इंसानों और मशीनों के बीच ज्यादा सहानुभूतिपूर्ण और व्यक्तिगत बातचीत को संभव बना रही हैं।

बेंगलुरु साइंस गैलरी की डायरेक्टर जाह्नवी फाल्के ने कहा कि आर्टिस्ट इमैनुएल गोलाब् ने साइंस गैलरी मेलबर्न के साथ मिलकर जो इंस्टॉलेशन तैयार किया है, वह दिखाता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानी दिमाग से मिलने वाले सिग्नल्स को कैसे समझ सकता है।

फाल्के ने कहा, 'हम साइंस गैलरी इंटरनेशनल नेटवर्क से हैं और यह साइंस गैलरी मेलबर्न में मेरे साथियों की बनाई एक प्रदर्शनी है।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस मूर्ति के पीछे का आइडिया यह है कि यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सिद्धांतों पर काम करता है। विजिटर अपने माथे पर चश्मे जैसा एक डिवाइस पहनते हैं, जो दिमाग से निकलने वाली ईईजी एक्टिविटी और इलेक्ट्रिकल सिग्नल को डिटेक्ट करता है। इसके बाद रोबोट उस चीज पर प्रतिक्रिया देता है।

जो व्यक्ति के दिमाग के अंदर चल रही होती है।' उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट दिखाता है कि कैसे एआई सिर्फ काम की तेजी और प्रोडक्टिविटी पर ध्यान देने के बजाय, अधिक सार्थक और इंसानों पर केंद्रित अनुभव बना सकता है।

जानकारों के मुताबिक, दिमाग की संवेदनाओं और न्यूरल एक्टिविटी को समझने से इंटेलिजेंट सिस्टम लोगों के साथ अधिक व्यक्तिगत और सहानुभूतिपूर्ण तरीके से प्रतिक्रिया कर सकते हैं।

ऐसी तकनीकें दिखाती हैं कि कैसे एआई इंसानी भावनाओं और मशीनों के बीच की दूरी को कम कर सकता है।

साइंस गैलरी मेलबर्न से जुड़े रिसर्चर रयान जेफरीज ने 'डूइंग नथिंग विद एआई' नाम के इंस्टॉलेशन को एक इंटरैक्टिव आर्टवर्क बताया, जो कला और विज्ञान को एक साथ लाता है।

जेफरीज ने कहा, 'यह आर्टिस्ट इमैनुएल गोलाब् का 'डूइंग नथिंग विद एआई' नाम का एक इंटरैक्टिव आर्टवर्क है। इसमें एक ईईजी हेडसेट का इस्तेमाल होता है जो दिमाग के अंदर होने वाली इलेक्ट्रिकल एक्टिविटी को पकड़ता है और उसे एक बड़े रोबोटिक से जोड़ता है, जो उस एक्टिविटी के हिसाब से हिलता-डुलता है।'

उन्होंने बताया कि इस आर्टवर्क का मुख्य मकसद विजिटर्स को रुकने और अपने विचारों की गति धीमी करने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वे एक इंटेलिजेंट मशीन के साथ बातचीत करते हुए अपनी मानसिक स्थिति पर विचार कर सकें।

नीट पेपर के चलते अस्थाई रोक के बाद टेलीग्राम की प्ले स्टोर पर फिर हुई वापसी

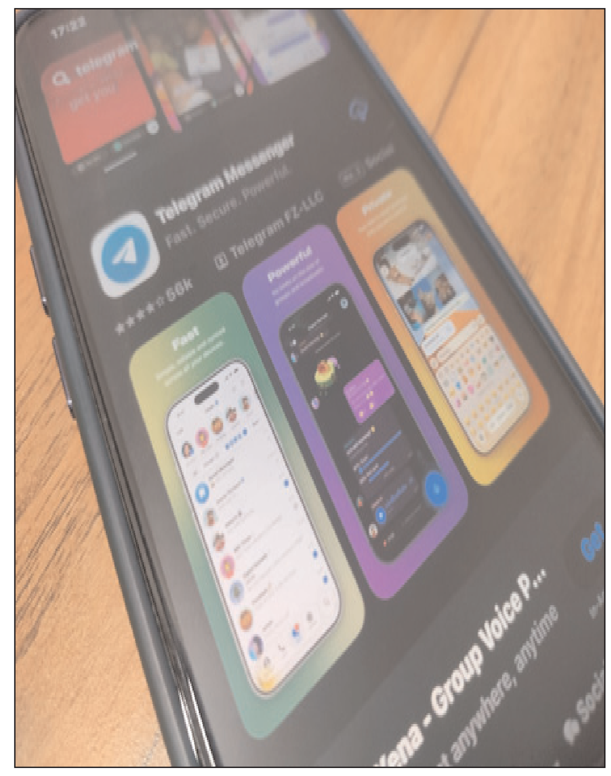

नई दिल्ली। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम मंगलवार को फिर से गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध हो गया है। नीट यूजी 2026 के दोबारा होने के चलते सरकार ने इस मैसेजिंग ऐप पर करीब एक हफ्ते के लिए एक अस्थाई रोक लगा दी थी।

सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अनुरोध पर 16 से 22 जून तक टेलीग्राम को अस्थायी रूप से ब्लॉक करने का आदेश दिया था। सरकारी एजेंसी का आरोप था कि संगठित नकल गिरोह इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल 21 जून को आयोजित नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को गुमराह करने और उनके साथ धोखाधड़ी करने के लिए कर रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल ऐप प्ले स्टोर पर आ गया है, लेकिन इस प्लेटफॉर्म के एडिट मैसेज फीचर पर रोक 30 जून तक जारी रहेगी। हालांकि, ऐप अभी एप्पल प्ले स्टोर पर नहीं आया है।

पिछले हफ्ते, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने नीट की दोबारा परीक्षा से पहले एहतियात के तौर पर भारत में टेलीग्राम को 22 जून तक ब्लॉक कर दिया था।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को कहा, 'ये कदम उन चीटिंग रैकेट्स द्वारा प्लेटफॉर्म के संगठित इस्तेमाल के जवाब में उठाए गए हैं, जो 21 जून 2026 को होने वाली नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को धोखा देने की कोशिश कर रहे थे।'

शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा से पहले पूरे भारत में टेलीग्राम की सेवाओं को कुछ समय के लिए रोकने के केंद्र सरकार के फैसले को सही ठहराया।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के ब्लॉकिंग ऑर्डर को चुनौती देने वाली टेलीग्राम एफजेड एलएलसी की याचिका को खारिज करते हुए, जस्टिस तेजस करिया की सिंगल-जज बेंच ने कहा कि देशव्यापी मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम से जुड़े हालात को देखते हुए मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को 22 जून तक रोकना और उसके मैसेज-एडिटिंग फीचर को 30 जून तक बंद करना सही कदम है।

क्या कम हो रही है आपकी सुनने की क्षमता? शरीर पहले ही देने लगता है ये संकेत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सुनने की क्षमता कम होना केवल बढ़ती उम्र की समस्या नहीं है। आज के समय में तेज शोर, लंबे समय तक ईयरफोन का इस्तेमाल, कुछ बीमारियां और जीवनशैली से जुड़ी कई चीजें लोगों की सुनने की क्षमता पर असर डाल रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि सुनने की समस्या अक्सर धीरे-धीरे शुरू होती है। शुरुआत में व्यक्ति को लगता है कि आसपास बहुत शोर है या सामने वाला साफ नहीं बोल रहा, लेकिन असल में यह सुनने की क्षमता में आ रही कमी का संकेत हो सकता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग सालों तक इस समस्या को पहचान नहीं पाते और जब तक इलाज के बारे में सोचते हैं, तब तक परेशानी काफी बढ़ चुकी होती है।

वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, कान आवाज सुनने के साथ-साथ मस्तिष्क तक सही जानकारी पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका

निभाते हैं। जब सुनने की क्षमता कम होने लगती है तो व्यक्ति बातचीत को समझने और लोगों से जुड़ने में मुश्किल होती है। लंबे समय तक सुनने की समस्या को नजरअंदाज करने से तनाव, अकेलापन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों का खतरा बढ़ता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, सुनने की क्षमता कम होने का पहला संकेत होता है कि कई बार लोग आवाज तो सुन लेते हैं, लेकिन शब्दों को ठीक तरह से समझ नहीं पाते। खासकर ऐसी जगहों पर जहां बहुत सारे लोग एक साथ बात कर रहे हों या आसपास शोर हो, वहां बातचीत समझना मुश्किल लगने लगता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सुनने की क्षमता में शुरुआती कमी अक्सर ऊंची आवृत्ति वाली आवाजों को प्रभावित करती है। ऐसे में कुछ शब्द या अक्षर साफ सुनाई नहीं देते, जिससे बातचीत अधूरी लगती है।

एक और सामान्य संकेत बार-बार लोगों से बात दोहराने के लिए कहना है। जब यह स्थिति ज्यादा बार होने लगे, तब इसे गंभीरता से लेना चाहिए। कई मामलों में परिवार के सदस्य या करीबी लोग सबसे पहले इस बदलाव को महसूस करते हैं। सुनने की क्षमता में कमी का एक और संकेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आवाज बढ़ाना भी माना जाता है। अगर किसी व्यक्ति को टीवी, मोबाइल या रेडियो की आवाज पहले की तुलना में ज्यादा तेज रखनी पड़ रही है, तो यह कानों की बदलती क्षमता का संकेत हो सकता है। चूंकि यह बदलाव धीरे-धीरे होता है, इसलिए कई लोगों को इसका एहसास नहीं होता। फोन पर बातचीत के दौरान होने वाली परेशानी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमने-सामने बात करते समय हम सामने वाले के चेहरे के भाव, होंठों की गतिविधि और शारीरिक भाषा से भी अर्थ समझ लेते हैं। लेकिन फोन पर केवल आवाज ही सहारा होती है। इसलिए सुनने की क्षमता में थोड़ी सी कमी भी फोन पर बातचीत के दौरान आसानी से महसूस हो सकती है।

कांगो में इबोला का प्रकोप जारी, कन्फर्म मामले बढ़कर हुए 1,048

विश्व केसरी ■

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के कन्फर्म मामलों की संख्या बढ़कर 1,048 हो गई है। इबोला के 1,048 मामलों में 267 लोगों की मौत भी शामिल हैं। देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इबोला को लेकर एक नई रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के अनुसार, रविवार तक के डेटा के हिसाब से, 371 मरीज आइसोलेशन में थे या हॉस्पिटल में भर्ती थे, जबकि 112 लोग ठीक हो गए थे। रविवार तक कुल 202 संदिग्ध मामलों की पहचान हुई, जिनमें 60 मौतें शामिल हैं। कुल केस मृत्यु दर 25.5 फीसदी था।

रिपोर्ट के अनुसार, कन्फर्म मामलों की संख्या हर हफ्ते बढ़ रही है, जो कम्युनिटी ट्रांसमिशन का संकेत है। इसमें चेतावनी दी गई है कि अगर सार्वजनिक स्वास्थ्य के उपाय तुरंत लागू नहीं किए गए तो तेजी से फैलाव हो सकता है।

बुंडीबुग्यो इबोलावायरस की वजह से मौजूदा आउटब्रेक को डीआरसी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 15 मई को आधिकारिक तौर पर ऐलान किया था।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, शुक्रवार को यूएन के मानवीय कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी थी कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में विस्थापन कैंपों में ज्यादा भीड़ और खराब सफाई की वजह से इबोला फैलने का खतरा बढ़ रहा है।

यूएन ऑफिस फॉर द कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमैनिटेरियन अफेयर्स (ओसीएचए) ने कहा कि 270,000 से ज्यादा लोग, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं, इतुरी प्रांत में 60 से ज्यादा जगहों पर शरण लिए हुए हैं। इनमें से कई जगहों पर पानी, सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं की ठीक से पहुंच नहीं है।

कार्यालय ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को स्थानीय साझेदारों से रिपोर्ट मिली है कि बुधवार और गुरुवार के बीच, इतुरी की राजधानी बुनिया में दो शिविरों में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। प्रतिक्रिया टीमें तत्काल जांच कर रही हैं कि क्या ये मौतें इबोला से जुड़ी हैं। अप्रैल के बाद से, शहर के आसपास के शिविरों में कम से कम 62 मौतें हुई हैं।

ओसीएचए ने कहा, 'ये मौत बुनिया में इबोला के बड़े पैमाने पर फैलने के बीच हो रही हैं, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं पर भरोसा न होना, भीड़भाड़, बचाव के उपायों में कमी और शवों को असुरक्षित तरीके से संभालने की वजह से विस्थापित कैंपों में लोगों में फैलने का खतरा बढ़ रहा है। यह खास तौर पर चिंता की बात है क्योंकि इतुरी प्रांत इस बीमारी का केंद्र बना हुआ है, जहां 90 फीसदी से ज्यादा कन्फर्म मामले सामने आए हैं।

राजस्थान: जोधपुर में सीजेरियन डिलीवरी के बाद आठ महिलाओं की तबीयत बिगड़ने पर जांच के आदेश

विश्व केसरी ■

जयपुर। जोधपुर के पावटा जिला अस्पताल में सीजेरियन डिलीवरी के बाद आठ महिलाओं की तबीयत बिगड़ने पर उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। इस घटना ने स्वास्थ्य मानकों पर चिंताएं बढ़ा दी हैं और विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

यह घटना 20 जून को हुई, जब अस्पताल में सीजेरियन डिलीवरी कराने वाली आठ महिलाओं को ऑपरेशन के तुरंत बाद गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गईं। अधिकारियों के अनुसार, प्रसव के तुरंत बाद उनकी हालत बिगड़ गई, जिसके बाद तत्काल चिकित्सा हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने इस घटना पर चिंता

व्यक्त की और राजस्थान की स्वास्थ्य प्रणाली की खराब स्थिति को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, पायलट ने कहा कि आठ महिलाओं के सीजेरियन सेक्शन के बाद गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त होने की खबरें बेहद दुखद और चिंताजनक हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी प्रबंधन करने में विफल रही है और कोटा और बीकानेर में पहले हुई ऐसी ही घटनाओं का हवाला दिया, जहां प्रसव के बाद महिलाओं को किडनी फेलियर का सामना करना पड़ा और कुछ मामलों में उनकी मृत्यु भी हो गई।

पायलट ने कहा कि भाजपा सरकार के शासन में राज्य में चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं लगातार बिगड़ रही हैं। सरकारी अस्पतालों की हालत बेहद खराब है और आम नागरिक अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने मामले की उच्च स्तरीय जांच, जांच के दौरान पाई गई किसी भी लापरवाही के लिए जवाबदेही, प्रभावित परिवारों के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता और महिलाओं के लिए बेहतर चिकित्सा उपचार की मांग की।

जरूरत से ज्यादा सोना सेहत के लिए खतरनाक, शरीर देता है गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की चेतावनी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अच्छी सेहत के लिए नींद बेहद जरूरी है। स्वस्थ रहने के लिए रोजाना लगभग 7 से 9 घंटे की नींद लेनी चाहिए, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब नींद कम नहीं, बल्कि जरूरत से ज्यादा आने लगे। अगर कोई व्यक्ति रोज 10 घंटे या उससे ज्यादा सोता है और फिर भी खुद को थका हुआ महसूस करता है, तो यह सामान्य नहीं है।

बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं या बीमारी से ठीक हो रहे लोगों में नींद की जरूरत थोड़ी अधिक हो सकती है, लेकिन स्वस्थ वयस्कों में लगातार बहुत ज्यादा नींद किसी छिपी समस्या का संकेत हो सकती है।

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि जरूरत से ज्यादा सोने से शरीर की गतिविधियां कम हो सकती हैं। जब व्यक्ति ज्यादा समय बिस्तर पर बिताता है, तो इससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा चलने पर शरीर का मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो सकता है। इसके अलावा कई लोग ज्यादा सोने के बाद भी भारीपन, सुस्ती और सिरदर्द महसूस करते हैं।

डॉक्टर बताते हैं कि बहुत ज्यादा नींद आना कई बार किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नींद से जुड़ी कुछ बीमारियां जैसे नींद में सांस रुकना, मस्तिष्क से जुड़ी नींद की समस्याएं या शरीर में बेचैनी की स्थिति नींद को बार-बार बाधित कर सकती हैं। इसी वजह से व्यक्ति ज्यादा देर तक सोने के बाद भी थका हुआ महसूस करता है। इसके अलावा अनियमित दिनचर्या, लगातार तनाव, गलत खानपान, बहुत ज्यादा कैफीन या शराब का सेवन भी नींद के पैटर्न को बिगाड़ सकता है।

कुछ मामलों में यह स्थिति शरीर के हार्मोनल बदलाव या पुरानी बीमारियों से भी जुड़ी हो सकती है। जैसे थायरॉयड की समस्या, ब्लड शुगर का असंतुलन या कुछ तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियां भी व्यक्ति को ज्यादा सोने के लिए मजबूर करती हैं।

ये रोजमर्रा की आदतें बनाती हैं समय से पहले बूढ़ा, तेजी से बढ़ती है एजिंग की समस्या

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। उम्र बढ़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे रोका नहीं जा सकता। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, त्वचा के अंदर बनने वाले जरूरी तत्व धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। इनमें कोलेजन और इलास्टिन जैसे प्रोटीन शामिल होते हैं, जो त्वचा को मजबूत और मुलायम बनाए रखते हैं। जब ये कमजोर होते हैं तो चेहरे पर झुर्रियां, ढीलापन और रूखापन दिखने लगता है। आज के समय में सिर्फ उम्र ही नहीं बल्कि हमारी रोज की आदतें भी त्वचा को जल्दी बूढ़ा बना रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, धूम्रपान

त्वचा के लिए सबसे हानिकारक आदतों में से एक है। सिगरेट के धुएं में कई ऐसे जहरीले तत्व होते हैं, जो शरीर की नसों को सिकोड़ देते हैं। इससे त्वचा तक खून और ऑक्सीजन कम पहुंचता है। जब त्वचा को सही पोषण नहीं मिलता तो वह धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है और समय से पहले झुर्रियां दिखने लगती हैं।

नींद की कमी भी त्वचा पर गहरा असर डालती है। जब हम सोते हैं तो शरीर खुद को ठीक करता है और नई कोशिकाएं बनाता है। लेकिन अगर नींद पूरी नहीं होती तो यह प्रक्रिया ठीक से नहीं हो पाती। शरीर में तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन बढ़ जाते हैं।

जिससे त्वचा की मरम्मत धीमी हो जाती है। इसका असर चेहरे पर थकान, डलनेस और झुर्रियों के रूप में दिखाई देने लगता है, इसलिए रोज 7 से 9 घंटे की नींद बहुत जरूरी होता है।

मेसी के रिकॉर्ड प्रदर्शन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया

नॉकआउट दौर में अर्जेंटीना की जगह पक्की

डलास। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने एक बार फिर अपने शानदार खेल से सबका दिल जीत लिया। मेसी ने दो गोल दागे और कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करते हुए मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को ऑस्ट्रिया पर 2-0 की जीत दिलाई। इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने नॉकआउट दौर में भी जगह पक्की कर ली।

अपने 39वें जन्मदिन से दो दिन पहले मैदान पर उतरे मेसी ने पहले हाफ में पेनाल्टी मिस कर दी थी, लेकिन इससे उनका आत्मविश्वास बिल्कुल नहीं डगमगाया। उन्होंने मैच के 38वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। इसके बाद इंजरी टाइम में एक और गोल करके टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

यह मैच मेसी के लिए कई मायनों में खास रहा। उन्होंने विश्व कप में अपने 17वें और 18वें गोल किए और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोज के नाम था, जिन्होंने 16 गोल किए थे।

अब विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में मेसी टॉप पर पहुंच गए हैं। उनके बाद क्लोज (16) और ब्राजील के रोनाल्डो (15) का नाम आता है। फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे और जर्मनी के गर्ड मुलर 14-14 गोल के साथ अगले स्थान पर हैं।

मेसी ने न सिर्फ़ टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि वे लगातार छह वर्ल्ड कप मैचों में गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बन गए; उनसे पहले फ्रांस के जस्ट फोंटेन और ब्राजील के जाइरज़िन्हो ने ऐसा किया था। यह इस टूर्नामेंट में मेसी का चौथा गोल था।

मैच की शुरुआत में अर्जेंटीना ने आक्रामक खेल दिखाया और कई मौके बनाए। हालांकि, मेसी के पेनाल्टी चूकने के बाद टीम की लय कुछ समय के लिए टूट गई।

अर्जेंटीना 2 VS 0 ऑस्ट्रिया

गोल : 38' मेसी (पेनाल्टी) | 90+5' मेसी

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026: नरवाल ने रजत और युग प्रताप ने कांस्य पदक जीता

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जर्मनी के सुहल में आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में भारत के लिए एक और शानदार दिन रहा। देश के लिए निशानेबाजों ने तीन और पदक अपने नाम किए। शिवा नरवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10मीटर एयर पिस्टल मेन जूनियर इवेंट में रजत पदक जीता। वहीं, युग प्रताप सिंह राठौर ने इसी इवेंट में कांस्य पदक जीता।

भारत ने 10-मीटर एयर पिस्टल मेन जूनियर टीम इवेंट में एक और रजत पदक जीता, जिसमें शिवा नरवाल, संदीप बिश्नोई, और चिराग शर्मा की तिकड़ी ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया और पोडियम पर जगह बनाई।

तीन पदकों के साथ भारत के इवेंट में कुल 15 पदक (5 स्वर्ण, 3 रजत और 7 कांस्य) हो गए हैं। आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में व्यक्तिगत और टीम इवेंट्स में भारतीय टीम ने पदक तालिका में टॉप पर अपनी जगह बनाए रखी है, जो व्यक्तिगत और टीम इवेंट्स में उसके लगातार अच्छे प्रदर्शन और दबदबे को दिखाता है।

सोमवार को इससे पहले, भारतीय टीम ने टेबल में टॉप पर अपनी बढ़त को और मजबूत करने के लिए अपनी टैली में चार और मेडल जोड़े। भारत के प्रीतम केंद्रे ने 10मी एयर राइफल मेन जूनियर इवेंट में शानदार और शांत प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता, जिससे देश को चैंपियनशिप का पांचवां स्वर्ण पदक मिला।

भारत ने 25-मीटर पिस्टल विमेन जूनियर टीम इवेंट में अंजलि महेंद्र भागवत, परिशा गुप्ता और निथिला आइवी डार्लिंग प्रवीण क्रिस्टोफर की तिकड़ी की मदद से कांस्य पदक जीता। एक और कांस्य पदक 25 मीटर पिस्टल मेन जूनियर टीम इवेंट में आया, जहां अभिनव चौधरी, राज चंद्रा, और जतिन ने शानदार टीम प्रदर्शन करते हुए पदक जीतने वालों जगह बनाई।

भारत के समीर ने 25-मीटर रैपिड-फायर पिस्टल मेन जूनियर इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने फाइनल में 28 हिट्स के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन मेन जूनियर इवेंट में, रोहित कन्यान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जिससे चैंपियनशिप में भारत का अभियान और मजबूत हुआ।

भारत को प्राची गायकवाड़ के जरिए रजत पदक भी मिला, जो 50मीटर राइफल 3 पोजीशन विमेन जूनियर इवेंट में 354.7 के स्कोर के साथ उपविजेता रही।

झारखंड टी20 क्रिकेट लीग 2026: जमशेदपुर स्टीलर्स और छोटा नागपुर रॉयल्स की फाइनल में धमाकेदार एंट्री

विश्व केसरी ■

रांची । झारखंड स्टेटस क्रिकेट एसोसिएशन इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (जेएससीए) में सोमवार को झारखंड टी20 क्रिकेट लीग 2026 के दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए।

पहले सेमीफाइनल मुकाबले में जमशेदपुर स्टीलर्स ने कोयलांचल सुपर किंग्स को मात दी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में छोटा नागपुर रॉयल्स ने बड़े स्कोर का पीछा करते हुए रांची टाइटंस को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

दोनों ही मुकाबलों में बल्लेबाजों का दबदबा दिखा। जमशेदपुर स्टीलर्स और छोटा नागपुर रॉयल्स ने अपने विरोधियों को हराकर फाइनल में एंट्री ले ली है। पहले सेमीफाइनल मुकाबले की बात करें तो जमशेदपुर स्टीलर्स ने कोयलांचल सुपर किंग्स 79 रनों से हराया। जमशेदपुर स्टीलर्स की ओर से कुमार करण ने 63 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 143 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इस दौरान करण के बल्ले से 8 चौके और 3 छक्के निकले, जबकि रवि शर्मा ने 46 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 81 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

इस तरह से पहले बल्लेबाजी करते जमशेदपुर स्टीलर्स ने दो विकेट के नुकसान पर निर्धारित 20 ओवरों में 250 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

फीफा वर्ल्ड कप: फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया; अपने 100वें इंटरनेशनल मैच में एम्बाप्पे का शानदार प्रदर्शन

विश्व केसरी ■

फिलाडेल्फिया। अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में किलियन एम्बाप्पे ने हाफ टाइम से पहले और बाद में गोल दागे, जबकि ओस्मान डेम्बेले ने तीसरा गोल कर फ्रांस को ईराक के खिलाफ 3-0 की जीत दिलाई। इस जीत के साथ फ्रांस ने एक मैच शेष रहते हुए राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली।

एम्बाप्पे अब छह फीफा विश्व कप मैचों में दो या उससे अधिक गोल कर चुके हैं, जो टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी अन्य खिलाड़ी से अधिक है। उनके दो गोलों की बदौलत इस विश्व कप में उनके गोलों की संख्या चार हो गई है, जिससे वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी के ठीक पीछे पहुंच गए हैं।

फ्रांस को पहला गोल 14वें मिनट में मिला। माइकल ओलिस के पास पर एम्बाप्पे ने लगभग 20 गज की दूरी से बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया।

दूसरा गोल इराकी टीम की बड़ी गलती का नतीजा था। ज़ैद तहसीन और गोलकीपर अहमद बासिल के बीच तालमेल की कमी के कारण गेंद डेम्बेले के पास पहुंच गई। डेम्बेले ने गेंद एम्बाप्पे को थमा दी, जिन्होंने आसान मौका नहीं गंवाया।

एम्बाप्पे का 15वां विश्व कप गोल शानदार था, जबकि 16वां गोल उन्हें प्रतिद्वंद्वी की गलती से मिला। मैच की शुरुआत उन्होंने रोनाल्डो के 15 विश्व कप गोलों के आंकड़े से पीछे रहते हुए की थी। पहले उन्होंने उस रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर उससे आगे निकल गए। अब वह 16 गोल के साथ मिरोस्लाव क्लोज़ के बराबर पहुंच गए हैं और रिकॉर्ड धारक लियोनेल मेसी से केवल एक गोल पीछे हैं।

डेम्बेले को उनके टीम-फर्स्ट रवैये का इनाम 12 मिनट बाद मिला। माइकल ओलिस ने एक और शानदार पास दिया, जिस पर डेम्बेले ने गोल कर अपने करियर का पहला विश्व कप गोल दर्ज किया।

फ्रांस का अगला मुकाबला नॉर्वे से होगा। टीम को पता है कि परिणाम चाहे जो भी रहे, वह नॉकआउट चरण में पहुंच चुकी है। इस बीच, एम्बाप्पे की नजर 2026 विश्व कप के गोल्डन बूट और टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने के रिकॉर्ड पर बनी रहेगी।

इसके अलावा, वह 103 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के आंकड़े तक पहुंचने की कोशिश करेंगे। यह उपलब्धि उनके लंबे समय तक कोच रहे डिडिएर डेसचैम्प्स के नाम दर्ज है।

यदि फ्रांस टूर्नामेंट में आगे बढ़ता है और एम्बाप्पे सभी मैच खेलते हैं, तो वह राउंड ऑफ 16 तक इस आंकड़े की बराबरी कर सकते हैं।

नितीश रेड्डी आयरलैंड, इंग्लैंड टी20 सीरीज से बाहर, सूर्यांश शेडगे को पहली बार टीम इंडिया में मौका

विश्व केसरी ■

मुंबई । आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। इंजरी की वजह से ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी दोनों सीरीज से बाहर हो गए हैं। रेड्डी की जगह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सूर्यांश शेडगे को टीम में जगह दी है। सूर्यांश को पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली है। बीसीसीआई ने बताया कि नितीश हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। इस वजह से वह आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं।

बोर्ड ने कहा कि पुरुष चयन समिति ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आने वाली टी20 सीरीज के लिए भारत की टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह सूर्यांश शेडगे को शामिल किया है। नितीश ने 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे के बाद बाएं क्वाड्रिसेप्स में परेशानी का जिक्र किया था। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने जांच के बाद रिहैबिलिटेशन की सलाह दी है।

नितीश रेड्डी का बाहर होना भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका है। इंजरी की वजह से पहले से ही दिग्गज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज का हिस्सा नहीं हैं।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'सूर्यांश को हाल ही में श्रीलंका में समाप्त हुई त्रिकोणीय सीरीज में इंडिया ए के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद यह मौका मिला। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए इस 23 साल के इस खिलाड़ी ने पांच मैचों में 147 रन बनाए और 2 विकेट लिए थे। वह 2024-25 में मुंबई के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी कैंपेन में भी सबसे अच्छे परफॉर्मर रहे थे। निचले क्रम में 251.92 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 131 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के बाद ही आईपीएल 2025 में सूर्यांश शेड्गे को पंजाब किंग्स ने अपने स्क्वॉड में शामिल किया था। आईपीएल 2026 में सूर्यांश ने 7 मैचों में 175.55 की स्ट्राइक रेट से 158 रन बनाए थे।

तिरुवनंतपुरम: डॉ. मनसुख मांडविया ने 'साइकिलिंग बाय द सी' कार्यक्रम में हिस्सा लिया

विश्व केसरी ■

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मंगलवार को 'साइकिलिंग बाय द सी' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने केरलम की राजधानी तिरुवनंतपुरम में चक्का आईटीआई से संकुमुघम बीच साइकिल चलाई। स्थानीय साइकिलिंग क्लब के 250 से ज्यादा सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए। मनसुख मांडविया ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट साझा करते हुए इस कार्यक्रम की जानकारी दी है।

इस मौके पर मांडविया ने कहा, 'तिरुवनंतपुरम में साइकिल चलाने का अनुभव बेहतरीन रहा। स्थानीय क्लब के 250 से ज्यादा युवा सदस्यों आयोजन में हिस्सा लिया।'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खुद को स्वस्थ और सक्रिय रखना है, तो साइकिल नियमित रूप से चलाएं। साइकिल चलाना सिर्फ हमारे स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण है। इससे इंधन की भी बचत होती है, साथ ही प्रदुषण में कमी आती है।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने साइकिलिंग को एक देशव्यापी अभियान में बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है और नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के दृष्टिकोण से इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

खेल मंत्री ने ओलंपिक दिवस पर सभी को शुभकामना देते हुए अपने एक्स पर लिखा, 'सभी को ओलंपिक डे की शुभकामनाएं। हम बेहतरीन, दोस्ती और सम्मान की ओलंपिक मूल्यों का जश्न मना रहे हैं। यह दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करती है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए खेल मंत्री ने लिखा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत एक ऐसी खेल क्रांति देख रहा है, जो पहले कभी नहीं हुआ। उनके नेतृत्व ने एथलीटों को मजबूत किया है और सामान्य नागरिकों में भी खेल को जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया है।' खेल मंत्री मांडविया ने खिलाड़ियों को आगामी बड़े खेल आयोजन एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भी शुभकामना दी और उम्मीद जताई कि देश के एथलीट दोनों आयोजनों में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम इंडिया आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 सीरीज के लिए रवाना

विश्व केसरी ■

चेन्नई । श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम चेन्नई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए रवाना हो गई। टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम की यह पहली टी20 सीरीज है।

टीम इंडिया पहले आयरलैंड और फिर इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी। आयरलैंड सीरीज से श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान अपनी पारी का आगाज करेंगे।

भारतीय टीम बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ 2 टी20 मैच खेलेगी। पहला मैच 26 जून और दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा।

इसके बाद से टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है।

इंग्लैंड के खिलाफ 5 टी20 मुकाबले 1 जुलाई, 4 जुलाई, 7 जुलाई, 9 जुलाई और 11 जुलाई को खेले जाएंगे।

टी20 सीरीज में श्रेयस अय्यर के कप्तानी की शुरुआत के साथ ही सबसे बड़ा आकर्षण वैभव सूर्यवंशी हैं। वैभव आयरलैंड के खिलाफ डेब्यू करते हुए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन तेंदुलकर ने 1989 में 16 साल और 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ इंडिया के लिए डेब्यू किया था।

वैभव सूर्यवंशी को 15 साल और 71 दिन की उम्र में आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 सीरीज और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय सीनियर टीम में चुना गया था। वैभव ने अपने चयन के साथ ही सबसे कम उम्र में चुने जाने का सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद वनडे सीरीज खेली जाएगी। सीरीज के तीन मैच 14, 16 और 19 जुलाई को खेले जाएंगे। वनडे टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे।

अय्यर वनडे में टीम के उपकप्तान हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज भारतीय टीम के लिए वनडे विश्व कप 2027 की शुरुआत के तौर पर देखी जा रही है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415